जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 14 सितम्बर, 2025

आप कौनसी चक्की का आटा खाते हो?

KEDIA™ Pavitra

केसरी जुबान वाले अंकल की? | सड़क किनारे धूल मिट्टी खाती? | चुहों और कॉकरोचों का अड्डा? | जर्जर हो चुकी मशीन वाली? | गेहूँ मिलावट का केन्द्र?

या

FULLY AUTOMATED 16 STEP SWISS TECHNOLOGY WAALE BULHER PLANT MEIN?

जहाँ बनता है

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

FIXED PRICE

DESHI CHAKKI AATA
5 kg | MRP ₹ 250

SEMOLINA (SUJI)
500 g | MRP ₹ 40

SHARBATI SUPERIOR AATA
5 kg | MRP ₹ 350

MUST TRY OUR: BESAN • DALIA • SHARBATI WHEAT • DESHI WHEAT

COMING SOON: • RICE • WHOLE SPICES • POWDER SPICES • PULSES • EDIBLE OILS • DRY FRUITS • BREWS • SWEETNERS

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON APP

ORDER ON CALL 1800 120 2727

ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

विचार बिन्दु

परिवर्तन ही सृष्टि है, जीवन है और स्थिर होना मृत्यु। –जयशंकर प्रसाद

भारत में सभी शहरी क्षेत्रों के आसपास के वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना आवश्यक है

30X30 एक वैश्विक संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य 2030तक पृथ्वी के 30 प्रतिशत भूमि और महासागरों की रक्षा करना है। यह जैव विविधता कन्वेंशन (सीबीडी) के वर्ष 2020 के बाद के वैश्विक जैव-विविधता ढांचे के तहत एक प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 7,935 शहर और कस्बे थे। यहाँ शहरीकरण तेजी से बढ रहा है। इन शहरों और कस्बों के आसपास स्थित पेरी-अर्बन वनों की रक्षा करना पारिस्थितिक गलियारों को मजबूत करेगा, शहरी जैव-विविधता को बढ़ावा देगा और जलवायु सहनशीलता में सुधार करेगा। ये वन कार्बन भंडार के रूप में कार्य करते हैं, महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जैव-विविधता हानि को कम करते हैं। पेरी-अर्बन वनों को 30X30 रणनीति में शामिल करना समावेशी संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ मेल खाता है, जिसमें स्थानीय समुदायों की भागीदारी और देश की अनोखी जैव-विविधता और पारिस्थितिक अखंडता के लिए एक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करना शामिल है।

पेरी-अर्बन वन-हरे भरे क्षेत्र जो शहरों के बाहरी इलाकों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्थित हैं-पारिस्थितिक जीवनरेखा हैं जो शहरीकरण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करते हैं। ये वन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें कार्बन अवशोषण,जल चक्र विनियमन, जैव-विविधता संरक्षण, स्थानीय तापमान को संतुलित करना और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रकृति-आधारित समाधान के स्त्रोत के रूप में काम करना शामिल है। तेजी से शहरी विस्तार के साथ, पेरी-अर्बन वन, कटाई, शहरीकरण के कारण भूमि उपयोग में बदलाव और प्रबंधन में उपेक्षा जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, इनके बहुआयामी लाभों के प्रमाणों के आधार पर, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना और उनका प्रबंधन करना आवश्यक है।

भारत विश्व स्तर पर पेरी-अर्बन वनों की बहाली की उच्चतम संभावना वाले शीर्ष चार देशों में शामिल है, जिसमें चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राज़ील भी शामिल हैं। ये चार देश पुनर्स्थापन गतिविधियों के लिए उपलब्ध वैश्विक पेरी-अर्बन क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रदान करते हैं। अकेले भारत में लगभग 14 से 17 मिलियन हेक्टेयर भूमि ऐसी पहलों के लिए उपयुक्त मानी गई है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता को बढ़ावा देने और शहरी सहनशीलता में सुधार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (एस. फ्रांसिनीएटअल., नेचर सिटीज, वॉल्यूम 1, पेज 286-294, 2024)। यह वैश्विक पुनर्स्थापन प्रयासों में भारत की केंद्रीय भूमिका और लक्षित पुनर्वनीकरण गतिविधियों के माध्यम से महत्वपूर्ण पारिस्थितिक और सामाजिक लाभ प्रदान करने की इसकी क्षमता को उजागर करता है।

भारत में शहरी और पेरी-अर्बन राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षण रिज़र्वों का एक व्यापक नेटवर्क है, जो जैव-विविधता संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (मुंबई), जो 103 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के लिए एक हरा फेफड़ा है और तेंदुओं सहित विविध वन्यजीवों का घर है। इसी तरह,वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल), 4.45 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और प्राकृतिक बाड़ों में जानवरों के साथ एक प्राणी उद्यान के रूप में कार्य करता है। गिंडी राष्ट्रीय उद्यान (चेन्नई),जो केवल 2.7 वर्ग किलोमीटर में फैला है, काले हिरण, चीतल और पक्षियों के लिए एक शहरी अभयारण्य है।

हैदराबाद में का सूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान, जो 1.43 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के केंद्र में स्थित एक शहरी वन है, जो उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनस्पति को संरक्षित करता है और आवश्यक पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है। महावीर हरीना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान, 14.59 वर्ग किलोमीटर में फैला है और काले हिरणों की आबादी और शिक्षा तथा मनोरंजन में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (बेंगलुरु), 260.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और हाथी गलियारे और पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाओं को जोड़ता है, जो शहरी दबावों और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाता है।

चंदका-दामपाड़ा वन्यजीव अभयारण्य, जो भुवनेश्वर, ओडिशा के पास स्थित है, 193.39 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और शहरी क्षेत्रों के करीब एक महत्वपूर्ण हाथी अभयारण्य है। यह मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और जैव-विविधता को संरक्षित करने में पेरी-अर्बन संरक्षित क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करता है। जयपुर का झालाना-अमागढ़ कंजेर्वेशन रिज़र्व, जो 32 वर्ग किलोमीटर में फैला है, अपनी बढ़ती तेंदुओं की आबादी, कार्बन संचय, भू-जल पुनर्भरण और पर्यावरण पर्यटन के लिए जाना जाता है।

हमने हैदराबाद, तेलंगाना के पास स्थित 109 शहरी और पेरी-अर्बन वनों में से एक का दौरा किया, जो 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन प्रजातियों के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनर्जनन को प्रदर्शित करता है। मजबूत संरक्षण उपायों ने जैव-विविधता की रक्षा की है, जलग्रहण क्षेत्र की स्थिति को बेहतर बनाया है और आसपास की झीलों को स्वच्छ पानी प्रदान किया है। इसी प्रकार हैदराबाद का सूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यानएक महत्वपूर्ण शहरी संरक्षित क्षेत्र है, जहाँ चंदन (सैंटलम एल्बम) के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनरुत्पादन को देखा गया है। यह मुख्य रूप से पक्षियों द्वारा बीजों के प्रसार के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें बुलबुल पक्षी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ये पक्षी पार्क के 353 एकड़ क्षेत्र में, जिसमें संरक्षण और पर्यटन क्षेत्र दोनों शामिल हैं, बीजों को फैलाने में सहायक हैं।

जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से पेरी-अर्बन वनों के पारिस्थितिक और सामाजिक लाभों को उजागर किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। इन सभी प्रयासों से पेरी-अर्बन वनों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को सुनिश्चित करेगा, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक लाभों में भी योगदान देगा।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल शहर के लिए हरे फेफड़े का काम करता है, जैव-विविधता संरक्षण में योगदान देता है, पारिस्थितिक पर्यटन को बढ़ावा देता है, और आसपास की झील के लिए जल विनियमन को बेहतर बनाता है। अपनी छोटी सीमा के बावजूद, वन विहार संरक्षण और मनोरंजन के बीच संतुलन स्थापित करता है। पारिस्थितिक संरक्षण और शहरी योजना को एकीकृत करने का उत्तम उदाहरण है।

पेरी-अर्बन वन स्थानीय जलवायु को स्थिर करने के लिए अपरिहार्य हैं, विशेष रूप से उन शहरी और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जो अत्यधिक गर्मी की चपेट में आते हैं। झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रोफेसर आर. योसेफ और उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि पेरी-अर्बन वनभूमि सतह तापमान (LST) को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व के भीतर का थएऊ, आसपास के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में सभी मौसमों में काफी कम था। यह शीतलन प्रभाव दिखाता है कि वन शहरी गर्मी द्वीपों (Urban Heat Islands) का कैसे मुकाबला करते हैं, जो अन्यथा शहरों में गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ाते हैं (Forests, Vol. 13, Pages 1101, 2022)?। यह निष्कर्ष घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जीवन स्तर को सुधारने के लिए भारत में शहरी और पेरी-अर्बन वनों को प्राथमिकता देने की मजबूत वकालत करता है।

शीतलन के अलावा, पेरी-अर्बन वन वैश्विक जलवायु शमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एस. फ्रांसिनी और उनके सहयोगियों ने पाया कि विश्व स्तर पर उपयुक्त पेरी-अर्बन क्षेत्रों को पुनर्स्थापित करके 101 से 106 अरब पेड़ों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा सकता है, जो कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण योगदान देगा (Nature Cities, Vol. 1, Pages 286–294, 2024)?

पेरी-अर्बन वनों में निवेश पारंपरिक 'ग्रे' अवसंरचना,जैसे बांध और तटबंध, के बजाय बाढ़ नियंत्रण और जलवायु अनुकूलन के लिए एक किफायती विकल्प है। आर. मलेकनिया और उनकी टीम द्वारा किए गए अध्ययन यह दर्शाते हैं कि पेरी-अर्बन वन प्राकृतिक स्पंज के रूप में कार्य करते हैं, वर्षा जल को अवशोषित करते हैं, जल पुनर्भरण करते हैं, और शहरी बाढ़ के जोखिम को कम करते हैं (Forests, Vol. 15, 2024)? यह पारिस्थितिकी सेवा आपदा के बाद के पुनर्वास पर होने वाले आर्थिक बोझ को कम करती है और दीर्घकालिक सहनशीलता सुनिश्चित करती है।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

पेरी-अर्बन वन स्वच्छ हवा प्रदान करके, गर्मी के तनाव को कम करके और मनोरंजन स्थल के रूप में शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। ये लाभ विशेष रूप से भारत के घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, जहाँ हीट-वेव और वायु प्रदूषण शहरी समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, पेरी-अर्बन वन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। मनोरंजन स्थलों के रूप में ये वन व्यायाम और विश्राम के अवसर प्रदान करते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना एक क्रांतिकारी नीतिगत समाधान है, जो इन वनों की सुरक्षा को संस्थागत रूप देगा और उनके पारिस्थितिक, आर्थिक और सामाजिक लाभों को पूरी तरह से प्राप्त करने की क्षमता को साकार करेगा। कंजर्वेशने रिज़र्व कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं, जो वनों को शहरी अतिक्रमण और अव्यवस्थित दोहन से बचाते हैं, साथ ही समुदाय की भागीदारी को भी सक्षम बनाते हैं। पेरी-अर्बन वनों के संरक्षण को लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, जीआईएस और रिमोट सेंसिंग उपकरणों का उपयोग करके पेरी-अर्बन वनों की पहचान और मूल्यांकन करना चाहिए, जो भूमि सतह तापमान और पारिस्थितिकी सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा। दूसरे, नीतिगत और कानूनी सुधारों के माध्यम से इन क्षेत्रों को औपचारिक रूप से समय समय पर संशोधित, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप कंजर्वेशन रिज़र्व के रूप में नामित करना आवश्यक है, जिससे इनकी दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तीसरे, सहभागी योजना और शिक्षा के माध्यम से समुदायों को शामिल करना महत्वपूर्ण है, ताकि जन-जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्थानीय स्तर पर संरक्षण प्रयासों में भागीदारी सुनिश्चित हो। चौथे, सीधी बुआई (बीजारोपण), असिस्टेड नेचुरल रिजनेरेशन जैसी वैज्ञानिक पुनर्स्थापन तकनीकों का उपयोग करके वनों के पुनर्स्थापन और क्षतिग्रस्त वनों को बेहतर करने में मदद मिल सकती है। अंत में, जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से पेरी-अर्बन वनों के पारिस्थितिक और सामाजिक लाभों को उजागर किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। इन सभी प्रयासों से पेरी-अर्बन वनों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को सुनिश्चित करेगा, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक लाभों में भी योगदान देगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

सादगी और सरलता के धनी थे ''सवाई सिंह धमोरा''

सवाईसिंह धमोरा की पुण्यतिथि पर विशेष.....

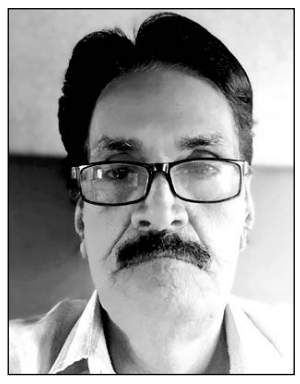

मिश्रीलाल पंवार

राजस्थान शूरवीरों, संतों तथा विद्वानों की कर्मभूमि रही है। महाराणा प्रताप के शौर्य और स्वाभिमान ने राजस्थान को पूरे विश्व में प्रसिद्ध कर दिया वहीं मीरा बाई, संत पीपा जी तथा धन्ना भगत ने राजस्थान को संतों की भूमि होने का गौरव प्रदान किया।

राजस्थान में समय समय पर ऐसी विभूतियों का उदय होता रहा है। जिन्होंने समाज को अपने विचारों से एक नई दिशा दिखाई। महान विचारक, पत्रकार एवं इतिहासकार सवाईसिंह धमोरा भी एक ऐसे ही महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने अपने विचारों से समाज का मार्गदर्शन कर एक नई दिशा दी।

जानकारों का कहना है कि सवाईसिंह धमोरा स्वयं एक इतिहास थे, एक आंदोलन थे। एक सभ्यता व संस्कृति के ध्वज वाहक थे। वे सही के लिए अंतिम दम तक अपनी बात पर टिकने वाले व्यक्तित्व के धनी थे। वे एक सुलझे हुए पत्रकार भी थे। अपनी मर्जी के मालिक थे। गलत को ग़लत और सही को सही कहने का माद्दा रखते थे। यह कहना भी ग़लत नहीं होगा कि वे राजस्थानी भाषा, इतिहास व संस्कृति की चलती-फिरती डिक्शनरी थे। वे बहुप्रतिभा के धनी थे।

आकाशवाणी व दूरदर्शन के प्रसिद्ध वाचक व वार्ताकार भी रहे। अनेक अखबारों के प्रसिद्ध स्तंभकार थे। 91 वर्ष की आयु में भी वे लगातार अखबारो में लिखते रहते थे। भू स्वामी आन्दोलन से भी जुड़े रहे। भू स्वामी आंदोलन के कारण उन्हें जेल भी जाना पड़ा। बाद में वे आकाशवाणी के जयपुर केन्द्र में सेवारत हो गये। देश प्रदेश के अधिकांश हिन्दी भाषा के समाचार पत्र-पत्रिकाओ में उनके लिखे लेख प्रमुखता से प्रकाशित होते थे। उन्होने राजस्थानी में पीरू प्रकाश, गांधी गाथा, चित्तोड़ का जोहर नामक पुस्तके भी लिखी थी। उन्होंने सारा जीवन सादगी से जीया। उनकी वाणी में में इतना प्रभाव था कि जो भी एक बार उनसे मिलता, सदा के लिए उनका हो जाता। उन्होने 1957 में गुढ़ा विधानसभा क्षेत्र से रामराज पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनवा भी लड़ा था मगर राजनैतिक पैंतरेबाजी से अनभिज्ञ थे। इसलिए कांग्रेस प्रत्याशी से हार गये थे। राजपूत संस्कृति तथा परम्पराओ का उन्होंने गहन अध्ययन किया। जब वे तर्क के साथ अपनी बात कहते थे तो अच्छों-अच्छों की बोलती बन्द हो जाती। राजपूत संस्कृति और धर्म तथा परम्पराओ के जानकार थे। इतिहास के दृष्टिकोण में उनका स्पष्ट मत था कि हमे राजपूत इतिहास को हमारे खुद के नजरिये से देखना होगा, लिखना होगा और इतिहास लेखन में हमारी परम्पराओ और अन्य परम्परागत स्त्रोतों का इस्तेमाल करना होगा। वे क्षत्रियों को हमेशा कहते थे कि यदि हमारे लोग इतिहास को राजपूत दृष्टिकोण से नहीं पढेंगे तब तक ये इतिहास हमे प्रेरणा देने लायक नहीं बन पायेगा। इसलिये आवश्यकता इस बात की है कि क्षत्रिय खुद के इतिहासकार हो।

90 वर्ष की उम्र में भी अध्ययन के प्रति उनका बेहद लगाव रहा। सादगी ऐसी थी कि मिलने वाला देखता ही रह जाता। विनम्रता और सरलता ऐसी थी कि जिससे एक बार मिल लेते थे उसका दिल जीत लेते थे, बुद्धि कौशल ऐसा था कि जिससे वाद विवाद कर लेते उसको अपने अकाट्यय तर्कों से नेस्तानबूत कर देते थे। इतिहास का ज्ञान ऐसा था कि सुनने वाले को मंत्रमुग्ध कर देते थे और वैचारिक रूप से इतने परिपक्व थे कि समाज की सभी समस्याओं का समाधान पलभर में बता देते थे। क्षत्रिय धर्म पर चलने के विषय में कहते थे कि मुझे पुनर्जन्म पर पूर्ण विश्वास है और मैं इस लोक से जाने के बाद किसी श्रेष्ठ क्षत्राणी की कोख से फ़िर यही जन्म लूंगा।

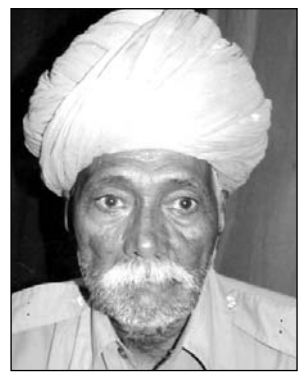

सवाईसिंह धमोरा

सवाई सिंहजी धमोरा का निधन 12 सितंबर 2017 को लगभग 91 वर्ष की उम्र में हो गया था। उन्होंने एक लंबा सार्वजनिक जीवन जिया। अनेकों पुस्तकों का लेखन किया। इन पुस्तकों में गांधी गाथा, चारण चिंतन, पीरू प्रकाश, शैतान सुजस, गुढ़ा गौड़जी गोपीनाथ, बाल गीत, सम्राट पृथ्वीराज चौहान, चित्तौड़ के जौहर व शाके सहित अनेक पुस्तकें शामिल हैं।

आपने क्षत्रिय समाज के लिए खूब काम किया। भूस्वामी आंदोलन, चौपासनी आंदोलन, रूपकंवर सती दिवराला आंदोलन सहित समाज के हर कार्य में अग्रणी रहे। राजपूत सभा, जयपुर के मंत्री रूप में भी अपनी सेवाएं दी। आप लंबे समय तक राष्ट्रदूत के साथ भी जुड़े रहे। राजस्थान धरा के इस सपूत को उनकी पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर

किशोरपुरा क्रशर जोन का नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल टीम ने किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान टीम ने पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी और वन भूमि से होकर गुजरने वाले अवैध मार्गों पर चिंता जताई

पाटन, (निसं)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की विशेष टीम ने हाल ही में किशोरपुरा स्थित क्रशर जोन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी और वन भूमि से होकर गुजरने वाले अवैध मार्गों पर गहरी चिंता व्यक्त की।

निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि क्रशर जोन में धूल नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा, जिससे क्षेत्र में वायु प्रदूषण गंभीर स्तर तक बढ़ गया है। इसका सीधा असर आसपास के निवासियों, विशेषकर सांस की बीमारियों से ग्रसित लोगों पर पड़ रहा है। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि क्रशर जोन के अधिकतर हिस्सों में हरियाली का पूर्ण अभाव है। पेड़-पौधों की कमी न केवल पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित कर रही है, बल्कि धूल और प्रदूषण को भी बेकाबू बना रही है। टीम ने यह भी स्पष्ट किया कि क्रशर संचालन के लिए पर्यावरणीय नियमों के तहत हरियाली बनाए रखना अनिवार्य है। टीम ने वन भूमि से होकर गुजरने वाले कुछ अवैध रास्तों की भी पहचान की, जिन्हें पूर्व में वन विभाग द्वारा बंद किया गया था, परंतु वर्तमान में वे फिर से उपयोग में लाए जा रहे हैं। इससे न केवल वन क्षेत्र को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि यह नियमों का खुला उल्लंघन भी है।

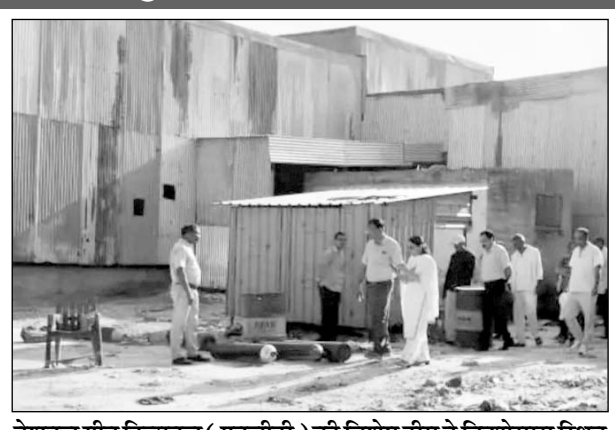

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की विशेष टीम ने किशोरपुरा स्थित क्रशर जोन का औचक निरीक्षण कर जानकारी ली।

- **टीम ने पाया कि क्रशर जोन में धूल नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा, जिससे क्षेत्र में वायु प्रदूषण गंभीर स्तर तक बढ़ गया है**
- **किशोरपुरा क्रशर जोन की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर नवंबर तक संबंधित उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी : एनजीटी**

एनजीटी टीम ने कहा कि किशोरपुरा क्रशर जोन की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर नवंबर तक संबंधित उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी, जिसमें पर्यावरणीय क्षति, अवैध गतिविधियों और सुधारात्मक उपायों की सिफारिशें शामिल होंगी। जिला प्रशासन और खनन विभाग ने इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लिया है और निगरानी तंत्र को और मजबूत करने के संकेत दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण और अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए नियमित निरीक्षण और सख्त कार्रवाई की जाएगी। एनजीटी टीम के इस हस्तक्षेप से मूलाराम मुनिम सहित नागरिकों में उम्मीद जगी है कि अब क्रशर जोन में नियमों का पालन सुनिश्चित होगा और वायु प्रदूषण से राहत मिलेगी।

पुलिया टूटने से रास्ता अवरुद्ध, ग्रामीणों ने गहरे पानी में से होकर शवयात्रा निकाली

भीम, (निसं)। भीम उपखंड की डूंगाजी का गांव ग्राम पंचायत अंतर्गत डांसरिया भागावड से रतनी का चौड़ा रोड की पुलिया टूटकर सड़क पानी में बह जाने से रतनी का चौड़ा श्मशान घाट का रास्ता अवरुद्ध हो गया, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डांसरिया भागावड से रतनी का चौड़ा रोड की पुलिया टूटने से श्मशान घाट का रास्ता अवरुद्ध हो गया है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डांसरिया निवासी हरिसिंह की पत्नी माया देवी का निधन हो गया और शव यात्रा को रतनी का चौड़ा श्मशान घाट तक पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को गहरे पानी से होकर गुजरना पड़ा। भागावड़ से

- **डांसरिया भागावड से रतनी का चौड़ा रोड की पुलिया टूटकर सड़क पानी में बहने से रास्ता अवरुद्ध हो गया था**

मंगरदों व डासरिया जोड़ने वाली सड़क टूट गई। जानकारी के अनुसार भीम उपखंड की डूंगाजी का गांव ग्राम पंचायत अंतर्गत डांसरिया भागावड से रतनी का चौड़ा रोड की पुलिया टूटकर सड़क पानी में बह गई।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता हरिराम चौधरी ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में काफी सड़कों के डैमेज होने की सूचना पर मौका निरीक्षण रिपोर्ट तैयार की है। डांसरिया भागावड से रतनी का चौड़ा रोड की पुलिया टूट गई है। जिससे श्मशान घाट भी पानी के तेज बहाव की चपेट में आया। डांसरिया निवासी नारायणसिंह, देवीसिंह, किशनसिंह, चेतनसिंह, गोविंदसिंह, प्रतापसिंह, मोहनसिंह, छगनसिंह आदि ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया टूटने से आवागमन बाधित हुआ है। स्कूली छात्रों और ग्रामीणों का रास्ता बंद हो गया है। डांसरिया के ग्रामवासियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण पुलिया टूटने की घटनाएं सामने आई हैं और घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग तथा पुलिया निर्माण के दौरान जल निकासी एवं बहाव क्षेत्र का स्थाई समाधान नहीं किया गया है।

ग्रामीणों को शवयात्रा ले जाने के लिये परेशानी का सामना करना पड़ा।

राशिफल रविवार 14 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र प्रात: 8:41 तक, वज्र योग प्रात: 7:35 तक, बालव करण सायं 4:06 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 8:04 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृष, मंगल-तुला, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रात: 8:41 तक है। आज कालाष्टमी, रोहिणी व्रत है। आज महालक्ष्मी व्रत समाप्त होगा। आज अष्टमी का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:47 से 9:19 तक, लाभ-अमृत 9:19 से 12:22 तक, शुभ 1:54 से 3:26 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:30

मेष

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

धनु

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मकर

परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में उचित महत्वपूर्ण मामलों में उचित परामर्श मिल सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मिथुन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 44 प्रभात जयपुर, रविवार 14 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

For Nepal, China Is 'Na Khaate Na Nigalte'

China-Nepal relations have to be viewed from the 'changing world order' prism. The keys being, economic benefits, global influence, and national security

Got Flu! Stay Put

A Forgotten Cultural Encounter | When Greeks Spoke Kannada in Ancient Egypt

सुशीला कार्की के प्र.मंत्री बनने से भारत ने राहत की सांस ली

साफ दिख रहा है कि इस प्र.मंत्री पद के लिये कार्की के प्रतिद्वंदी दावेदार भारत के लिए भारी सिरदर्द साबित होते

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13, सितंबर। पड़ौसी देश नेपाल को नया प्रधानमंत्री मिल गया है, यह घटनाक्रम भारत-नेपाल संबंधों के भविष्य पर गहरा असर डाल सकता है। और खास बात यह है कि पहली बार किसी महिला ने यह पद संभाला है।

भारतीय प्रधानमंत्री ने उन्हें पदभार ग्रहण करने पर सबसे पहले बधाई दी और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों की कामना की। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों को बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है। तथापि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और नेपाल के बीच साझा रिश्तों और गहरे बंधनों को रेखांकित करने का अवसर नहीं छोड़ा।

जो विकल्प सामने थे, उन्हें देखते हुए भारतीय नेतृत्व के लिए श्रीमती सुशीला कार्की का चुना जाना राहत की बात रही होगी। प्रमुख दावेदारों में राजधानी के मेयर भी थे, जो कट्टर भारत-विरोधी माने जाते हैं और दावा करते रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बड़े हिस्से नेपाल के हैं और ज़रूरत पड़ी तो उन्हें ज़बरदस्ती वापस लिया जाना चाहिए।

कुछ अन्य नेता थे, जो चीन समर्थक थे और चीन के साथ घनिष्ठ संबंधों की वकालत कर रहे थे, जो कि भारत के हितों के विपरीत होता, जिसमें चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) जैसी परियोजनाओं की भागीदारी भी शामिल थी। ये ताक़तें भारत और नेपाल के बीच की आस्था, भाषा और सामाजिक परंपराओं जैसी गहरी निकटताओं को पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर रही थीं। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को एक नई तरह की सहमति प्रक्रिया से प्रधानमंत्री चुना गया। देश के युवा प्रदर्शनकारी एक गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म पर, जिसमें बातचीत की सुविधा भी उपलब्ध है, इकट्ठे हुए और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- काठमांडू के मेयर, जो प्रबल दावेदार थे, भारत विरोधी सोच व रवैये के लिए जाने जाते थे और उनका पूर्ण सोच व पक्का विश्वास था कि हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड का बड़ा हिस्सा नेपाल की भूमि है, जिसे नेपाल को वापस लेना चाहिए, अगर शांति से मिले तो ठीक, अन्यथा जबरन।
- बाकी दावेदार, चीन के पिछलग्गू थे, और चाहते थे, नेपाल व चीन के घनिष्ठ संबंध हों, चाहे इससे भारत का नुकसान होता है तो हो।
- सुशीला कार्की के प्र.मंत्री बनने से, भारत-नेपाल संबंधों में जो कर्कशता व खटास आई थी, वो अब दूर होने की संभावना है।
- पूर्व प्र.मंत्री के.पी. शर्मा ओली, भारत विरोधी थे तथा हमेशा चीन की तरफदारी में विश्वास करते थे। उनके शासन में हमेशा चीन को पूरा मौका मिला था, भारत विरोधी विष वमन के लिए।
- जब, सुशीला कार्की नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश थीं, तब उन्होंने सरकार, राजनीति व सभ्रांत वर्ग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा सख्त रूख रखा था तथा इन सभी ''ताकतों'' ने पलटवार करते हुए उनके खिलाफ महाभियोग (इम्पीचमैंट) का प्रस्ताव लाने का प्रयास किया था, इस घृणित अभियान से उनको भारी पीड़ा पहुँची थी और उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।
- अब वे ''ताकतें'' सुशीला कार्की के प्र.मंत्री बनने से काफी भयभीत हैं तथा पुनः संगठित होकर प्रहार करने का प्रयास करेंगी। अतः सुशीला कार्की के लिए यह पद काफी चुनौतीपूर्ण जिम्मेवारी रहेगी।

जयपुर एयरपोर्ट पर दो करोड़ का सोना जब्त

जयपुर, 13 सितम्बर। डायरेक्ट्रेट ऑफ रेवेन्यू इन्टेलिजेंस (डीआरआई) ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए सऊदी अरब से आए यात्री के अंडर गारमेंट से दो करोड़ का सोना जब्त किया है। यात्री के अंडरवियर से पेस्ट के रूप में छिपाया गया 1.949 किलो सोना बरामद किया। मौके पर ही डीआरआई ने यात्री को गिरफ्तार किया और बाद में कोर्ट में पेश कर आरोपित को जेल भेज दिया।

- सऊदी से एक यात्री अंडर गारमेंट में सोना छुपाकर लाया था।

डीआरआई से मिली जानकारी के अनुसार, टीम को सूचना मिली थी कि एक यात्री सऊदी अरब के जेद्दा से तस्करी का सोना लेकर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आ रहा है। डीआरआई टीम के अधिकारियों की ओर से जयपुर एयरपोर्ट पर संदिग्ध पर नजर रखी गई।

इस दौरान डीआरआई टीम ने एक यात्री को पकड़ा, जो जेद्दा सऊदी अरब से जयपुर आया था। जांच के दौरान, उसके अंडरवियर में पेस्ट के रूप में छिपाकर लाया गया सोना बरामद हुआ। यह सोना विदेशी मूल का था और जिसका वजन करीब 1.949 किलोग्राम और बाजार मूल्य लगभग 2.18 करोड़ रुपये आंका गया। डीआरआई टीम ओर से शनिवार को आरोपित यात्री को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश पर आरोपित यात्री को जेल भेज दिया गया।

राहुल गांधी ने ''हाइड्रोजन बम'' के विस्फोट की तारीख आगे बढ़ाई

पूर्व घोषित तिथि के अनुसार, राहुल गांधी ने ऐलान किया था कि 10 सितंबर को भाजपा की ''वोट चोरी'' के आरोप को सिद्ध करने के लिए बहुत जानकारियाँ उजागर करेंगे, जिससे देश की राजनीति में भारी धमाका होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितंबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी पार्टी द्वारा मेगा चुनावी धोखाधड़ी के सबूत के रूप में पेश किए जा रहे दस्तावेज़ के दूसरे भाग को उजागर करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस विस्तारित कार्यक्रम, जिसे कांग्रेस रणनीतिकारों ने हाईडोज़न बम नाम दिया है, का उद्देश्य विशेषज्ञों और राज्य इकाइयों से मिले इनपुट को और बेहतर ढंग से व्यवस्थित करना है, ताकि आरोपों को मजबूत और व्यापक तरीके से प्रस्तुत किया जा सके।

पहले उम्मीद की जा रही थी कि राहुल गांधी 10 सितंबर तक भाजपा और चुनाव आयोग को बेनकाब करने वाला एक बड़ा कार्यक्रम करेंगे, लेकिन विश्वसनीयता और प्रभाव को और मज़बूत बनाने के लिए तारीख को आगे बढ़ा दिया गया।

वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, कांग्रेस ने जो सबूत इकट्ठे किए हैं उन्हें ''फूल-प्रूफ'' बताया जा रहा है, जिनका मजबूत कानूनी आधार भी है। सूत्रों का कहना है कि यह डॉज़ियर सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के विवादास्पद उपयोग पर ही नहीं, बल्कि मतगणना प्रक्रिया और मतदाता सत्यापन की अनियमितताओं को भी उजागर करेगा। यह कदम राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के बाद उठाया गया है, जो हाल ही में बिहार में संपन्न हुई। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि यह यात्रा ''वोट चोरी'' के खिलाफ जनता के आक्रोश को सामने लाई है। यह मुद्दा हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद और भी तूल पकड़ गया है, जिसमें आधार को नागरिकता सिद्ध करने के लिए वैध दस्तावेज माना गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, अब यह 10 सितंबर की तारीख आगे बढ़ा दी गई, क्योंकि राहुल गांधी के समर्थकों के अनुसार, वे सभी राज्यों से, ''वोट चोरी'' के तथ्य इकट्ठे कर रहे हैं। राहुल गांधी का जोर इस बात पर है कि प्रमाण इतने ठोस व मजबूत होने चाहिए, जिससे न्यायालय भी उन्हें बेझिझक स्वीकार करे।
- कांग्रेस इस संदर्भ में न केवल इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का मुद्दा उठायेगी बल्कि, मतगणना व मतदाता के पहचान पत्र की प्रक्रिया में ''धांधली'' को भी उजागर करेगी।
- कांग्रेस का इस संदर्भ में विशेष ध्यान हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक व गुजरात में हुए चुनाव पर होगा। कांग्रेस प्र.मंत्री मोदी की सीट, बनारस पर विशेष ध्यान दे रही है। वाराणसी में हारे कांग्रेस के प्रत्याशी अजय रॉय ने वाराणसी के चुनाव के नतीजों पर सवालिया चिह्न लगाते हुए कहा कि सात राउण्ड तक वे गणना में आगे थे, पर फिर बिजली चली गई और मोदी को विजयी घोषित कर दिया गया।

विकास के लिए शांति जरूरी है, हिंसाग्रस्त मणिपुर को प्र.मंत्री का संदेश

प्र.मंत्री राहत शिविरों में भी लोगों से मिले और कहा, मणिपुर में आशा व भरोसे का नया सूरज उदय हो रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितंबर। मणिपुर में वर्ष 2023 में घाटी में दबदबा रखने वाले समुदाय और कुकी जनजातियों के बीच जातीय हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 260 से अधिक लोग मारे गए थे।

शनिवार को मणिपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ''मणिपुर के दरवाज़े पर नई सुबह दस्तक दे रही है।'' यह 2023 की हिंसा के बाद उनकी पहली मणिपुर यात्रा थी।

चुराचांदपुर में लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री एम मोदी ने कहा: ''मणिपुर की भूमि आशा और आकांक्षा की भूमि है। दुर्भाग्यवश, हिंसा ने इस सुंदर क्षेत्र पर अपनी परछाईं डाल दी थी। थोड़ी देर पहले, मैंने राहत शिविरों में रह रहे हिंसा प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उनसे मिलकर मैं विश्वास से कह सकता हूं कि मणिपुर में अब उम्मीद और विश्वास की नई सुबह हो रही है।''

मैतेई और कुकी समुदायों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनावों का कारण जमीन और सरकारी नौकरी के लिये उनके बीच की प्रतिस्पर्धा है। मानवाधिकारवादी ऐक्टिविस्टों का कहना है कि स्थानीय नेता अपने राजनैतिक लाभ के लिये जातीय विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं।

2023 में हिंसा के शुरुआती दौर में, राज्य में इंटरनेट सेवाएं कई महीनों तक बंद रहीं और सरकारी आँकड़ों के अनुसार, हिंसा के कारण लगभग 60,000 लोग बेघर हो गए। आज भी हजारों लोग लगातार चल रहे तनाव के कारण अपने घर नहीं लौट पाए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि केन्द्र सरकार हिंसा-पीड़ित मणिपुर में ''जीवन को पटरी पर लाने'' के लिए प्रयास कर रही है।

मोदी ने कहा, ''जहां भी विकास की जड़ें जमानी हों, वहां शांति अनिवार्य होती है। पिछले 11 वर्षों में, पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझाए गए हैं। लोगों ने शांति का मार्ग चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है।'' हमें इस बात की संतुष्टि है कि पहाड़ और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मई 2023 में मणिपुर में कुकी और मैती समुदाय में भारी टकराव शुरु हो गया था, जिसमें 260 लोग मारे गए तथा अनेकों बेघर हो गए थे।
- हिंसा के इस दौर के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर गए हैं।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से 7 वाहन क्षतिग्रस्त

बिलासपुर/शिमला, 13 सितंबर। हिमाचल प्रदेश में मौसम का कहर लगातार जारी है। बिलासपुर जिले की उप तहसील नम्होल के गांव गुतराहन में शनिवार सुबह बादल फटने से दो वाहन

- पानी का बहाव सड़क की तरफ मुड़ गया, वरना बिलासपुर के गुतराहन गांव में बड़ी तबाही हो सकती थी।

मलबे में दब गए और पांच क्षतिग्रस्त हुए हैं। क्षतिग्रस्त वाहनों को निकाल लिया गया है। मलबा आने से नम्होल-डाबर सड़क बंद हो गई। गनीमत रही कि पानी का बहाव सड़क की ओर मुड़ गया, अन्यथा गुतराहन गांव में बड़ी तबाही हो सकती थी। वहीं दो दिन से हो रही लगातार बारिश के कारण घुमारवीं में सीर खड्ड का जलस्तर बढ़ गया है। इस बरसात में यह सबसे ज्यादा है।

राज्य में शनिवार शाम तक भूस्खलन से तीन नेशनल हाईवे सहित, 561 सड़कें बंद रहीं। 237 बिजली ट्रांसफार्मर व 317 जल आपूर्ति स्कीमें भी प्रभावित हैं। कुल्लू जिले में 170, मंडी में 159, शिमला में 58, कांगड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल की संसद भंग, 5 मार्च को होंगे नए चुनाव

कार्की के शपथ ग्रहण के कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति पौडेल ने घोषणा की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13, अगस्त। हिमालयी देश नेपाल में पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद भंग कर दी और 5 मार्च को चुनाव कराने की घोषणा की। ज्ञातव्य है कि नेपाल में एक सप्ताह से हिंसा का घातक दौर चल रहा था।

पौडेल के कार्यालय की ओर से शुक्रवार देर रात यह घोषणा की गई। उसके कुछ ही घंटे पहले उन्होंने यह भी ऐलान किया था कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की देश की अंतरिम प्रधानमंत्री होंगी। यह फैसला ''जनरेशन ज़ैड'' द्वारा शुरु किए गए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों और पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली द्वारा मजबूरन दिये गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि नेपाल की नई प्रधानमंत्री सुशीला कार्की देश में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने पर सुशीला कार्की को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी नियुक्ति ''महिला सशक्तिकरण का एक उज्ज्वल उदाहरण'' है। मोदी ने मणिपुर की राजधानी में बोलते हुए कहा, ''मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से कार्की को बधाई देता हूँ। कार्की का नेपाल के सर्वोच्च पद पर होना महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। मुझे विश्वास है कि वे नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी।''

प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ''नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री बनने पर महामहिम श्रीमती सुशीला कार्की को मेरी शुभकामनाएं। भारत नेपाल के लोगों की शांति , प्रगति और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।''

मोदी की इन टिप्पणियों से एक दिन पूर्व ही कार्की ने राजनीतिक संकट और बड़े पैमाने पर हुए प्रदर्शनों के बाद, देश की अगुवाई के लिए शपथ ली थी।

- भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुशीला कार्की को बधाई दी और इसे महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बताया। प्र.मंत्री ने सोशल मीडिया पर कार्की को बधाई संदेश दिया।
- कार्की ने अपने एक हालिया इन्टरव्यू में स्वयं को मोदी का प्रशंसक बताया था और भारत-नेपाल संबंधों पर कहा कि भारत ने हमेशा नेपाल की मदद की है, पर एक रसोई में चार बर्तन होते हैं तो टकराते भी हैं।
- कार्की नेपाल की पहली मुख्य न्यायाधीश थीं और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रूख के लिए जानी जाती हैं और इसीलिए नेपाल जैनरेशन ज़ैड ने उन्हें अंतरिम सरकार का मुखिया चुना है।

कार्की, जो एक भ्रष्टाचार विरोधी ऐक्टिविस्ट हैं नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं, ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। व्यापक विरोध-प्रदर्शन के बाद के.पी. शर्मा ओली द्वारा दिये गये इस्तीफे के बाद दिन बाद यह शपथ ग्रहण हुआ।

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री का चयन उन समूहों द्वारा किया गया, जो भ्रष्टाचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगाम लगाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति कार्यालय में शपथ दिलाई गई।

हाल ही में एक साक्षात्कार में जब उनसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत से उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया: ''सबसे पहले, मैं मोदी जी को नमस्कार कहूंगी। मैं मोदी जी की प्रशंसक हूँ।

उन्होंने कहा कि सरकार से सरकार का संबंध ''एक अलग विषय'' है। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल के रिश्तों का एक लंबा इतिहास रहा है। ''भारत ने हमेशा नेपाल की मदद की है..... (लेकिन) एक कहावत है: जब रसोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर के कुकी विधायक प्रधानमंत्री मोदी से मिले

इंफाल, 13 सितंबर। मणिपुर के कुकी-जो समुदाय से जुड़े दस विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की है कि वे राज्य में जारी जातीय संघर्ष के जल्द राजनीतिक समाधान के

- उन्होंने राज्य में जातीय संघर्ष के राजनीतिक समाधान के लिये ज्ञापन दिया।

लिए दखल दें। प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर का दौरा किया। यह दौरा मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पहली बार हुआ है। इस हिंसा में अब तक 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री को सौंपे गए एक संयुक्त ज्ञापन में इन विधायकों ने कहा कि कुकी समुदाय को जातीय उत्पीड़न

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री की मणिपुर यात्रा पर मिली जुली प्रतिक्रियाएँ दिखाई दीं

जहाँ समर्थक इसे महत्वपूर्ण मोड़ बता रहे हैं, वहीं विरोधी इस यात्रा को ''डिज़ास्टर'' बता रहे हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13, सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आज मणिपुर दौरे पर आज गहन बहस छिड़ गई, यह 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा के बाद उनका पहला दौरा है। समर्थक इसे एक ऐसा कदम बता रहे हैं, जिससे हिंसा झेल चुके राज्य के जख्म भरने और लोगों के दर्द को कम करने का प्रयास होगा, जबकि आलोचक इसे केवल दिखावे और चुनाव से पहले छवि सुधारने का प्रचार मान रहे हैं

समर्थकों का तर्क है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 8,500 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की घोषणा की है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को मज़बूती दे सकती हैं और लोगों को राहत पहुँचाएंगी। इनमें सड़कें, नालियाँ, संपत्ति प्रबंधन सुधार जैसी आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाएँ और मणिपुर इंफोटेक डेवलपमेंट (माइंड) प्रोजेक्ट जैसे कदम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री का कुकी-बहुल चुराचांदपुर और मैतेई-बहुल इंफाल दोनों जगह जाना इस बात का संकेत है कि वे हिंसा से प्रभावित दोनों समुदायों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं। इसे एकता और मेल-मिलाप बढ़ाने की पहल के रूप में देखा जा रहा है।

समर्थकों को कहना है कि यह दौरा इसलिए भी अहम है, क्योंकि किसी भी मौजूदा प्रधानमंत्री ने ऐसी अशांति के बीच मणिपुर का दौरा पहले नहीं किया था। यह भविष्य के नेताओं के लिए एक मिसाल भी हो सकती है कि संकट की घड़ी में राज्य की भलाई को प्राथमिकता दी जाए।

लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह दौरा बस ''तीन घंटे का स्टॉप ओवर'' था, जो किसी वास्तविक बदलाव के लिए काफी नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दौरा संघर्ष की गहरी जड़ों को छूने और समस्या हल करने की दृष्टि से बेअसर है। आलोचकों ने कहा, हालाँकि मोदी के दौरे के दौरान, विकास से जुड़ी घोषणाएँ केन्द्र में रहीं, लेकिन सार्वजनिक सभाओं में पीड़ितों को न्याय देने से संबंधित किसी बड़ी नीति की घोषणा नहीं हुई। आलोचकों का मानना है कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी से न तो हिंसा के मूल कारणों पर चोट हुई और न ही समस्याओं के ठोस हल सुझाए गए, जिससे दौरे की विश्वसनीयता और असर कमज़ोर हो गया। प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐसे समय हुआ, जब विपक्ष लगातार उन पर यह आरोप लगा रहा था कि मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच चले आ रहे जातीय संघर्ष, जिसमें 260 से अधिक लोग मारे गए और हज़ारों बेघर हुए, के बाद भी उन्होंने मणिपुर का दौरा नहीं किया।

कांग्रेस ने तुरंत मोदी के इस पिट स्टॉप दौरे की आलोचना की और इसे दिखावा बताया। पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने लिए भव्य स्वागत समारोह करवाया, जो मणिपुर के लोगों की पीड़ा के बीच असंवेदनशीलता दर्शाता है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा-अच्छा है कि उन्होंने दो साल बाद यह तय किया कि मणिपुर जाने लायक है। लेकिन उन्हें बहुत पहले जाना चाहिए था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने इतनी देर तक हालात को बिगड़ने दिया और सैकड़ों लोगों की जान चली गई। भारत के प्रधानमंत्रियों की परंपरा यह नहीं रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा-नरेन्द्र मोदी जी, मणिपुर में आपका तीन घंटे का पिट स्टॉप करुणा नहीं है, यह मज़ाक, दिखावा और जख्मी जनता का अपमान है। इंफाल और चुराचांदपुर में आपका कथित रोड शो वहाँ के राहत शिविरों में रो रहे लोगों की आवाज़ से भागने की कायराना कोशिश है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने संकट की घड़ी में अपने नागरिकों से सहानुभूति जताने के बजाय, 46 विदेश यात्राएँ कीं, जबकि मणिपुर की पिछली यात्रा उन्होंने जनवरी 2022 में चुनाव के दौरान की थी।

खड़गे ने कहा-आपका ''डबल इंजन'' मणिपुर की मासूम ज़िंदगियों को कुचल चुका है। यह चुपचाप किया गया पिट स्टॉप न तो पश्चाताप है और न ही अपराधबोध। आप अपने लिए भव्य स्वागत समारोह करवा रहे हैं। यह उन लोगों के जख्मों पर क्रूर चोट है, जो आपके द्वारा संवैधानिक ज़िम्मेदारियों से मुंह मोड़ने की वजह से अब भी पीड़ित हैं। आपके ही शब्दों में... आपका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मेघालय के पूर्व मु.मंत्री डीडी लापांग का निधन

शिलांग, 13 सितंबर। मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री डीडी लापांग का शिलांग स्थित बेथानी अस्पताल में कल रात

- वे 93 वर्ष के थे और काफी दिनों से बीमार थे।

निधन हो गया।

लापांग इस समय 93 वर्ष के थे और आयु-संबंधी बीमारी के कारण उनकी मृत्यु हो गई। उनके परिवार में उनकी पत्नी एमेथिस्ट लिंडा जोन्स ब्लाह और दो बच्चे हैं।

मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने लापांग के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये उन्हें जनता का एक सच्चा नेता बताया, जिनकी सार्वजनिक सेवा के प्रति दशकों तक प्रतिबद्धता रही। राज्य सरकार ने तीन दिवसीय राजकीय शोक घोषित किया है। सरकार 15 सितंबर को शिलांग में दिवंगत नेता का राजकीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विद्यालय में विषाक्त पोषाहार के सेवन से 90 से अधिक बालक-बालिकाएं बीमार

प्राथमिक उपचार के बार चार दर्जन से अधिक बालक-बालिकाओं को श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय में रैफर किया

दौसा, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चूडियावास में शनिवार को विषाक्त पोषाहार के सेवन से 90 से अधिक बालक-बालिकायें बीमार हो गये। जिन्हे स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य नांगल राजावतान में उपचार के लिए भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बार चार दर्जन से अधिक बालक-बालिकाओं को श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय में रैफर कर दिया। इधर इस घटना के बाद प्रशासन, शिक्षा एवं चिकित्सा विभाग के आला अधिकारियों में हड़कम्प मच गया।

विषाक्त पोषाहार के सेवन से बीमार बालक-बालिकाओं को अस्पताल में भर्ती कराया।

- राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चूडियावास में 156 बालक- बालिकाओं के लिए शनिवार को पोषाहार में आलू की सब्जी व चपाती बनाई गई थी
- पोषाहार खाने के बाद बालक-बालिकाओं की तबियत खराब होना शुरु हो गई, जिस पर बालक-बालिकाओं ने इसकी शिकायत शिक्षकों से की
- घटना की प्रारंभिक जांच के बाद जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक अशोक कुमार शर्मा ने शिक्षक रामजीलाल मौर्य का निलम्बित कर दिया

घटना की जानकारी मिलने के साथ ही कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा एवं जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय पहुंचे तथा बीमार बालक-बालिकाओं से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। साथ ही चिकित्सा अधिकारियों को बेहतर उपचार के निर्देश दिये। वहीं घटना की प्रारंभिक जांच के बाद जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक अशोक कुमार शर्मा ने शिक्षक रामजीलाल मौर्य का निलम्बित कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चूडियावास में 156 बालक-बालिकाओं के लिए शनिवार को पोषाहार में आलू की सब्जी व चपाती बनाई गई थी। पोषाहार खाने के बाद बालक-बालिकाओं की तबियत खराब होना शुरु हो गई, जिस पर बालक-बालिकाओं ने इसकी शिकायत शिक्षको से की। शिक्षको ने शिकायत को गंभीरता से नही लिया तथा धीरे-धीरे अन्य बालक बालिकाओं की भी तबियत खराब होने लगी, जिसके चलते विद्यालय प्रशासन में हड़कम्प मच गया तथा चिकित्सा विभाग को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने के साथ ही चिकित्सा विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची तथा बालक-बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उपचार करना शुरु कर दिया। इधर बच्चों की संख्या बढ़ने के साथ ही हड़कम्प मच गया तथा ग्रामीणों के सहयोग से तकरीबन 90 से अधिक बालक-बालिकाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नांगल राजावतान में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चार दर्जन से अधिक बालक-बालिकाओं को श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय के लिए रैफर कर दिया। उधर उपचार के लिए पहुंची मेडिकल टीम ने पोषाहार के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए हैं। पीएमओ डॉ. आरके मीणा ने बताया कि 49 बच्चे इलाज के लिए इमरजेंसी यूनिट में पहुंचे, जिन्हें ऑब्जर्वेशन में रखा गया है उनकी हालत खतरे से बाहर है।

दौसा कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा कि पोषाहार का सैंपल कलेक्ट करने के लिए फूड इंस्पेक्टर को स्कूल में भेज दिया गया है और अब इस पूरे मामले की जांच कराई जाएगी कि आखिर पोषाहार में क्या कमी थी, जिसके कारण इतनी बड़ी संख्या में बच्चे बीमार हुए। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूचना मिलने के साथ ही कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा भी श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय पहुंचे तथा बीमार बालक-बालिकाओं से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। इधर कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा ने पीएमओ सहित अन्य चिकित्सा अधिकारियों ने उपचार की जानकारी ली तथा बेहतर उपचार के निर्देश दिये। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय अशोक कुमार शर्मा ने प्रारंभिक जांच के बाद विद्यालय के पोषाहार प्रभारी शिक्षक रामजीलाल मोर्य को निलम्बित करते हुये उनका मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में किये जाने के आदेश दिये हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पोषाहार प्रभारी शिक्षक रामजीलाल मौर्य की लापहवाही सामने आई है। ऐसे में शिक्षक को निलम्बित कर दिया गया है। निलम्बन अवधि में मौर्य का मुख्यालय कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय दौसा रहेगा।

नाबालिग का अपहरण व दुष्कर्म मामले में आरोपी गिरफ्तार

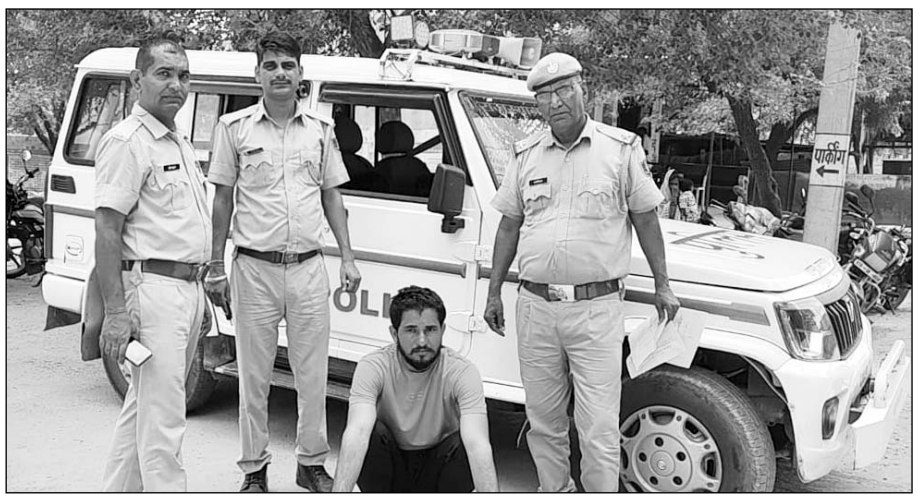

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने लगभग एक-डेढ़ माह पूर्व थानान्तर्गत एक गांव से नाबालिग बालिका का अपहरण कर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने के आरोप में एक 23 वर्षीय आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रकरण में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर चूरू पॉक्सो कोर्ट में पेश जेल भिजवा दिया है, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि राजगढ़ थाने में दर्ज एक

- पुलिस ने आरोपी को चूरू पॉक्सो कोर्ट में पेश जेल भिजवाया

अगस्त को राजगढ़ थाने के ग्रामीण क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग बालिका का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में आरोपी युवक सोनू पुत्र बलवीर जाट को गिरफ्तार कर चूरू पॉक्सो कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया है। गौरतलब है कि एक अगस्त को नाबालिग बालिका के पिता ने राजगढ़ थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था कि एक अगस्त को सुबह 10 बजे वह अपनी पत्नी के साथ खेत में गया हुआ था तथा घर पर उसकी नाबालिग पुत्री थी। जब वे वापस घर पर आये तो उसकी नाबालिग पुत्री घर पर नहीं मिली, जिसकी काफी जगह व रिश्तेदारियों में तलाश की मगर वह नहीं मिली। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सोनू को पॉक्सो कोर्ट चूरू में पेश कर जेल भिजवा दिया है।

आठ छात्रों को निकालने के आदेश पर विद्यार्थी परिषद का प्रदर्शन

उदयपुर, (निसं)। कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर जुलाई महीने में नारेबाजी और प्रदर्शन करने वाले 8 छात्रों को मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि. की ओर से निष्कासित करने के आदेश पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कलेक्टरी के बाहर प्रदर्शन किया।

- कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर जुलाई महीने में नारेबाजी और प्रदर्शन किया था

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उदयपुर महानगर ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलगुरु के रवैये को लेकर शनिवार सुबह साढे दस बजे जिला कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए परिषद के कार्यकर्ताओं ने कुलगुरु के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर ही तो प्रदर्शन किया था। ऐसे में इस तरह की कार्रवाई करना उचित नहीं है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उदयपुर के महानगर मंत्री पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि वीसी अपने चहेतों को बचाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है जो सरासर गलत है।

जानकारी के अनुसार सुविवि रजिस्ट्रार डॉ.वृद्धिचंद गर्ग ने एक आदेश निकाला था। इसमें कुलगुरु प्रो.सुनीता मिश्रा के निर्देश पर एबीवीपी एनएसयूआई से जुड़े छात्र नेता रौनकराज सिंह शक्तावत, प्रवीण टांक, अंशुमान सिंह शक्तावत, त्रिभुवन सिंह राठौड़, अविनाश कुमावत, हर्षवर्धन चौहान,युवराज सिंह,जेकी मीणा को संघटक कॉलेजों से निष्कासित कराने और मुकदमा दर्ज कराने के आदेश जारी किए थे। आदेश में लिखा था कि इन छात्र नेताओं ने 14 जुलाई 2025 को प्रशासनिक भवन पर कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा और कुलानुशासक (चीफ प्रोक्टर) प्रो. एमएस ढाका के खिलाफ नारेबाजी कर आंदोलन किया था। कुलानुशासक प्रो. ढाका के साथ दुर्व्यवहार किया। कुलगुरु प्रो. सुनीता के निर्देश व अनुशासन समिति ने छात्रों के प्रदर्शन को अनुशासनहीनता में माना। परिषद के कार्यकर्ताओं ने कुलगुरु के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर ही तो प्रदर्शन किया था। ऐसे में इस तरह की कार्रवाई करना उचित नहीं है।

दहेज प्रताड़ना मामले का फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के आरोप में गत सात सालों से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को हनुमानगढ़ जिले के रावतसर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायाधीश ने उसे जेल भेज दिया।

- आरोपी को रावतसर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया

जानकारी के अनुसार अनुसंधान अधिकारी महेन्द्र स्वामी हैड कास्टेबल ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव के निर्देशानुसार चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत सात साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी मंगलाराम पुत्र बलदेव उर्फ देवीलाल वाल्मीकि निवासी वार्ड नं. 12 रावतसर जिला हनुमानगढ़ को रावतसर से गिरफ्तार किया गया तथा

राजगढ़ थाना पुलिस ने आरोपी को हनुमानगढ़ जिले के रावतसर से गिरफ्तार किया।

शनिवार को राजगढ़ न्यायालय में पेश कर न्यायाधीश के आदेशानुसार उसे जेल भिजवा दिया है। अनुसंधान अधिकारी महेन्द्र स्वामी हैड कास्टेबल ने बताया कि मंगलाराम जुर्म धारा 498 में सन 2019 से फरार चल रहा था, जिसको डीएसटी टीम से मिली सूचना पर रावतसर से गिरफ्तार किया गया।

ठेके पर चोरों ने शराब पी और 10 लाख का माल चुराया

चोरों ने वाइन शॉप के पीछे से दीवार तोड़कर छेद कर वारदात की।

भीलवाड़ा, (निसं)। ऐसे चोर और ऐसी चोरी अपने देखी नहीं होगी, जहां चोरों ने पहले तसल्ली से बैठकर शराब पी और 10 लाख के माल पर हाथ साफ कर गए। ये हैरान करने वाली चोरी की वारदात मानसरोवर झील के पास स्थित वाइन शॉप की है। सुनसान जगह होने के कारण चोर देर रात आए। पहले वाइन शॉप के पीछे से दीवार तोड़कर छेद किया, जिससे अंदर जाया जा सके। चोर अंदर गए, वहां बैठकर शराब पी। फिर

- सुबह शॉप मालिक आया और शटर खोला तो वारदात का पता चला

शराब के कार्टून दीवार के छेद से निकाल कर ले गए। सुबह जब शॉप का मालिक आया और शटर खोला तो पता चला कि वारदात हो चुकी है। चोरी की सूचना पर पुलिस पहुंची और आगे की जांच शुरु की।

विषाक्त खाने से मानसिक विक्षिप्त युवक की मौत

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई क्षेत्र के गांव गाजीपुर निवासी एक युवक की विषाक्त पदार्थ खाने से मौत होने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने मौके पर जांच करते हुए जिला चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस के अनुसार गाजीपुर निवासी मधुवन सिंह के साथ करीब नौ माह पहले सड़क हादसा हो गया था, जिसके चलते मधुवन सिंह मानसिक विक्षिप्त हो गया। मानसिक विक्षिप्त होने के चलते ही मधुवन सिंह ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। परिजनों ने अचेत स्थिति में युवक को जिला आरबीएम चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उपचार दौरान युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर जांच पडताल की।

किराएदार की हत्या के विरोध में प्रदर्शन

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में एक मकान मालिक के अपने किराएदार की हत्या करने के मामले में शनिवार को राजपूत समाज और करणी सेना ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि जब तक मांगें नहीं मानी जाएगी, तब तक मृतक का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे। शाम तक कोई समझौता नहीं होने से मृतक का पोस्टमार्टम नहीं हुआ। एमबी अस्पताल में सायरा निवासी नरपत सिंह (30) पुत्र अमरसिंह के परिवार वालों के साथ राजपूत समाज के प्रतिनिधि और करणी सेना के सदस्यों ने भी प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने मोर्चरी के बाहर सर्वसम्मति से कहा कि जब तक परिवार को मुआवजा और सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। तब तक हम यहां से नहीं उठेंगे।

- एमबी अस्पताल की मोर्चरी में जुटे राजपूत समाज और करणी सेना के कार्यकर्ता

साथ ही तीसरी मांग हत्या करने वाले को जल्द सजा दिलाई जाए। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष जीवन सिंह सेंदवाडा ने कहा कि हमारी मांग है कि मृतक के परिवार को 51 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी दी जाए। उसका उपचार किया जाए। आरोपी को फांसी की सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने रविवार को सायरा बंद रखने की घोषणा की है।

रोड की बदहाली पर ग्रामीणों में आक्रोश

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के काछोला से पारोली रोड की बदहाली पर ग्रामीणों ने गुस्सा जाहिर किया है। इनके गुस्से का कारण कि सड़क की मरम्मत नहीं कराई जा रही। इसके चलते ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इनका कहना है कि खनिज राजस्व देने के बावजूद सड़क नहीं बन रही। अब बहुत इंतज़ार हो गया। यहां तक कि जैन तीर्थ स्थल चवलेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर जाने वाले यात्रियों ने भी नाराजगी जताई है। श्रद्धालुओं का कहना है कि जरूरत पड़ी तो हम चंदा इकट्ठा कर खुद सड़क बना देंगे।

महिला के आत्महत्या करने के मामले में नया मोड़ आया

जोधपुर, (कासं)। राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा गत 11 अगस्त को आत्महत्या करने के मामले में नया मोड़ आया है। मृतक के पति ने अब कुछ लोगों को नामजद करते हुए आरोप लगाया कि उसे आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किया गया। उसकी पत्नी को वीडियो फोटो वायरल की धमकी देकर जबरन घर में रखा गया था। राजीव गांधी नगर पुलिस ने अब जांच आरंभ की है।

- पति ने कुछ लोगों पर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का आरोप लगाया, आरोप है कि उसकी पत्नी को वीडियो-फोटो वायरल की धमकी देकर जबरन घर में रखा गया था

पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति की तरफ से यह रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी पत्नी ने 11 अगस्त को सुसाइड किया था। उसकी पत्नी को थाना क्षेत्र में रहने वाले सतीश सैन, मूलाराम आदि तंग और परेशान करते थे। उसकी पत्नी की फोटो-वीडियो के बल पर ब्लैकमेल किया जा रहा था। मूलाराम ने उसकी पत्नी को जबरन अपने घर में रखा हुआ था। पत्नी की इंस्टाग्राम आईडी भी बिना जानकारी के चलाई जा रही थी। उसे मूलाराम द्वारा जबरन घर में रखे जाने पर परेशान होकर उसने आत्महत्या की थी।

कार की टक्कर से युवक की मौत

भरतपुर, (निसं)। सेवर थाना इलाके में तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोग उसे आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

- कार चालक मौके से फरार हो गया, पुलिस ने मामला दर्ज किया।

सेवर थाने के कॉन्स्टेबल जगदीश प्रसाद ने बताया कि मृतक की पहचान विकास कुमार (33) निवासी अलीगढ़ के रूप में हुई है। वह बाइक से अलीगढ़ से जयपुर की तरफ जा रहा था।

भरतपुर-मथुरा बाईपास पर अनिल मार्बल की दुकान के पास कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी और कार चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव की शिनाख्त कर परिजनों को जानकारी दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

विराटनगर के पीएमश्री विद्यालय में शिक्षा मंत्री मदल दिलावर ने बच्चों से किया संवाद

पावटा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार सुबह 7.30 बजे पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विराटनगर का औचक निरीक्षण किया। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बहादुरपुर अलवर में डिजिटल कक्ष का उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने रास्ते में विराटनगर के पीएमश्री विद्यालय का जायजा लिया।

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कक्षा में विद्यार्थियों से संवाद कर जानकारी ली।

- शिक्षा मंत्री मदन दिलावर शनिवार सुबह 7.30 बजे पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विराटनगर का औचक निरीक्षण करने पहुंचे
- प्रार्थना सत्र के बाद विद्यार्थियों से संवाद किया, जिसमें पाठ्यक्रम एवं अतिरिक्त कक्षा संचालन के बारे में जानकारी ली, जिसमें विद्यार्थियों ने जवाब दिया

जानकारी देते हुए विद्यालय प्रधानाचार्य अनिल जेवरिया ने बताया कि उन्होंने विद्यालय प्रार्थना सभा, कार्मिक उपस्थिति रजिस्टर, छात्र उपस्थिति रजिस्टर, क्रीडा सामग्री, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, शौचालय सफाई एवं विद्यालय परिसर की साफ सफाई की व्यवस्था, शिक्षण गतिविधियों और खेल सामग्री की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं और स्कूल परिसर का निरीक्षण करते हुए नियमित स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर पढ़ाई और गतिविधियों की जानकारी ली। स्टाफ की उपस्थिति और बच्चों की संख्या को लेकर भी जानकारी जुटाई। प्रार्थना सत्र के बाद विद्यार्थियों से संवाद किया, जिसमें पाठ्यक्रम एवं अतिरिक्त कक्षा संचालन के बारे में जानकारी ली जिसमें विद्यार्थियों ने पूर्ण आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी हैं। स्कूलों में सामग्री भेजी गई है, बच्चों को खेल के अवसर नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने शिक्षकों को बच्चों को संस्कारयुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर देने के निर्देश दिए। मंत्री दिलावर ने कहा कि निरीक्षण में खेल सामग्री मानकानुसार नहीं पाई गई तथा स्टॉक रजिस्टर व दस्तावेजों में खामियां मिली। कुछ शिक्षक बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए। जिस पर सीबीईओ, विराटनगर व लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। औचक निरीक्षण पूरा करने के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर अलवर के लिए रवाना हो गए।

प्लॉट के सौदे के बदले नौ लाख की लूट का एक आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा चिल्ड्रन पार्क के पास में मोटर पंप एजेंसी संचालक से नौ लाख की लूट हो गई थी। उसे प्लॉट दिलाने का झांसा देकर इस लूट को अंजाम दिया गया। पीड़ित का कार में अपहरण किए जाने के साथ मारपीट कर कायलाना के पास में छोड़ दिया गया। घटना गत मंगलवार शाम की है। इस बारे में पुलिस ने अब एक आरोपी को पकड़ा है, अन्य की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपी जाखड़ों की ढाणी नारवा, निवासी मनीष जाट को गिरफ्तार किया है।

- कार में आए तीन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था, अन्य की तलाश जारी
- पीड़ित का कार में अपहरण और मारपीट कर कायलाना के पास में छोड़ दिया था

सरदारपुरा थाने के एएसआई राजेंद्र सिंह ने बताया कि भगत की कोठी पुराना पुलिस चौकी के सामने रहने वाले धनराज पुत्र रामलाल के साथ यह घटना हुई। इसके अनुसार उसके एक परिचित भोमाराम ने बताया कि उसके कुछ जानकार लोग प्लॉट का सौदा करवाते हैं। दोनों मिलकर एक प्लॉट की खरीद करते हैं, जिसके लिए दस लाख का इंतजाम करना पड़ेगा। इस पर धनराज ने नौ लाख रूपए जुटाने के बाद भोमाराम के साथ में बाइक पर बैठकर सरदारपुरा चिल्ड्रन पार्क के पास में पहुंचा। तब वहां एक क्रेटा कार आई और उसमें तीन लोग सवार थे। धनराज कार में बैठ गया, मगर उसका साथी भोमाराम बाहर बाइक पर ही खड़ा रहा। बाद में कार में सवार तीनों युवकों ने उसका अपहरण कर लिया और इधर- उधर शहर में घुमाते रहे। बाद में उसके भगत की कोठी क्षेत्र में लाया गया। धनराज को शक होने पर सौदा नहीं करने की बात की। तब आरोपी उसे बाद में कार में कायलाना की तरफ लेकर गए और मारपीट कर नौ लाख रूपए लूट लिए। एएसआई राजेंद्र सिंह के अनुसार घटना मंगलवार शाम चार बजे से शुरू हुई। पीड़ित बाद में टैक्सी कर घर पहुंचा और भाई को जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज छानबीन शुरू की है।

बायोमैट्रिक जांच से मिली परीक्षा केन्द्र पर एंट्री, लड़कों से शर्ट तो महिलाओं से जेवर उतरवाए

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में पुलिस ने दिखाई सख्ती, प्राइवेट बाउंसर्स भी तैनात किए

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए। शनिवार दोपहर तीन बजे से परीक्षा शुरु हुई। दो दिन चलने वाली राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में 5 लाख 24 हजार 740 उम्मीदवार रजिस्टर्ड है। पहले दिन 76800 अभ्यर्थी 280 परीक्षा केंद्रों पर शामिल हुए। इस भर्ती में कुल 10 हजार पद विज्ञापित किए गए हैं, जिनमें से 1469 पद दूरसंचार कांस्टेबल के लिए है। भर्ती में कॉन्स्टेबल सामान्य, ड्राइवर, बैंड, पुलिस दूरसंचार और तीन महिला बटालियन के पद शामिल है।

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में सुरक्षा की दृष्टि से परीक्षा केंद्रों पर प्राइवेट कंपनियों के बाउंसर्स तैनात किए गए। वहीं परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक जांच करने के बाद उन्हे परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। इसी के साथ सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए। परीक्षा देने आई महिला अभ्यार्थियों के जेवर उतरवाने ने बाद उन्हे परीक्षा केंद्रों के अंदर भेजा गया। इसी के साथ अभ्यर्थियों के जूते-चप्पल उतरवा कर उनकी जांच की गई। शनिवार को पहले दिन लिखित परीक्षा दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक आयोजित हुई। 9 जिलों में 280 सेंटरों पर परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें करीब एक लाख 5 हजार अभ्यार्थी शामिल हुए।

लिखित परीक्षा का आयोजन शनिवार को राज्य के 9 जिला मुख्यालयों पर सफलतापूर्वक किया गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस परीक्षा के लिए 1 लाख 5 हजार 846 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें से 76 हजार 800 से अधिक अभ्यर्थी 280 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा में शामिल हुए।

पुलिस विभाग ने परीक्षा में पारदर्शिता और शुचिता बनाए रखने के लिए कई सख्त कदम उठाए, ताकि किसी भी तरह की धांधली को रोका जा सके। एडीजी पाण्डेय ने बताया कि सभी 280 परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी कैमरों से कवर किया गया था। पुलिस मुख्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया, जहाँ आईटी प्रशिक्षित अधिकारी और कर्मचारी लाइव फुटेज की निगरानी कर रहे थे। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की मैनुअल और हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर से सघन तलाशी ली गई। इसके अलावा, सभी अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन भी किया गया। सभी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे मोबाइल, पेजर आदि) को निष्क्रिय करने के लिए जैमर लगाए गए थे। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध था। पुलिस ने संगठित गिरोहों पर विशेष निगरानी रखी, जो स्मार्ट गैजेट्स (मोबाइल, ब्लूटूथ डिवाइस) का उपयोग करके नकल कराने की कोशिश कर सकते थे। एडीजी पाण्डेय ने बताया कि इन सभी उपायों से यह सुनिश्चित किया गया कि परीक्षा पूरी तरह से निष्पक्ष और सुरक्षित माहौल में आयोजित हो सके।

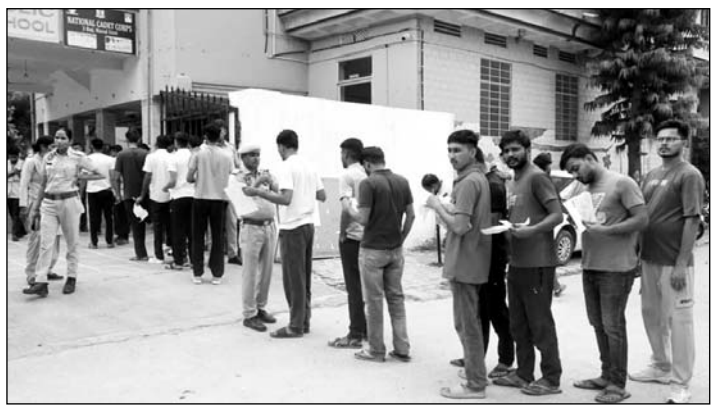

पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा देने शनिवार को जयपुर के परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ उमड़ी। पुलिस ने कुछ युवाओं से कपड़े खुलवाकर भी चैकिंग की।

- पहले दिन 76 हजार 800 अभ्यर्थी 280 परीक्षा केंद्रों पर शामिल हुए।

सार-समाचार

स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद प्रदर्शित

जयपुर (कासं)। एम. बिड़ला सभागार, जयपुर में शनिवार से राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राजीविका के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए पर्यटन विभाग द्वारा लखपति दीदी पहल के तहत 6 विशेष स्टॉल उपलब्ध करवाए गए, जिनमें 13 व 14 सितम्बर को राजीविका स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री की गई। प्रदर्शनी में दौसा, बाड़मेर एवं जयपुर जिले की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे चमड़े की जूतियाँ, ब्लॉक प्रिंट, लकडी के शिल्प, पेपर उत्पाद, कुशन कवर, एप्लिक आइटम तथा हैंड पर्स को प्रतिनिधियों एवं आगंतुकों से सराहनीय प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इस आयोजन ने न केवल महिला उद्यिमयों को प्रोत्साहन दिया बल्कि राजस्थान की समृद्ध पारंपरिक कला एवं शिल्प को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का अवसर भी प्रदान किया।

विद्यार्थियों के लिए स्कूल में पंखे भेंट

जयपुर । श्राद्ध पक्ष पर दान-पुण्य का सिललिसा गौशालाओं, अनाथ आश्रमों और वृद्धाश्रमों से होता हुआ सरकारी विद्यालयों तक पहुंच गया है। विद्याधरनगर के किशनबाग स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय एक बड़े हॉल में पंखे नहीं होने से बच्चों को बड़ी परेशानी हो रही है। यहां चार सीलिंग फैन की आवश्यक्ता महसूस हो रही थी। अध्यापिका ज्योति शर्मा के प्रयासों से शनिवार को चार पंखे विद्यालय प्रबंधन को भेंट किए गए। प्रसिद्ध वास्तुशास्त्री और गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा की ओर से बच्चों की सुविधा के लिए हॉल में चार पंखे लगाए गए। इस विद्यालय में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जगदंबा कॉलोनी के बच्चे भी पढ़ते हैं। नगर निगम ने जगदंबा कॉलोनी वाले विद्यालय भवन को जर्जर मानते हुए खाली करने के निर्देश जारी कर रखे थे। अध्यापिका ज्योति शर्मा ने बताया कि शनिवार को प्रसिद्ध वास्तुशास्त्री एस के मेहता, वंश मेहता ने विद्यालय प्रबंधन को दो पंखे भेंट किए तथा सभी बच्चों को चॉकलेट का वितरण किया। इस अवसर पर विद्यालय इंचार्ज इंदिरा पाराशर, निर्मला प्रजापत, सुरेंद्र गुप्ता, पूनम शर्मा, सोहिनी देवी, राजेश्वरी, सुनीता अग्रवाल उपस्थित थे। चॉकलेट पाकर सभी बच्चों के चेहरे खुशी से दमक उठे।

सेवा पखवाड़ा कार्यशाला आयोजित

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा की कार्यशाला में अंतिम पंक्ति में बैठे थे। अंतिम पंक्ति में बैठा हुए व्यक्ति की चर्चा अगर पूरे विश्व में होने लग जाए तो, समझ जाइए कि भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। हर कार्यकर्ता मोदी है। उनके जन्मदिन की शुरुआत सेवा पखवाड़ा सप्ताह से की जाए तो भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं को देश की सेवा करने का एक और मौका मिला है। यह विचार राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में आयोजित "जिलास्तरीय सेवा पखवाड़ा" कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़े का आयोजन किया जायेगा। भाजपा जयपुर शहर के अध्यक्ष अमित गोयल जी की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में निर्णय लिया गया कि, इस पखवाड़े मे ंस्वच्छता अभियान, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता कार्यक्रम सहित विभिन्न जनहितैषी गतिविधियों का संचालन सभी मंडलों एवं जिलों में किया जाएगा। जयपुर की सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि सेवा पखवाड़े के माध्यम से कार्यकर्ता जनता से जुड़ेंगे। इस अवसर पर हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा, किशनपोल प्रत्याशी चंद्र मोहन बटवाड़ा, महापौर सौम्या गुर्जर, कुसुम यादव, भाजपा प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, प्रदेश मंत्री अजीत माण्डन, सह प्रभारी- जयपुर शहर नरेश बंसल मौजूद थे।

वॉयस ऑफ डॉक्टर्स सीजन-3 दुबई में

जयपुर (कासं)। जयपुर डॉक्टर्स वेलफेयर सोसायटी द्वारा डॉक्टर्स का सबसे बड़ा ग्लोबल सिंगिंग कॉम्पिटिशन- वॉयस ऑफ डॉक्टर्स का तीसरा सीजन आयोजित होगा। इस सिंगिंग कॉम्पिटिशन में विश्वभर से 7 हजार से ज्यादा डॉक्टर्स ने हिस्सा लिया है। इस सीजन का ग्रैंड फिनाले 20 सितंबर को दुबई में एग्जीबिशन सेंटर, एक्सपो सिटी में आयोजित होगा, जिसमें संगीत जगत की लोकप्रिय हस्तियां विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस अवसर पर प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध गायक शान का कॉन्सर्ट होगा, जिसमें वे लगातार 2 घंटे प्रस्तुति देंगे। अन्य हस्तियों में ख्यातिप्राप्त भारतीय गायक पद्मश्री अनुराधा पौडवाल और पद्मश्री सुरेश वाडेकर भी शामिल होंगे। यह जानकारी वॉयस ऑफ डॉक्टर्स, आयोजक समिति के चेयरमैन, डॉ. जितेंद्र एस मक्कड ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। इस अवसर पर वॉयस ऑफ डॉक्टर्स, संयोजक एवं आयोजक समिति के सचिव, डॉ सौरभ जैन; म्यूजिक मेंटर, डॉ. गौरव जैन और वॉयस ऑफ डॉक्टर्स के संरक्षक, डॉ. एन.सी पूनिया भी उपस्थित रहे।

कर्नल राठौड़ ने आधी रात में किया निरीक्षण

जयपुर । कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ शुक्रवार देर रात अचानक एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने रात 12:45 बजे झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान कर्नल राठौड़ ने कालवाड रोड, गोविंदपुरा-हाथोज लिंक रोड, खातीपुरा रोड, रंगोली गार्डन, महाराणा प्रताप रोड, लालरपुरा और धाबास क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने मौके पर चल रहे कार्यों की गुणवत्ता परखने के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के बाद कर्नल राठौड़ ने कहा कि झोटवाड़ा का विकास हमारी 247 प्राथमिकता है। जनता से जो वादा किया गया है, उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और काम की गुणवत्ता भी संतोषजनक है। मंत्री राठौड़ ने यह भी कहा कि विकसित झोटवाड़ा हमारा संकल्प है और इस दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। क्षेत्र में देर रात हुए इस निरीक्षण को लेकर आमजन में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। लोगों का कहना है कि मंत्री के इस सक्रिय रुख से कार्यों में पारदर्शिता और तेजी दोनों आएगी।

प्रेमी ने किया विवाहिता से दुष्कर्म

जयपुर । आमेर थाना इलाके में प्रेमी द्वारा विवाहिता से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दुष्कर्म करने वाला विवाहिता का प्रेमी है। पति को अफेयर का पता चलने पर पत्नी से अलग हो गया। इसके बाद विवाहिता अपने प्रेमी के साथ लिव-इन में रहने लगी। आरोपित ने शादी का झांसा देकर देहशोषण करने लगा। इस संबंध में पीड़ित विवाहिता ने आरोपित प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि आमेर की रहने वाली 29 वर्षीय विवाहिता ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ समय पहले गलता गेट निवासी आरोपित से उसकी मुलाकात हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपित ने उसे प्रेम जाल में फांस लिया। आरोप है कि आरोपित प्रेमी ने मिलने बुलाया और इसके बाद जबरदस्ती की। विरोध करने पर शादी करने का झांसा दिया और इसके बाद से आरोपित शादी का झांसा देकर लगातार उसका देहशोषण करता आ रहा है। वहीं प्रेमी से अफेयर का पता चलने पर पति ने पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया।

राजस्थान ने यूएई की प्रवासी समुदाय से मजबूत किए रिश्ते

जयपुर । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने आगामी दुबई में होने वाले प्रवासी राजस्थानी मीट के एजेंडे को अंतिम रूप दे दिया है। इस मीट के विवरण पर एक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस (वीसी) के दौरान चर्चा हुई, जिसमें मुख्यमंत्री के विशेष सचिव सिद्धार्थ सिहाग, राजस्थान फाउंडेशन (आरएफ) की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा और ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के आयुक्त सुरेश कुमार ओला शामिल हुए।

बैठक में राज्य सरकार द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के लिए उठाए गए प्रमुख कदमों पर प्रकाश डाला गया, जैसे प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन, ताकि एनआरआर (गैर-निवासी राजस्थानियों) से जुड़ाव को मजबूत किया जा सके और निवेश, परोपकारी तथा सामाजिक सहयोग के अवसरों को प्रोत्साहित किया जा सके। राज्य सरकार की अन्य महत्वपूर्ण पहलें भी चर्चा का हिस्सा रहीं, जिनमें प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक नया विभाग बनाने की घोषणा भी शामिल है। यूएई के लिए नियुक्त देश प्रभारी अधिकारी और मुख्यमंत्री के विशेष सचिव सिद्धार्थ सिहाग ने कहा, यूएई के प्रवासी समुदाय के साथ यह संवाद विदेश में बसे प्रवासियों के साथ निकट संबंध स्थापित करने की एक बड़ी पहल है। इसी क्रम में, प्रवासी राजस्थानी मीट का उद्देश्य इन संबंधों को राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है। एनआरआर को आगे आकर दुबई प्रवासी मीट के दौरान सामाजिक, परोपकारी क्षेत्र या किसी निवेश योजना में अपनी इच्छा या प्रतिबद्धता की औपचारिक घोषणा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बीआईपी आयुक्त सुरेश ओला ने प्रतिभागियों को राजस्थान निवेश संवर्धन योजना (आरआईपीएस 2024) की जानकारी दी और सभी क्षेत्रों में निवेशकों और निवेश अनुकूल नीतियों को सुगम बनाने में बीआईपी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

अनुप्रति योजना में आवेदन अब 30 सितंबर तक

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने के लिए यह अवसर दे रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा ऑनलाईन पोर्टल पर सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में नि:शुल्क कोचिंग करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने की अंतिम तिथि विभाग द्वारा पूर्व में 14 सितंबर निर्धारित की गई थी। मोदी ने बताया कि इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी नि:शुल्क कोचिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने की पूर्व में निर्धारित अंतिम तिथि को बढाया जाकर 30 सितंबर 2025 कर दिया गया है।

दुर्घटनाग्रस्त कांस्टेबल को विशेष असमर्थता अवकाश व वेतन क्यों नहीं दिया : हाईकोर्ट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने ड्यूटी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुए पुलिस कांस्टेबल को विशेष असमर्थता अवकाश मंजूर नहीं करने व वेतन नहीं देने से जुड़े मामले में प्रमुख गृह सचिव, डीजीपी, जयपुर पुलिस आयुक्त व रामनगरिया पुलिस एसएचओ से 20 सितंबर तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की खंडपीठ ने यह निर्देश कोमा मे चल रहे पुलिस कार्मिक नरेन्द्र सिंह की पत्नी शारदा कंवर की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिया। अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि प्रार्थिया का पति ऑन ड्यूटी 22अगस्त 2021 को मोटरसाइकिल का टायर फटने से दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और वह कोमा में चला गया। वह 85 फीसदी तक विकलांग हो गया और दो साल अस्पताल में भर्ती रहने पर पिछले दो साल से घर पर ही है। प्रार्थिया ने पुलिस विभाग को पत्र लिखकर पति का वेतन और विशेष असमर्थता अवकाश स्वीकृत करने का आग्रह किया। जिस पर पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) सहित थानाधिकारी ने प्रार्थीया के पति को ऑन ड्यूटी मानते हुए गृह विभाग को उसका विशेष अवकाश स्वीकृति का आग्रह किया। लेकिन ना तो सितंबर 2021 से उसके वेतन का भुगतान किया और ना ही उसके पति को विशेष असमर्थता अवकाश ही मंजूर किया। जबकि इस दौरान उनके परिवार को इलाज व घरेलू खर्च के लिए भी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए याचिका की कॉपी एएजी भुवनेश शर्मा को देने का निर्देश देते हुए राज्य सरकार से जवाब देने के लिए कहा।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट का शुभारंभ

जयपुर (कासं)। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन की संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से "राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट 2025" का शुभारंभ शुक्रवार को जयपुर स्थित बी.एम. बिड़ला कन्वेंशन सेंटर में हुआ। इस भव्य आयोजन का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आयोजकों तथा प्रतिभागियों से संवाद कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल राज्य के पर्यटन क्षेत्र को बढावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार, संस्कृति और पारंपरिक व्यवसायों को भी नया अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान सरकार पर्यटन को आर्थिक विकास के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह दो दिवसीय ट्रैवल मार्ट 13 और 14 सितम्बर को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर से आए खरीदार (बायर्स) और विक्रेता (सेलर्स) बी2बी मीटिंग्स के जरिए अपने उत्पादों और सेवाओं का आदान-प्रदान करेंगे। साथ ही, पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी, ट्रेवल एजेंसी, टूर ऑपरेटर, होटल, हैंडीक्राफ्ट्स और स्थानीय अनुभवों से जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन के दौरान एक भव्य प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है, जो आम नागरिकों के लिए खुली है। यहां आगंतुक राजस्थान के विविध पर्यटन आयामों - जैसे विरासत पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, साहसिक पर्यटन, धार्मिक स्थल, रेगिस्तानी सफारी और किलों के वैभव- का अनुभव कर सकते हैं।

राजस्थान में मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हुईं

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के सक्रिय मार्गदर्शन में राजस्थान में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित की गई है, जिससे राज्य की मातृ मृत्यु दर घटकर 86 प्रति एक लाख जीवित जन्म हो गई है। यह दर राष्ट्रीय औसत से कम है और हाल ही में जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) सर्वे में इसकी पुष्टि हुई है। राज्य सरकार ने मातृ स्वास्थ्य को लेकर कई योजनाओं और नवाचारों को प्रभावी ढंग से लागू किया है। एएनसी पंजीकरण के साथ प्रत्येक गर्भवती महिला की कम से कम 4 बार प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित की जाती है। गर्भवती को आयरन, कैल्शियम की गोलियां दी जाती हैं और डीटी के दो टीके लगाए जाते हैं। प्रत्येक माह की 9, 18 और 27 तारीख को विशेष गर्भवती जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत सभी गर्भवती महिलाओं को निशुल्क दवा, जांच, रेफरल, भर्ती के समय भोजन (कलेवा), रक्त एवं प्रसव सेवाएं दी जा रही हैं। संस्थागत प्रसव प्रोत्साहित करने हेतु "प्रसव सखी" व्यवस्था लागू की गई है।

जे.डी.ए. के तत्कालीन कनिष्ठ सहायक को सजा

जयपुर। जयपुर मेट्रो-द्वितीय की एसीबी मामलों की विशेष कोर्ट-2 ने 15 साल पहले मकान का नियमन कर उसका पट्टा जारी करने की एवज में 3500 रुपए की रिश्वत लेने के अभियुक्त जेडीए के तत्कालीन कनिष्ठ सहायक सुशील कुमार को दो साल की जेल व 40 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट के जज प्रहलाद राय शर्मा ने फैसले में कहा कि परिवादी ने पट्टे के लिए रिश्वत मांगी और उसे लेते हुए ट्रेप हुआ है। जबकि लोक सेवक के तौर पर उससे निष्ठा व ईमानदारी से काम करने की अपेक्षा थी। उसने अपने कर्तव्य का निर्वाह नहीं कर उसका दुरुपयोग करते हुए भ्रष्ट आचरण किया है। ऐसे में अभियुक्त को दंडित करना उचित होगा। मामले के अनुसार, परिवादी प्रेमकुमार ने एसीबी में 25 मई 2010 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने अपनी पत्नी के नाम से भूखंड का पट्टा जारी करने के लिए जेडीए में आवेदन कर सभी कमियां पूरी कर दीं थीं। लेकिन वहां के बाबू सुशील ने इसके लिए उससे 3500 रुपए मांगे हैं। परिवादी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे ट्रेप किया। अभियोजन की ओर से 19 गवाहों के बयान दर्ज कराए और संबंधित दस्तावेजों को पेश किया। कोर्ट ने गवाहों व सबूतों पर अभियुक्त को सजा सुनाई।

- आरोपी ने पट्टा जारी करने की एवज में घूस ली थी

वनस्थली विद्यापीठ द्वारा प्रथम अखिल महिला एलएलएम कार्यक्रम का शुभारंभ

जयपुर (कासं)। विधि अध्ययन विभाग बनस्थली विद्यापीठ ने फोरेंसिक साइंस कॉन्क्लेव 2025 के उद्घाटन के दौरान फोरेंसिक में भारत की पहली अखिल महिला एलएलएम की शुरुआत की घोषणा की। इस दो दिवसीय शैक्षिणक कार्यक्रम में देशभर से आए प्रख्यात फॉरेंसिक वैज्ञानिकों, विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और छात्राएं एक साथ आए। इस फॉरेंसिक संगोष्ठी ने न्याय प्रणाली को सशक्त बनाने तथा विधिक प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संगोष्ठी की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। उद्घाटन समारोह में प्रो. ईना आदित्य शास्त्री, कुलपति, वनस्थली विद्यापीठ ने उपस्थित होकर भारत भर से आए सभी 225 अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और फोरेंसिक तथा आपराधिक कानूनों में नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए महिलाओं को तैयार करने के प्रति आशा व्यक्त की।

प्रोफेसर हर्ष पुरोहित, डीन, विधि संकाय ने संगोष्ठी के विशेषज्ञों का प्रारंभिक परिचय प्रस्तुत किया। दो दिवसीय संगोष्ठी में सम्मिलित विशेषज्ञों

में डॉ. हर्ष शर्मा (पूर्व निदेशक, एफ.एस.एल, यूपी), प्रो. आदर्श कुमार (निदेशक, एफ.एस.एल, यूपी), और प्रो. अनुपम जोहरी (एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर) शामिल थे।

संगोष्ठी के पहले दिन क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन, फॉरेंसिक मॉडल और फॉरेंसिक साक्ष्य पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। छात्राओ ने सभी आयोजनों में उत्कृष्ट ऊर्जा, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदर्शित किया। डॉ. हर्ष शर्मा ने फॉरेंसिक विशेषज्ञता को कानूनी प्रक्रियाओं में एकीकृत करने पर व्याख्यान दिया, जबकि प्रो. आदर्श कुमार ने अपने व्याख्यान में फॉरेंसिक साक्ष्य के महत्व और न्याय प्रणालीमेंउनकेयोगदानपर वास्तविक जीवन के उदाहरणों की मदद से प्रकाश डाला। दिन का समापन परस्पर संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, इस अवसर पर कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. ऋतुजा शर्मा (सह-प्राध्यापक) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

विधि संकाय वनस्थली विद्यापीठ के छात्राओ ने कार्यक्रम के आयोजन और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा एलएलएम फोरेंसिक साइंस कार्यक्रम के शुभारंभ पर बहुत प्रसन्ता व्यक्त की।

मोदी युग आर्थिक सुधारों का स्वर्णिम काल : तिवाड़ी

जयपुर (कासं)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यकाल सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्रांति का युग बन गया है। उन्होंने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा लागू किए जा रहे जीएसटी नेक्स्ट जेन रिफॉर्म्स देश के 144 करोड़ लोगों के लिए दिवाली गिफ्ट साबित होंगे। तिवाड़ी ने बताया कि 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से शुरू हो रहे इन सुधारों के तहत अब जीएसटी की पुरानी चार स्लैब (5,12,18,28 प्रतिशत) को घटाकर दो स्लैब (5 व 12 प्रतिशत) कर दिया गया है। इससे दूध, दही, चाय, आटा, चावल, इडली-डोसा, मिठाइयां, चॉकलेट जैसी रोजमर्रा की वस्तुएं या तो टैक्स फ्री होंगी या बहुत सस्ती मिलेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आमजन, किसान, व्यापारी, महिला और युवाओं के हित में यह ऐतिहासिक कदम उठाया है। दवाइयों और मेडिकल उपकरणों पर टैक्स घटाकर 5 किया गया है, जबकि विलासिता की वस्तुओं पर टैक्स बढ़ाकर 40 प्रतिशत तक कर दिया है।

कॉलेज छात्रा ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

जयपुर । कानोता थाना इलाके में एक कॉलेज छात्रा ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि नाबालिग छात्रा पिछले काफी समय से एक लड़के द्वारा दोस्ती करने का दबाव डालने के चलते परेशान थी। इस संबंध में मृतक छात्रा के पिता की ओर से थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि कानोता की रहने वाली नाबालिग लड़की (16) ने आत्महत्या की है, जो कानोता स्थित एक कॉलेज में फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। पिछले काफी समय से गांव का एक लडका उस पर दोस्ती करने का दबाव बना रहा था, जिससे वह काफी परेशान थी। लडके से पीछा छुडाने के लिए घरवालों ने उसे गांव से कानोता में अपने रिश्तेदार के पास रहने के लिए भेज दिया था। जहां 22 अगस्त को दोपहर को नाबालिग बेटी कॉलेज से पैदल घर लौट रही थी। घर लौटने के रास्ते में आरोपित लड़का कार लेकर खड़ा हो गया। कार के पास से निकलते ही आरोपित लड़के ने नाबालिग बेटी को जबरन अपहरण करने की कोशिश की। उसी समय रिश्तेदारों को किसी काम से उस रास्ते से निकलते देखकर आरोपित कार लेकर भाग गया। रोते हुए सारी बात रिश्तेदारों को बताने पर वह उसे घर लेकर आए। घर लेकर आने पर रिश्तेदारों ने कॉल करवाकर नाबालिग बेटी से बात करवाने पर वह घबराते बोली कि दो-तीन महीने से आरोपित लड़का बहुत परेशान कर रहा है। कॉलेज आते-जाते समय रास्ते में कई बार मिल गया। कार लगाकर रोक लेता है। जबरन बात करने का दबाव बनाता है। बात नहीं करने पर उठा ले जाने की धमकियां देता है। रास्ते में रोक कर उसका हाथ पकड़कर जबरन कार में बैठाने लगा। धमकियां देने लगा कि अगर हव उसके साथ नहीं चलेगी तो वह उसे जबरन उठा ले जाएगा और परिवार को जान से खत्म कर देगा। परिवारवालों की ओर से समझाइश करने के बाद भी आरोपित लड़के ने नाबालिग बेटी का पीछा नहीं छोड़ा। जिस पर नाबालिग बेटी मंदिर जाने की कहकर घर से निकली थी। दोपहर होने के बाद भी वह घर नहीं लौटी। नाबालिग बेटी को ढूंढने की कोशिश के बाद भी वह कहीं नहीं मिली। शाम को सूचना मिली कि नाबालिग बेटी लाश रेलवे ट्रैक पर मिली है। सांभरिया स्थित रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे छलांग लगाकर उसने आत्महत्या कर ली।

ARBiT it happens here...

Marking Hindi Diwas: Language That Connects Millions

Hindi Diwas is celebrated every year on September 14 to commemorate the day in 1949 when Hindi, written in the Devanagari script, was adopted as one of the official languages of India. The observance highlights the cultural and linguistic significance of Hindi, spoken by over 40% of the population. Schools, colleges, and government institutions organize debates, poetry recitals, and awareness campaigns to promote the language. More than just a reminder of heritage, Hindi Diwas underscores India's linguistic diversity and the effort to preserve and strengthen a language that connects millions across regions.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
14 September 2025
A-B

#CULTURE

A Forgotten Cultural Encounter

When Greeks Spoke Kannada in Ancient Egypt

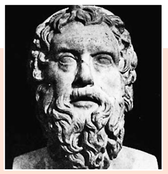

Aristophanes.

The ancient world was far more interconnected than most people realize. One of the most intriguing pieces of evidence for this is a little-known Greek play discovered in Egypt that appears to contain dialogue in an Indian language, most likely Kannada, a Dravidian language still spoken today in southern India. This remarkable find suggests that Greek actors may have spoken Kannada on stage in Egypt, offering a unique glimpse into ancient global interactions.

Pliny.

The Mystery of the Charition Mime

The play in question, known as the Charition mime, was discovered among the Oxyrhynchus Papyri, a massive trove of ancient manuscripts found in the Egyptian city of Oxyrhynchus. This comedic farce, written in Greek, includes a series of lines that are not in Greek and were long dismissed as gibberish or stylized nonsense meant to sound 'foreign.' However, scholars began to notice patterns in these unusual lines. In the late 19th and early 20th centuries, German Indologist E. Hultzsch suggested that the lines may represent a real Indian language. Later, linguistic analysis pointed towards ancient Kannada or a related Dravidian language like Tulu.

Why Kannada?

The structure and vocabulary of the non-Greek lines closely resemble features found in early Kannada. For instance, words resembling Kannada verbs and grammatical endings appear in sequences that, when transliterated, seem to convey coherent meaning. While the translation remains debated, some linguists have identified fragments of commands, exclamations, and greetings that match known Kannada roots. This has led to a provocative conclusion: Greek actors in Egypt may have memorized and performed lines in Kannada, possibly for comedic effect or to reflect characters from India.

Historical Context: How Did Kannada Reach Egypt?

During the Hellenistic period (following the conquests of Alexander the Great), the Ptolemaic dynasty ruled Egypt, and Alexandria became a cosmopolitan hub connecting the Mediterranean with Africa and Asia.

- Indian Ocean trade routes linked the southern Indian coast (Karavali region) with Red Sea ports in Egypt and Arabia.
- Indian merchants, sailors, and even diplomats traveled to and settled in Egypt.
- Cultural exchange was inevitable, languages, customs, and stories crossed borders.

Given these connections, it is plausible that Egyptian audiences were aware of Indian cultures, and that Greek playwrights included Indian elements, such as language, to evoke exoticism, humor, or realism.

A Unique Event in Theatrical History

The Charition mime is the only known Greek play to include actual Indian language dialogue. It's a testament to the cultural blending that characterized much of the ancient world. Greek theatre, usually focused on myth and politics, took a surprisingly global turn with this play, introducing Indian language to the Egyptian stage.

We don't know whether the actors understood the words they spoke. It's possible they learned the lines phonetically. But the fact that these lines exist, preserved in papyrus for nearly 2,000 years, is astonishing.

Conclusion

The possibility that Greeks spoke Kannada in Ancient Egypt is more than a historical curiosity, it's a powerful reminder that ancient civilizations were interconnected in ways that still surprise us. Through trade, migration, and art, they shared more than goods; they exchanged languages, stories, and laughter. In an age where cultural boundaries are both respected and redefined, the Charition mime stands as a playful, poignant example of cross-cultural theatre, where even in ancient times, Kannada found its voice on a Greek stage in a land far from home.

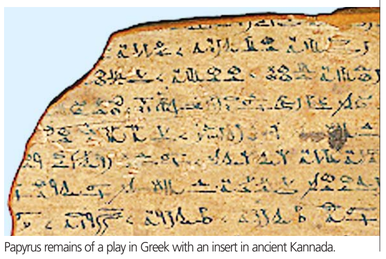

Papyrus remains of a play in Greek with an insert in ancient Kannada.

For Nepal China Is 'Na Khaate Na Nigalte'

In recent years, great power rivalry has resurfaced. The early months of 2025 have accelerated unfolding geopolitical trends causing tremors far and wide with far reaching implications, making the world increasingly fragile with growing domestic and economic tensions, rising populist nationalism and fraying international order. The US-China rivalry is reshaping the global landscape, with the re-emergence of the concept of 'sphere of influence.'

India has traditionally considered South Asia as its exclusive sphere of influence. In recent years, China has developed many linkages. It is enjoying over dollar 136 billion trade with South Asia. India-China trade was only Dollar 3 billion in 2001, 95 billion in 2018, and now, it is 127 billion. Indian trade used to be large in these areas, but China has taken over. Analysts suggest that Asian economies, including India, are likely to become 'integrated into the Chinese economic orbit.'

● Kshema Jatuhkarna

Nepal and China are civilizational states, enjoying age-old links. These age-old relations were formalized on August 1, 1955 on the basis of Panchsheel, the five principles of peaceful co-existence, namely mutual respect for each other's territorial integrity and sovereignty; non-aggression; non-interference in each other's internal affairs; equality and mutual benefit; and peaceful co-existence. The diversification of Nepal's diplomatic relations was a demonstration of its independent foreign policy, offering choices to Nepali policy makers to pursue national interests broadly and mobilize resources from multiple sources.

Exchange of visits between the two countries at various levels have strengthened the roots of bilateral relations, added new dimensions and introduced new dynamics in Nepal-China relations. To take the full benefits from the vast potential that exist, a number of bilateral mechanisms have been established between the two countries, which meet from time to time to deal with a wide range of issues. These mechanisms have been instrumental in furthering bilateral relations.

As a close neighbour, friend, and development partner of Nepal, China has been assisting Nepal in the process of socio-economical transformation. The Chinese financial and technical assistance has taken over the Nepalese development, especially in the areas of infrastructure building, enhancing connectivity, establishment of industry, human resource development, health, education, water resources, and sports among others. One can see it as a picture perfect depiction of China's helping hand in Pakistan. China has played a humanitarian approach here. As one can see in the aftermath of the 2015 earthquake in Nepal, China sent relief materials, medical supplies and rescue material.

Nepal and China share a 1414 km long border. China makes a point to stress that in their shared history, there is undisturbed peace and cooperation at varying levels of development. Both have been appreciative of each other, mutual respect, and understanding, respecting each other's aspirations. Nepal has constantly and unequivocally adhered to one China policy under Oli's direction. True to its word, Kathmandu has time and again made it clear, not to allow its territory to be used by its neighbor.

On October 12-13, 2019, Chinese President Xi Jinping visited Nepal. With this, a new advanced phase of elevation in relationship began, from a 'China Nepal Comprehensive Partnership' featuring everlasting friendship to a level of strategic partnership of cooperation featuring everlasting friendship for development and prosperity. They had an agreement to enhance connectivity, which means ports, roads, railways, aviation and communications for Nepal.

Pushpa Kamal Dahal with Foreign Minister, Wang Yi, in September 2019, ahead of President Xi's visit.

#GEO PRISM

Chinese President Xi Jinping with President, Bidya Devi Bhandari, during his state visit to Nepal in 2019.

China is forging ahead

China is projected to surpass U.S. by 2030. 'Reforms and opening-up' process in China have given dramatic results. About this, the Czech President, Vaclav Havel, has a telling comment. He observes that the Chinese 'progress has happened so quickly that we have not yet had time to be astonished.' In just four decades, China has become a manufacturing powerhouse from an agricultural land. Data says that China feeds 22% of the world with only 7% of arable land. After China joined the World Trade Organisation in 2001, trade has been the primary source of its international strength and influence. China's economic strength has altered the global order. The world has become bipolar. India, just as China, has made a presence in the world order, and now, Nepal needs to do some real hard homework to understand its opportunities in this newly emerging order. Nepal's economy is vulnerable to destabilization to any supply disruption. China has so far been the leading supplier of infrastructure, which has made a comfort perception, changing 'China Fear' into 'China Fever.' China calls it a win-win cooperation through economic development.

Contexts have changed now

In recent few years, some power rivalry has entered the two 'friends' domain. The early months of 2025 saw geopolitical trends causing wide tremors, with ramifications at home with serious inputs of domestic and economic tensions, and resurging populist nationalism, also fraying international order. The U.S. China rivalry is in flux, reshaping the world order. The concept of 'sphere of influence' is the first shake-up.

The second world war set up a world order, and now is it changing? Atleast, it seems United States appears in two minds about to continue as before. They don't want to spend time, money and effort in transnational challenges, problems without passports, as they are now derided. Problems like climate change, terrorism, although they are not going away on their own, in fact, they are multiplying. In the past, only the affected people suffered. Now, developments anywhere can have impact everywhere. Destinies and futures are interconnected, intertwined and interdependent.

China-Nepal relations have to be viewed from this prism. The keys being, economic benefits, global influence, and national security.

Nepal is geopolitically seated in a sensitive location. The immediate neighbours, India and China, are concerned about who comes to Nepal and what they do there. Superpower U.S. considers Nepal as a neighbour on the 'other side of the globe.' They are concerned. This was reflected in the sharp remarks made between the U.S. and China on the U.S. Millennium Challenge Corporation (MCC) grant of dollar 500 million to Nepal. While the U.S. called it China's hand in 'fermenting propaganda,' and for the delayed ratification of the grant, China called it American 'coercive diplomacy.' This is not all. Nepal is in the midst of maneuvers in the geopolitical ground. It is no more bilateral issues, but a broader global multilateral strategic context.

China and South Asia

India has traditionally considered South Asia as its exclusive sphere of influence. In recent years, China has developed many linkages. It is enjoying over dollar 136 billion trade with South Asia. India-China trade was only Dollar 3 billion in 2001, 95 billion in 2018, and now, it is 127 billion. Indian trade used to be large in these areas, but China has taken over. Analysts suggest that in not much more time, Asian economies, including India, are likely to become 'integrated into the Chinese economic orbit.'

China is strategising to access Indian Ocean through South Asian ports. This is a contest between India and China in this sphere, including the strait of Malacca. President Xi's recent visit to Vietnam, Malaysia, and Cambodia shows how important they are now to China.

South Asia has become one of the largest markets for Chinese arms exports. 54% of China's exports of arms were made to South Asia, of this, 40% was to Pakistan alone. According to analysts, nearly two thirds of the world's fifty major ports are either owned or have received some Chinese investment.

Nepal stands weak and open to geopolitical maneuverings, counter-maneuverings by great powers, largely because its domestic foundations have become fragile.

rajeshsharma1049@gmail.com

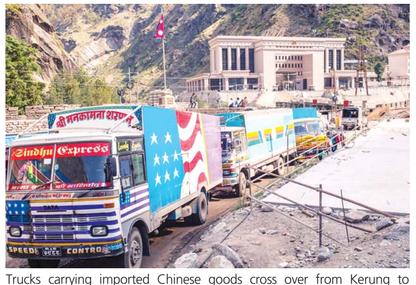

Trucks carrying imported Chinese goods cross over from Kerung to Rasuwagadi, the proposed route for the trans-Himalayan railway under China's Belt Road Initiative.

#WELLNESS

Got Flu! Stay Put

TIPS FOR GETTING THROUGH THE FLU AT HOME

Approximately 30 million Americans will get the flu this year, but fortunately, most of those cases won't require medical attention. Most cases of the flu can be treated at home with remedies such as over-the-counter (OTC) medication and common kitchen staples. Tuhin Roy, a clinical assistant professor of family medicine at Tufts University School of Medicine and associate medical director at Greater Lawrence Family Health Center, sees many cases of the flu, and other viruses with flu-like symptoms, in adult and child patients at the health center's busy clinics each year. "First off, know when it's appropriate to treat the flu at home and when to see a doctor," he says. "If someone is short of breath, having difficulty breathing, experiencing chest pain, or unable to eat or drink, it is an indication to seek medical care." Here, Roy shares his best advice for how to relieve flu symptoms while riding out the virus at home.

1. TAKE ACETAMINOPHEN OR IBUPROFEN

Take acetaminophen or ibuprofen two or three times a day unless there's an allergy or other reason not to. These OTC medicine cabinet staples won't fix everything, but they will lessen muscle aches, headaches, and the overall crummy feeling of the flu.

2. TRY KITCHEN MEDICINE

Studies have shown that honey is effective when it comes to improving respiratory symptoms quickly. "Warm tea with honey and lemon can soothe a sore throat and help with decongestion, and it's better than most of the medicines out there," he says, but don't give honey to children under 1 year old.

3. USE STEAM FOR STUFFINESS

For heavy congestion, steam showers or holding your head over a hot pot of water can open nasal passages. Saline sprays, saline irrigation, and other OTC nasal decongestants also can reduce symptoms.

4. GET SOME REST

Sleep deprivation will make the flu get worse a lot faster, says Roy. Getting a good night's sleep will give your body the best tools possible to fight off the flu.

5. STAY HYDRATED

"Drinking a lot of fluids all at once can be difficult with the flu because it can cause nausea and make people feel worse," Roy says. "I recommend putting a timer on your phone, and every 15 minutes, take two or three sips. That's all you need to stay hydrated throughout the day."

6. WATCH FOR SYMPTOMS IN CHILDREN

Children often stop eating or drinking much sooner than adults when they feel ill. Acetaminophen or ibuprofen can help reduce fevers, which in turn can help make kids feel like drinking fluids again. "For babies, make sure they're having at least four wet diapers a day, and toddlers or older kids should be urinating several times a day," he cautions. Kids often will not want milk or milk-type products, like formula, so Roy recommends just water or a 50/50 mix of apple juice and water, which contains some electrolytes and nutrients.

7. GET A FLU SHOT

The best way to prevent the need for any of this is to get a flu shot, Roy says, and there are very few reasons not to get one. They're effective and safe, but because the flu virus changes, people should get an influenza vaccination every year. He recommends them for children starting at six months old.

8. EAT NUTRITIOUSLY

Good nutrition can be very helpful, and for people who haven't been eating well, a vitamin supplement like vitamin C might be beneficial, he says.

"One thing I don't recommend is zinc," he says. "Over-the-counter zinc nasal sprays and tablets can cause side effects such as nausea, vomiting, and the sprays in particular can reduce the sense of smell for a prolonged period of time."

9. DON'T EXPECT A MAGIC CURE

"There is no medicine for cutting short the flu significantly," says Roy. "The flu is a virus, so antibiotics wouldn't be helpful. For the vast majority of people, I recommend staying home and doing some of these kitchen remedies."

In some cases, young children, pregnant people, the elderly, or other people with significant medical issues, a physician may prescribe an antiviral medication specifically for the flu, but Roy stresses that this medication has side effects and is meant only for people who are extremely high risk.

THE WALL

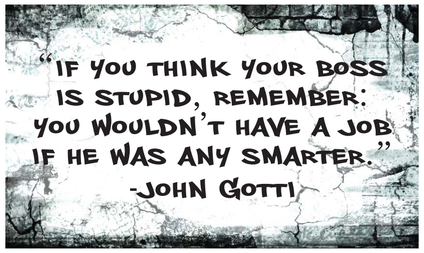

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

बिजनेसमैन से गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से दो करोड़ की फिरौती मांगी

सीकर के ही हिस्ट्रीशीटर ने बिजनेसमैन को फोन कर कहा कि दो करोड़ की फिरौती देवे, नहीं तो हम तुझे और तेरे बेटे मोहित को उठा ले जाएंगे या गोली मार देंगे

- पीड़ित ने सीकर के फतेहपुर कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी और बताया कि उनके पास 10 सितंबर को विदेशी नंबरों से कॉल आया था
- बताया जा रहा है कि धमकी देने वाला हिस्ट्रीशीटर राहुल रिणाउ, फतेहपुर इलाके का रहने वाला है, मर्डर के मामले में बीकानेर जेल में बंद था, जेल से वह पैरोल पर बाहर आया और विदेश भाग गया था

सीकर, (निसं)। सीकर के बिजनेसमैन से गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई है। सीकर के ही एक हिस्ट्रीशीटर ने बिजनेसमैन को फोन कर कहा कि दो करोड़ की फिरौती देवे नहीं तो हम तुझे और तेरे बेटे मोहित को उठा ले जाएंगे या गोली मार देंगे। इसके बाद पीड़ित ने 11 सितंबर को पुलिस में मामला दर्ज करवाया है।

पीड़ित बाबूलाल जाट ने इस संबंध में सीकर के फतेहपुर कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उनके पास 10 सितंबर को विदेशी नंबरों से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद का नाम राहुल रिणाउ बताया और कहा कि उसे गैंगस्टर रोहित गोदारा ने कहा कि बाबूलाल थोरी (सरपंच) को कॉल करके कह कि दो करोड़ की फिरौती देवे नहीं तो हम उसे और उसके बेटे मोहित को उठा ले जाएंगे या गोली मार देंगे। फिर उसी रात मेरे बेटे मोहित के वॉट्सऐप पर ऑडियो मैसेज आया। ऑडियो मैसेज में भी गोली मारने की धमकी दी जा रही थी। इसी दिन रात 10:30 बजे बाबूलाल के नंबर पर वापस चार ऑडियो मैसेज आए। इनमें भी बाबूलाल और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। जानकारी के मुताबिक बाबूलाल जाट का विदेश में कारोबार है। पीड़ित बाबूलाल के पिता सरपंच रह चुके हैं। सरपंच रहते हुए ही उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद बाबूलाल ने उपचुनाव लड़ा, लेकिन वह चुनाव हार गए।

जानकारी के अनुसार हिस्ट्रीशीटर राहुल रिणाउ, फतेहपुर इलाके का रहने वाला है। मर्डर के मामले में बीकानेर जेल में बंद था। जेल से वह पैरोल पर बाहर आया। इसके बाद वह फर्जी पासपोर्ट के जरिए विदेश भाग गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, ऐसे में विदेश में टैक्सी चलाता है। सीकर में इससे पहले सरपंच राजकुमार सहित करीब 5-6 लोगों को पिछले 2 साल में गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से फिरौती के लिए धमकियां मिली थी। बाबूलाल जाट के अलावा अन्य भी कई कारोबारियों को धमकी मिली है, जो भी पुलिस तक पहुंचे हैं।

तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली ने छात्र को कुचला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छात्र धीरज स्कूल से पढ़ाई कर हॉस्टल की ओर लौट रहा था

- हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली का चालक मौके से फरार हो गया, तलाश जारी
- हादसे के बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई, पुलिस ने हटाकर यातायात सामान्य कराया

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना-हिंडौन मार्ग पर स्थित कुंडा तिराहे के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान धीरज पुत्र भागमल जाटव, निवासी नगला होता, थाना सदर बयाना के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धीरज स्कूल से पढ़ाई कर हॉस्टल की ओर लौट रहा था, तभी तेज रफ्तार व ओवरलोड बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि धीरज ट्रॉली के नीचे आ गया और मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल छात्र को ट्रैक्टर के नीचे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बयाना तहसीलदार लालचंद वर्मा, सीओ कृष्णराज जागिड़ और कोतवाली प्रभारी बाबूलाल गुर्जर मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। हादसे के बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई, जिन्हें पुलिस ने हटवाकर यातायात सामान्य कराया। मृतक धीरज बयाना के कुंडा तिराहे के पास स्थित एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था। रोज की तरह शनिवार को भी वह स्कूल से लौट रहा था कि यह दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

जमीन विवाद में दो पक्षों में झगड़ा, दम्पती सहित चार घायल

घायल दम्पती सहित तीन जने रैफर, नदबई क्षेत्र के गांव गांगरौली का मामला

- जमीनी विवाद में दोनों पक्ष में लाठी-भाटा जंग हो गई

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई क्षेत्र के गांव गांगरौली में शनिवार को जमीनी विवाद पर दो पक्ष आमने-सामने होने के लाठी-भाटा जंग हो गई, जिसके चलते एक पक्ष से दम्पती सहित चार जने घायल हो गए। विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नदबई चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। बाद में घायल दम्पती सहित तीन जनों को जिला आरबीएम चिकित्सालय रैफर कर दिया गया।

विभागीय सूत्रों की मानें तो बलराम सिंह पुत्र मटोली व सहाब सिंह पुत्र रनवीर सिंह के बीच पुराना जमीनी विवाद चल रहा है। जमीनी विवाद के चलते दोनों पक्ष के बीच लाठी-भाटा जंग हो गई, जिसमें एक पक्ष से बलराम सिंह व भूपेन्द्र सिंह पुत्र यादराम व दूसरे पक्ष से सहाब सिंह पुत्र रनवीर सिंह व प्रेमवती पत्नी सहाब सिंह घायल हो गए। बाद में बलराम सिंह, सहाब सिंह व प्रेमवती को गंभीर स्थिति के चलते जिला आरबीएम चिकित्सालय रैफर कर दिया। इस संदर्भ में देर शाम तक पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ।

फैक्टरी की छत से गिरे व्यक्ति की मौत

जोधपुर, (कासं)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र द्वितीय चरण में एक फैक्ट्री में छत से गिरकर घायल होने वाले श्रमिक की अस्पताल में मौत हो गई। यह श्रमिक छत से गिर गया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। इस बारे में बासनी थाने में मर्ग दर्ज किया गया है। बासनी पुलिस ने बताया कि गंगाणी का रहने वाला गंगाणी 45 वर्षीय अर्जुनराम पुत्र गोरधनराम जाट बासनी औद्योगिक क्षेत्र द्वितीय चरण में एक फैक्टरी में काम करता था। वह 1 सितंबर को फैक्टरी की छत से गिर गया था। इस पर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मगर उसकी अब मौत हो गई। इस बारे में उसके पुत्र मुन्नाराम जाट ने मर्ग में रिपोर्ट दी।

स्कूल बस ने तीन बच्चियों को कुचला, एक की मौत, दो गंभीर घायल

तीनों मासूम बस से उतरकर स्कूल में जा रही थी, तभी उसी स्कूल के बस चालक ने बस आगे बढ़ा दी

- गुस्साए ग्रामीणों ने स्कूल में तोड़फोड़ करने के बाद सड़क पर जाम लगाया

जयपुर/गुढ़ाचंद्रजी। करौली जिले के नादौती थाना में शनिवार को एक स्कूल बस ने तीन बच्चियों को कुचल दिया। इस हादसे में पांच वर्षीय एक मासूम की मौत हो गई। वहीं दो गंभीर घायल है, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने स्कूल में तोड़फोड़ करने के बाद सड़क जाम कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश की, जहां ग्रामीण की मांग है कि स्कूल संचालक के खिलाफ कार्रवाई हो और आरोपित बस चालक जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

डीएसपी मुरालीलाल मीणा ने बताया कि मामला जिले के नादौती थाना क्षेत्र के गुढ़ाचंद्रजी का शनिवार सुबह 8 बजे का है। यह हादसा केबीएसएस स्कूल के सामने हुआ। जहां इसी स्कूल में पढ़ने वाली रिया (5), शानू (7) और जिया (4) को बस ने कुचला है। तीनों मासूम इसी बस से उतरकर स्कूल में जा रही थी। तभी चालक ने बस चला आगे बढ़ा दी। घायलों को गुढ़ाचंद्रजी के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रिया (5) को मृत घोषित कर दिया। शानू (7) पुत्री शिवचरण गुर्जर को गंभीर हालत में दौसा रेफर किया गया। इधर घटना से गुस्साए लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ कर दी। वहीं बच्चों के परिजन व ग्रामीणों ने अस्पताल के आगे नादौती रोड को भी जाम कर दिया। साथ ही पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे और स्कूल संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग है।

अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मासूम को छुड़ाया, दो गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देशों पर गंज थाना पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए शुक्रवार देर रात हुए बालक अपहरण के मामले में पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर ही मासूम को अपहरणकर्ताओं के सकुशल छुड़ा लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गंज थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 सितंबर देर रात परिवादिया अपने पति के साथ थाने पहुंची थी। पीड़िता ने बताया कि शनि मंदिर के पास देहली गेट से दो अज्ञात व्यक्ति उसके 4 वर्षीय बेटे का अपहरण कर ले गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर नाकाबंदी करवाई।

अभय कमांड सेंटर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर अलग-अलग पुलिस टीम तैनात की गईं। तलाशी के दौरान आदर्शनगर बस स्टॉप पर अजमेर-भीलवाड़ा रोड पर रोडवेज में संदिग्ध दो व्यक्तियों को बच्चे के साथ बैठे देखा गया। मौके पर बच्चे के माता-पिता को बुलाकर पहचान कराई गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया और दोनों संदिग्धों को डिटेन कर थाने लाया गया। गिरफ्तार आरोपी मध्यप्रदेश के बुरहानपुर निवासी शेख इम्तेयाज उर्फ गुड्डू और शेख आरिफ हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

अजमेर : सात अजूबे मिट्टी के ढेर में तब्दील

- वेटलैंड और पर्यावरणीय नियमों को दरकिनार कर 12 करोड़ का यह प्रोजेक्ट खड़ा किया था

अजमेर, (कासं)। अजमेर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के नाम तैयार किए गए सेवन वंडर्स पार्क अब मलबे में तब्दील हो चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अजमेर विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की जो दूसरे दिन शनिवार को भी जारी रही। यह कार्रवाई अवैध निर्माण पर नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा कर रही है, जिसने वेटलैंड और पर्यावरणीय नियमों को दरकिनार कर 12 करोड़ का यह प्रोजेक्ट खड़ा कर दिया था।

जानकारी के अनुसार सात अजूबों को तोडने की कार्रवाई जारी है। तोडफ़ोड़ की शुरुआत मिस्त्र के पिरामिड से हुई, करीब 7 घंटे में पिरामिड को पूरा तोड़ा गया। शनिवार दोपहर एक बजे तक 5 वंडर्स तोड़े जा चुके थे।

सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में प्रशासन से छह महीने में सेवन वंडर ढांचे हटाने के निर्देश दिए थे, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं हुई। 17 सितंबर की डेडलाइन नजदीक आते ही जिला प्रशासन ने शुक्रवार से कार्रवाई शुरू की। पहले दिन रोम का कोलोसियम ध्वस्त किया गया, एफिल टावर के दो हिस्से काटे गए और क्राइस्ट द रिडिमर की प्रतिमा को क्रेन से उतारा गया। शनिवार को मिस्र का पिरामिड ध्वस्त किया गया। अब ताजमहल और पीसा की मीनार को गिराया जाएगा।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट द्वारा बनाए गए सेवन वंडर का संचालन अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा था। प्राधिकरण ने इसे निजी ठेकेदार को 90 लाख रुपये वार्षिक के ठेके पर दे रखा था। स्थानीय लोगों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई, तो यह टूरिज्म आइकन महज तीन साल में ही जमींदोज हो गया।

वेटलैंड क्षेत्र में मिट्टी भरने और बड़े पैमाने पर कंक्रीट ढांचे खड़े करने से आनासागर की प्राकृतिक जलभराव क्षेत्र घट गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे न केवल जल स्तर और पारिस्थितिकी प्रभावित हुई बल्कि हर मानसून में आसपास के इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि आपकी कार्य प्रणाली से ऐसा नहीं लगता कि आप अजमेर को स्मार्ट बनाना चाहते हो।

युवती से दुष्कर्म

सीकर, (निसं)। सीकर में शादी का झांसा देकर युवती से रेप का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि परिचित महिला ने उसकी सगाई करवाई थी। इसके बाद मंगेतर ने रेप किया। पुलिस ने युवक और परिचित महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि परिचित महिला ने दूसरे कस्बे के रहने वाले एक लड़के से सगाई की बात की थी। घरवालों ने भी परिचित होने के नाते विश्वास कर लिया और सगाई करवा दी। पीड़िता का आरोप है कि सगाई के बाद मंगेतर ने उसे मिलने बुलाया। वह झांसा देकर उसे एक होटल में ले गया। रेप के बाद शादी करने की बात कहता रहा। कुछ दिनों बाद शादी करने से मना कर दिया।

औरंगजेब के सम्बन्ध में दिए बयान से विवादों में घिर गई सुविवि की कुलगुरु

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उदयपुर ने बयान का विरोध किया, कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा ने माफी मांगी

- 'हम कई अच्छे राजाओं को याद रखते हैं और कुछ औरंगजेब जैसे थे, जो एक कुशल प्रशासक था'

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि. की कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा एक बयान को लेकर विवादों में घिर गई हैं। सुनीता ने कहा कि हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव से हम कई राजा महाराजाओं के बारे में सुनते हैं, जिनमें महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान और अकबर शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम कई अच्छे राजाओं को याद रखते हैं और कुछ औरंगजेब जैसे थे, जो एक कुशल प्रशासक था। प्रो. सुनीता मिश्रा ने शुक्रवार को यह बात विवि के बप्पा रावल सभागार में भारतीय ज्ञान प्रणाली विकसित भारत 2047 के लिए रोडमैप विषयक सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए की। सेमिनार का आयोजन गुरु नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उदयपुर के महानगर मंत्री पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने इस बयान का विरोध करते हुए कहा कि यह ठीक नहीं है। विद्यार्थी परिषद इस प्रकार के बयानों की कडी निंदा करती है। इधर कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा ने एक बयान जारी कर कहा कि कार्यक्रम में मेरे द्वारा दिए वक्तव्य को गलत तरीके से तोड़ मरोडकर पेश किया है। अगर मेरे पूरे वक्तव्य में कहीं ये नहीं था कि मैंने औरंगजेब की प्रशंसा में कुछ कहा है। मैंने तमाम ऐतिहासिक संदर्भों को पेश किया था। कुलगुरु ने कहा कि मैं मूलत: अहिन्दी भाषी हूं, इस कारण सुनने में भाषा संबंधी असमंजस हो जाता है। मेरा मंतव्य किसी की की भावनाओं को आहत करने का नहीं था। उन्होंने कहा कि अगर किसी को ठेस पहुंची हो तो माफी मांगती हूं।

कुलगुरु सुनीता मिश्रा ने कहा कि हमारी जीवंत परंपराएं हमें बेहतर ढंग से जीना सिखाती हैं। हमारा प्राचीन ज्ञान परंपरा ने हमें अमेरिका जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करना सिखाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज कोई भी देश भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं का मुकाबला नहीं कर सकता। कुलगुरु ने आगे कहा कि आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा के कारण भारत का विश्व बाजार में गहरी पैठ है। हमारी नई शिक्षा प्रणाली ने युवाओं को एक नई दिशा दी है। हमारे युवाओं में कौशल विकास के कारण भारत ने तकनीकी व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना परचम लहराया है।

बनास में नहाते समय दो युवक डूबे, एक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर थाना क्षेत्र में दो युवक बनास नदी में नहाते समय डूब गए। करीब चार घंटे के रेस्क्यू के बाद एक का शव निकाल लिया, जबकि दूसरे की तलाश अब भी जारी है। थानाधिकारी राजकुमार नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि टेलीफ़ोन पर सूचना मिली कि 2 युवक बनास नदी में नहाते समय डूब गए हैं। सूचना पर मय ज़ाब्ते के बनास नदी पुलिया ईआरसीपी नाके के पास पहुंचे जहां मौजूद लोगों ने बताया कि ईआरसीपी से बजरी भरने आए वाहन चालक मोनिस ख़ान (20) पिता उस्मान ख़ान निवासी पावटा गद्दी वजीरपुर सवाई माधोपुर व परिचालक मोहित पुजारी (22) निवासी भघोरा वेर भरतपुर नदी में नहा रहे थे, इस दौरान डूब गए। मौके पर एसडीएम, तहसीलदार व सीओ भी पहुंचे। स्थानीय गोताखोर और एसडीआरएफ की टीम ने करीब चार घंटे की तलाश के बाद एक शव बरामद कर लिया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।

बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

घटना के बाद आक्रोशित गांव के लोगों ने स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया

- घटना के बाद बस चालक बस को छोड़कर मौके से फरार हो गया

कोटा, (निसं)। सुल्तानपुर थाना इलाके में बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार युवक मोटरसाइकिल से पड़ासलिया गांव की ओर जा रहा था, तभी कोटा-श्योपुर मार्ग पर कोटा की तरफ से तेज रफ्तार से जा रही बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना के बाद आक्रोशित गांव के लोगों ने स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पाकर जिला प्रशासन व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। लोगो ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की, मौके पर पहुंचे अधिकारियों द्वारा आश्वासन देने के बाद लोगो ने जाम खोला।

सुल्तानपुर थाने के एएसआई रघुवीर सिह ने बताया कि रामेश्वर प्रसाद (39) मोटरसाइकिल से पड़ासलिया गांव की ओर जा रहा था, तभी कोटा की तरफ से आ रही लोक परिवहन बस के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन को चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में रामेश्वर प्रसाद की मौत हो गई। एएसआई ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया एवं अधिकारियों द्वारा आक्रोशित लोगो से समझाईश कर राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि एवं मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी देने के आश्वासन के बाद जाम को खुलवाया गया। एएसआई ने बताया कि घटना के बाद बस चालक बस को छोड़कर मौके से फरार हो गया, मामला दर्ज कर बस को जब्त किया गया, चालक की तलाश जारी है।

करवड़ में जमीन पर कब्जा करने का प्रयास

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती करवड़ थाना क्षेत्र में कृषि भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। कुछ लोग वहां कब्जा करने की नीयत से पहुंचे। आरोपी खुद को जनप्रतिनिधि भी बताता है। करवड़ पुलिस की तरफ से केस दर्ज किया गया है।

पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट के अनुसार श्याम सिंह पुत्र जवाहर सिंह जो पिछले 17 वर्षों से अपनी कृषि भूमि की सार-संभाल कर रहे हैं, ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र के ही छत्रसिंह सहित 10-15 लोगों के साथ उनकी भूमि पर अवैध कब्जा करने पहुंचे। पीड़ित का कहना है कि आरोपित के साथी स्वयं को आरटीओ क्षेत्र का पार्षद और अन्य स्वयं को नेता और अधिकारी बताकर धौंस जमाते हैं। इतना ही नहीं धमकी देते हुए यह भी कहते हैं कि हमारे खिलाफ कई केस दर्ज हैं, एक और सही। पुलिस हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती, केस करने का कोई फायदा नहीं है। श्याम सिंह का आरोप है कि यह लोग कई दिनों से अपनी गाड़ियां जमीन की बाउंड्री पर खड़ी करते हैं और शाम को साथियों के साथ वहां शराब पार्टी करते हैं। इससे परेशान होकर उन्होंने 9 सितंबर को करवड़ थाने में परिवाद दर्ज करवाया। फिलहाल नामजद आरोपी पुलिस के हाथ नहीं लगे हैं। घटना के संबंध में पीड़ित पर केस वापिस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। उसे धमकी दी जा रही है कि केस वापस नहीं लिया तो ऊपर तक पहुंच होने के कारण बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कार की टक्कर से युवक की मौत

भरतपुर, (निसं)। सेवर थाना इलाके में तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोग उसे आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सेवर थाने के कॉन्स्टेबल जगदीश प्रसाद ने बताया कि मृतक की पहचान विकास कुमार (33) निवासी अलीगढ़ के रूप में हुई है। वह बाइक से अलीगढ़ से जयपुर की तरफ जा रहा था। भरतपुर-मथुरा बाईपास पर अनिल मार्बल की दुकान के पास कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी और कार चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव की शिनाख्त कर परिजनों को जानकारी दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

कार चालक से नकदी लूटने वाले तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। रेपिडो कार चालक को चाकू दिखाकर नकदी लूटने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार टेक्सी चालक पीड़ित हरिओम मीणा पुत्र बिहारीलाल निवासी कन्हाड़ी कोटा हाल सविना ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 3 सितंबर को रात में रेपीडो की बुकिंग के लिए फोन आया तथा किशनपोल चौकी बुलाया। इस पर मैं गया तो मौके पर मिले दो लड़कों ने रोशन नगर सेक्टर 12 छोड़ने को कहा। मैने उन्हें साथ लेकर सेक्टर 12 पहुंचा। जहां दोनों ने रूपये नहीं होने तथा मोबाईल रिचार्ज करने पर भुगतान करने को कहा। इस पर मैने रिजार्च कर रूपये मांगे तो दोनों धक्का-मुक्की कर चाकू दिखा कर पर्स से नकदी लूट ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में सविना थानाधिकारी अजयसिंह राव के नेतृत्व में एएसआई नवीनकुमार मय टीम ने सैयद फैजान अली उर्फ फैजी पुत्र अशफाक अली निवासी मुर्शीद नगर सविना, मोहसीन गदानिया पुत्र आरिफ खान निवासी मुर्शीद नगर हॉल काली घाटी बरकत कॉलोनी सविना तथा दानिश खान पुत्र सेहजाद खां निवासी महुडी चांसदा जावरमाइंस सलूम्बर हाल चित्रकूट नगर सविना को गिरफ्तार किया।

विषाक्त खाने से मानसिक विक्षिप्त युवक की मौत

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई क्षेत्र के गांव गाजीपुर निवासी एक युवक की विषाक्त पदार्थ खाने से मौत होने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने मौके पर जांच करते हुए जिला चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस के अनुसार गाजीपुर निवासी मधुवन सिंह के साथ करीब नौ माह पहले सड़क हादसा हो गया था, जिसके चलते मधुवन सिंह मानसिक विक्षिप्त हो गया। मानसिक विक्षिप्त होने के चलते ही मधुवन सिंह ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। परिजनों ने अचेत स्थिति में युवक को जिला आरबीएम चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उपचार दौरान युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर जांच पडताल की।

किराएदार की हत्या के विरोध में प्रदर्शन

- एमबी अस्पताल की मॉच्युरी में जुटे राजपूत समाज और करणी सेना के कार्यकर्ता

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में एक मकान मालिक के अपने किराएदार की हत्या करने के मामले में शनिवार को राजपूत समाज और करणी सेना ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि जब तक मांगें नहीं मानी जाएगी, तब तक मृतक का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे। शाम तक कोई समझौता नहीं होने से मृतक का पोस्टमार्टम नहीं हुआ। एमबी अस्पताल में सायरा निवासी नरपत सिंह (30) पुत्र अमरसिंह के परिवार वालों के साथ राजपूत समाज के प्रतिनिधि और करणी सेना के सदस्यों ने भी प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने मोर्चरी के बाहर सर्वसम्मति से कहा कि जब तक परिवार को मुआवजा और सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। तब तक हम यहां से नहीं उठेंगे। साथ ही तीसरी मांग हत्या करने वाले को जल्द सजा दिलाई जाए। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष जीवन सिंह सेंदवाडा ने कहा कि हमारी मांग है कि मृतक के परिवार को 51 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी दी जाए। उसका उपचार किया जाए। आरोपी को फांसी की सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने रविवार को सायरा बंद रखने की घोषणा की है।

संक्षिप्त

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

फुलेरा। फुलेरा कस्बे के सर्वांगीण विकास के लिए फुलेरा विकास समिति के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, महामंत्री निर्मल शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उपखंड अधिकारी सांभरलेक ऋषिराज कपिल को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि राजकीय उपजिला अस्पताल भवन का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने, पालिका कार्यालय में स्थाई रूप से ईओ की नियुक्ति कराने, पेयजल समस्या का निराकरण कराने, जलदाय विभाग कार्यालय में रिक्त चल रहे कनिष्ठ अभियंता के पद को भरने सहित अन्य समस्याओं का समाधान कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। प्रतिनिधि मंडल में गोविंदसिंह बडगुर्जर, रामजीलाल पापटवान शामिल रहे। विकास समिति अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने बताया कि नगर पालिका में स्थाई रूप से ईओ लंबे समय से नहीं रहने पर रेनवाल के ईओ को अतिरिक्त चार्ज देखना है, जिससे मंडल की साधारण सभा भी नहीं एवं पालिका से संबंधित लोगों के कामकाज भी नहीं हो रहे व विकास कार्य भी बंद पडे हैं। पालिका में जनहित में ईओ की स्थाई नियुक्ति होनी चाहिए। उपजिला अस्पताल के नवीन भवन को स्वीकृत हुए तीन वर्ष हो गए है, फुलेरा के समीप राजस्व ठाम इटावा मे जमीन चिकित्सालय को नियमानुसार आवंटित करने के साथ हल्का पटवारी द्वारा 24 जून 2025 को अस्पताल प्रशासन को सीमाज्ञान करवाकर भूमि संभला दी गई, निर्माण राशि भी स्वीकृत होने के बाद भी अस्पताल भवन का निर्माण कार्य शुरू नही हो रहा एवं रोगियों को चिकित्सा के समुचित लाभ से वंचित रहना पड रहा है। समिति ने सांभर रोड पुराना फुलेरा स्थित रोडवेज बस स्टैंड को शीघ्र चालू करवाकर रोडवेज बसों का ठहराव प्रारंभ कराने का आठाह किया है।

'अंग्रेजी के दीए में हिंदी का ही तेल है'

दौसा। सरस्वती कॉलेज ऑफ़ टीचर ट्रेनिंग दौसा में आज हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. निकिता त्रिवेदी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया। हिंदी भाषा के गौरव पर प्राचार्य डॉ. निकिता त्रिवेदी ने अपने स्वरचित कविता अंठोजी के दीए में हिंदी का ही तेल है.. हिंदी ऐसी भाषा है जिसमें हर भाषा का मेल है, सुनाई। महाविद्यालय के छात्रों ने भी आज हिंदी भाषा के गौरव, श्रेष्ठता पर काव्य पाठ तथा अपने विचार प्रकट किए। अंतरा शर्मा, भूमिका शर्मा और सुरेन्द्र जागिड ने स्वरचित कविता प्रस्तुत कर छात्रों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कोमल महावर ने कबीरदास के रचित दोहे सुनाएं, डीएलएड के छात्र हर्षित शर्मा, काजल, याक्षिका मल्होत्रा, कनिषा शर्मा ने हिंदी भाषा के अस्तित्व से संबंधित नाटक प्रस्तुत किया।

जैन मुनि का भ्रमण आज

देवली। शहर में चातुर्मास कर रहे जैन मुनि प्रणीत सागर महाराज और क्षुल्लक विधेय सागर 14 सितंबर को औद्योगिक क्षेत्र देवली का भ्रमण करेंगे। जिसको इंडस्ट्रियल क्षेत्र के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गोयल ने जानकारी में बताया कि मुनि महाराज के स्वागत में एक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। रीको अध्यक्ष कृष्ण गोयल ने बताया कि जैन मुनि सुबह 8:30 बजे पार्श्वनाथ धर्मशाला से श्रुतशाला के विद्यार्थी और लोगों के साथ रवाना होंगे। औद्योगिक क्षेत्र में जैन मुनि की आहारचर्या और प्रवचन होंगे। उन्होंने बताया कि स्वागत द्वार पर उनका स्वागत किया जाएगा। इस दौरान जैन मुनि को विभिन्न औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण कराया जाएगा और उनका पाद प्रक्षालन भी किया जाएगा।

मंत्री यादव 14 को रहेंगे बहरोड़

कोटपुतली। केंद्रीय पर्यावरण, वन्य और जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं सांसद अलवर भूपेन्द्र यादव प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार 14 सितम्बर 2025 को संसदीय क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। यादव प्रात 11. 15 बजे जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रिवाली, बहरोड़ पहुंचेंगे एवं दोपहर 12रू45 बजे विजय नगर (खुंद रोठ), नीमराना एक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सेवा, संगठन और संकल्प ही भाजपा की असली पहचान है : गौतम

- भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

भाजपा कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा राजस्थान प्रदेश मंत्री मिथलेश गौतम आदि मौजूद थे।

दौसा। भारती जनता पार्टी के तत्वावधान में आयोजित सेवा पखवाडा, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म प्रचार अभियान के तहत शनिवार को गिरिराज धरण मंदर में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा राजस्थान प्रदेश मंत्री मिथलेश गौतम ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा, संगठन और संकल्प ही भाजपा की असली पहचान है। आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जो देश को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहा है। कार्यशाला में बांदीकुई विधायक भागचंद टांकडा, लालसोट विधायक रामबिलास मीणा, संयोजक टीकम सिंह, डॉ. रतन तिवारी, कन्हैयालाल मीणा, रामकुमार वर्मा, दुर्गा प्रसाद सैनी, सत्यनारायण शाहरा, घनश्याम बालाहेड़ी, पूर्व विधायक शंकर शर्मा इसके साथ ही जिला महामंत्री लाखन सिंह गुर्जर, रवि कुमार पालीवाल, हरकेश जी मटलाना, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र हरियाणा, रवि हाड़ा, जितेंद्र राजपूत, जिला मंत्री सोमेश विजय, ममता सैनी, महावीर रलावता ने सम्बोधित किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता समाज की सेवा को सर्वोपरि मानते हैं। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत हर कार्यकर्ता को जनता तक पहुंचकर स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता से जुड़े संदेश देने चाहिए। साथ ही नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म प्रचार अभियान के माध्यम से व्यापारियों, युवाओं और आम जनता को कर सुधारों की नई व्यवस्था से अवगत कराया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रभावी एवं उत्साहवर्धक शैली में किया गया तथा अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प लिया कि वे सेवा, संगठन और समर्पण के पथ पर आगे बढ़कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के विज़न को साकार करेंगे। पूर्व शहर अध्यक्ष विपिन जैन, शहर अध्यक्ष भूपेंद्र राजपूत, लवान मण्डल अध्यक्ष मंजू सैनी, जिला महामंत्री लाखन सिंह, रवि पालीवाल, हरकेश मटलाना, जिला उपाध्यक्ष, राजेंद्र शर्मा, रवि हाड़ा, जीतेन्द्र राजपूत, जिला मंत्री सोमेश विजय, मंजू लता जाटव, ममता सैनी, किरण डोरिया, कमलेश शर्मा, जे. पी. जैमन, सेवा पख्वाड़ा जिला सहसंयोजक मिश्री मीणा, दशरथ सिंह, आत्मनिर्भर भारत अभियान जिला सहसंयोजक अमर सिंह खींची, विषमभार बासडा, रामखिलाडी मीणा, जीएसटी अभियान जिला सहसंयोजक रविंद्र शाहरा, राजेंद्र शर्मा, शहर उपाध्यक्ष मंजू साहू, जयनारायण जोधया सहित संकडो कार्यकर्ता उपस्थिति थे।

'पिपलोदी की घटना पर राज्य सरकार संवेदनशील'

जयपुर,। राजस्थान के आपदा प्रबंधन राज्यमंत्री एवं झालावाड़ जिले के प्रभारी मंत्री ओटा राम देवासी ने कहा है कि पिपलोदी गांव में 25 जुलाई को हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर राज्य सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और पीड़ित परिवारों को हरसंभव राहत पहुंचाई गई है।

देवासी ने बताया कि घटना में प्रत्येक मृतक विद्यार्थी के परिजन को 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। साथ ही, परिजनों को चिकित्सा विभाग में संविदा के माध्यम से रोजगार भी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि 11 गंभीर रूप से घायल विद्यार्थी और परिजनों को 1 लाख 36 हजार रुपये, तथा 10 साधारण घायलों को 75,400 रुपये की सहायता राशि दी गई है।

इसके अलावा सभी पीड़ित परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन, कैटल शेड, शिक्षण सामग्री, बैग, ट्रैक सूट और खिलौने भी दिए गए हैं।

शहर चलो अभियान में शिविर 15 से 2 अक्टूबर तक

- प्रात 9.30 से सायं 6 बजे तक इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा

कोटपूतली। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'शहरी सेवा शिविर-2025' के अंतर्गत आमजन को सुगम और त्वरित राहत मिल सके, इसलिए नगर परिषद कोटपूतली और बहरोड़ द्वारा वार्डवार राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के निस्तारण हेतु 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक शिविरों का आयोजन किया जाएगा। नगर परिषद आयुक्त नूर मोहम्मद ने बताया कि नगर परिषद कोटपुतली द्वारा प्रात 9. 30 से सायं 6 बजे तक इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 15 सितम्बर को वार्ड संख्या 1 से 4 के लिए एमडी नगर गोरखनाथ मंदिर के सामने गोपालपुरा रोड, 16 सितम्बर को वार्ड संख्या 5 से 8 के लिए सेनी सभा टेलीफोन एक्सचेंज रोड पर, 17 सितम्बर को वार्ड संख्या 9 से 12 तक के लिए मोरिजावाला धर्मशाला में, 18 सितम्बर को वार्ड संख्या 13 से 16 के लिए मोरिजावाला धर्मशाला में, 19 सितम्बर को वार्ड संख्या 17 से 20 में पंचायत समिति भवन में, 20 सितम्बर को वार्ड संख्या 21 से 24 तक नगर परिषद परिसर में, 23 सितंबर को वार्ड संख्या 25 से 28 के लिए नागाजी की गोर फायरस्टेशन, 24 सितंबर को वार्ड संख्या 29 से 32 के लिए डुंगावाले हनुमान मंदिर बड़ाबास, 26 सितंबर को वार्ड संख्या 37 से 40 के लिए डुंगावाले हनुमान मंदिर बड़ाबास, 27 सितंबर को पंचायत गोनेडा, खेड़की मुक्कड, बनियाला, मोलाहेडा, गोपालपुरा, सांगटेड़ा, रामसिंहपुरा के लिए पंचायत भवन खेडकी बहरोड़, 29 सितंबर को कासली, सरुंड, जगदीशपुरा, कीरतपुरा, नौरंगपुरा के लिए पंचायत भवन सरुंड में, 1 अक्टूबर को पंचायत कल्याणपुराखुर्द, सुन्दरपुरा, अमाई, मोहनपुरा के लिए पंचायत भवन कल्याणपुराखुर्द में, 2 अक्टूबर को बामनवास, नांगल, पंडितपुरा, चतुर्भुज के लिए पंचायत भवन बामनवास में शिविर आयोजित होंगे।

आयुक्त ने बताया कि शिविरों के लिए कार्मिकों को नियुक्त कर दायित्व सौंपे गए हैं एवं उक्त शिविरों के प्रभारी अधिशाषी अभियंता दीपक मीणा रहेंगे। नगर परिषद बहरोड़ में यहां आयोजित होंगे कैंप - नगर परिषद आयुक्त ने बताया कि नगर परिषद बहरोड़ क्षेत्र में 15 सितम्बर को वार्ड संख्या 1 से 5 के लिए अम्बेडकर भवन में, 16 सितम्बर को वार्ड 6 से 10 के लिए अग्निशमन केंद्र कार्यालय में, 17 सितम्बर को वार्ड 11 से 15 के लिए राजकीय विद्यालय नंबर 1 मैन बाजार में, 18 सितम्बर को वार्ड 16 से 20 के लिए राजकीय विद्यालय नंबर 1 मैन बाजार में, 19 सितम्बर को वार्ड 21 से 25 के लिए नगर परिषद कार्यालय में, 30 सितम्बर को पंचायत कांकरदोपा, देहमी के लिए अटल सेवा केन्द्र कांकरदोपा में एवं 1 अक्टूबर को पंचायत रीवाली एवं मांचल के लिए अटल सेवा केन्द्र मांचल में कैंप आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में ये होंगे काम - आयुक्त ने बताया कि कैम्पों में आमजन की समस्याओं को चिन्हित करने एवं आवेदन प्राप्त किए जाएंगे।

छात्राओं से छेड़छाड़ के दो आरोपी गिरफ्तार

देवली। स्थानीय पुलिस ने एक त्वरित कार्रवाई करते हुए राह चलती छात्राओं से छेड़छाड़ करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। यह घटना शनिवार को हुई जब दो नर्सिंग छात्राएं कॉलेज जा रही थी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दूनी निवासी दो छात्राएं जीएनएम नर्सिंग के लिए प्रतिदिन देवली आती हैं। शनिवार को दोनों छात्राएं होटल गोविंदा के पास बस से उतरकर पैदल नर्सिंग कॉलेज जा रही थीं। इसी दौरान एक कार में सवार दो युवक आए और उन्होंने एक छात्रा के साथ छेड़खानी और बदतमीजी की। इसके बाद वे वापस लौटे और छात्रा को पकड़ने का भी प्रयास किया। इस घटना से घबराई छात्राएं रोने लगीं, जिसे देखकर कॉलेज के अन्य छात्र रुक गए। पीड़ित छात्राओं ने पूरी घटना अपने सहपाठियों को बताई, जिन्होंने तुरंत कार का नंबर नोट कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही हेड कांस्टेबल अब्दुल वहाब और सुरेश कुमार यादव सहित 112 नंबर की पुलिस जीप तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़िताओं से घटना की जानकारी ली और कार के नंबर के आधार पर आरोपियों को तुरंत ट्रेस कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

मोबाइल छीनने वाले दो युवक गिरफ्तार

देवली निकटवर्ती हनुमान नगर थाना पुलिस ने मोबाइल छीनने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

देवली। निकटवर्ती हनुमान नगर थाना पुलिस ने शहर के कोटा रोड पर एक राहगीर से मारपीट कर मोबाइल छीनने के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मोबाइल बरामद किया है। हनुमान नगर थाना प्रभारी गणेशराम मीणा द्वारा गठित टीम में शामिल एएसआई दुर्गालाल आदि ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शादाब मोहम्मद, थाना हनुमाननगर एवं रवि निवासी एजेंसी एरिया देवली थाना देवली को गिरफ्तार कर लिया।

थाना अधिकारी गणेशाराम मीणा ने बताया कि हेमराज पुत्र रामलाल ऐरवाल निवासी बीड का झोंपड़ा, विजयगढ़ (थाना हिण्डोली, जिला बूंदी) हाल निवासी कोटा रोड हनुमाननगर ने रिपोर्ट दी कि वह 10 सितंबर को रात्रि को घर जा रहा था, इसी दौरान कोटा रोड पर आरोपियों ने मारपीट कर मोबाईल छीन लिया।

दो सौ आठ प्रकरणों का निबटारा कर दो करोड़ 17 लाख 72 हजार के अवार्ड पारित

- लोक अदालत में दो बैंचो का गठन किया गया। प्रथम बेंच के अध्यक्ष लेखपाल शर्मा एवं दूसरी बेंच के नवीन कुमार झरवाल अध्यक्ष रहे

तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

राजगढ़। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें दो बैंचो का गठन किया गया। प्रथम बेंच के अध्यक्ष लेखपाल शर्मा अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजगढ़, कल्याण सहाय मीना तहसीलदार राजगढ, सदस्य अधिवक्ता पुनीत कुमार एवं दूसरी बेंच के नवीन कुमार झरवाल अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजगढ, अधिवक्ता सदस्य सुंदर लाल बेरवा रहे। इसमें दीवानी फौजदारी, वैवाहिक एवं मोटर दुर्घटना के 208 प्रकरणों एवं 30 प्रि लिटिगेशन प्रकरणों का निस्तारण कर दो करोड़ 17 लाख 72 हजार के अवार्ड पारित किया। पक्ष कारन को राहत प्रदान की गई। राजस्व न्यायालय के 1624 प्रकरणो का निस्तारण किया गया। राशि लोक अदालत में सफल बनाने में दिनेश सैनी, नारायण सैन, सुमन शर्मा, रतन लाल कोली एवं अभिनंदन शर्मा, बैंकों के अधिकारी अधिवक्ता मनीष गुप्ता एवं कैलाश भारद्वाज व पक्षकार मौजूद रहे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य मुकेश कुमार जोशी पुत्र श्री कन्हैयालाल जोशी, निवासी रावत मोहल्ला, मानपुट दौसा की ओर से सूचित करता हूं कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र महेन्द्र कुमार जोशी व पुत्रवधु भावना व्यास (जोशी) मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है। विवाह के पश्चात से ही अलग रह रहे है। इसलिए मेरे अभिभाष्य ने इन दोनो को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा मेरे अभिभाष्य व उसके परिवार के किसी सदस्य से कोई लेना देना नही है। यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था महेन्द्र कुमार जोशी व भावना व्यास (जोशी) से कोई लेन देन, संव्यवहार करता है, तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी तथा पुत्र पुत्रवधु के मध्य भी कोई विवाद होता है तो मेरे अभिभाष्य का किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नही होगा। भवदीय, (अजय सिंह) एडवोकट
280, सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर। मो. 9602387625

आम सूचना सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्रीमान ताराचंद वर्मा पुत्र श्री हनुमान सहाय, निवासी प्लॉट नंबर 12, नई वाली रोड, संस्कृत विद्यालय के पास, हाथोज, झोटवाडा, जयपुर के रहने वाले हैं, उक्त संपत्ति प्लॉट नंबर 12ए, की भूमि मूल रूप से मेरे अभिभाष्य की माता श्रीमती सोहनी देवी धर्मपत्नी श्री हनुमान सहाय को ओम शिव गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर द्वारा आवंटन पत्र दिनांक 30.10.1996 को आवंटित की गई थी, तत्पश्चात सोहनी देवी का दिनांक 24.02.2019 को स्वर्गवास हो गया श्रीमती सोहनी देवी के देहांत के पश्चात उनके पति हनुमान सहाय वर्मा, दो पुत्रियां रीना वर्मा एवं ममता वर्मा एवं उनके पुत्र ताराचंद वर्मा उनके वैध उत्तराधिकारी हुए। तत्पश्चात हनुमान सहाय वर्मा, रीना वर्मा एवं ममता वर्मा ने अपने-अपने हिस्से का त्याग अपने पुत्र एवं भ्राता मेरे अभिभाष्य अर्थात तारा चंद वर्मा के हक में कर दिया। उक्त हकत्याग पत्र को दिनांक 17.10.2023 को उपपंजीयक कार्यालय जयपुर तृतीय में पंजीकृत किया गया। अब मेरे अभिभाष्य अर्थात तारा चंद वर्मा वित्तीय संस्था Hinduja Housing Finance Limited में गृह ऋण प्राप्ति के लिए आवेदन किया है, यदि किसी व्यक्ति या संस्था को उक्त संपत्ति अर्थात प्लॉट नंबर 12ए श्याम वाटिका, हाथोज, कालवाड रोड, जयपुर के संबंध में किसी भी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित या आपत्ति हो तो वह सार्वजनिक सूचना प्रकाशन के 7 दिन के भीतर संबंधित दस्तावेजों के साथ आपत्ति पत्र के साथ सूचित करें और उसके पश्चात प्राप्त कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।
Sonali Ghosh
NORTH EYE ADVISOERS PVT.LTD.
(Authorized Signatory)
Office No. 316, 3rd Floor, Orbit Mall, Civil Lines, Jaipur
Email: NCR@NorthEye.co.in, Mob.: 9205844680

आम सूचना रामनारायण यादव पुत्र श्री प्रभू यादव, निवासी-3, गोविन्दपुरा, हाथोज, कालवाड, जयपुर (राजस्थान) ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर की योजना श्याम नगर-द्वितीय स्थित सूण्डा की ढाणी, जयपुर में स्थित दो भूखण्ड संख्या-130, एवं भूखण्ड संख्या-140 के डुप्लीकेट दस्तावेज हेतु आवेदन किया, साथ ही भूखण्ड के खरीद सम्बन्धि दस्तावेजात मूल दस्तावेजात की फोटो प्रतियाँ, शपथ पत्र, बन्ध पत्र व पुलिस रपट समिति कार्यालय में प्रस्तुत किये गये तथा उक्त भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तावेजात हेतु समिति को कहा गया है। यदि उक्त दोनों भूखण्डों के डुप्लीकेट दस्तावेजात के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में सम्पर्क करें। अन्यथा समिति द्वारा उक्त दोनों भूखण्डों के डुप्लीकेट दस्तावेज जारी कर दिये जायेंगे, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नही होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायालय, स्थान नादौती
गिन्दौड़ी विरूद्ध केदार
वाद बाबत् दावा, वाद सं. 01 सन् 2024
बनाम पुत्र जोहरया पुत्र श्योनारायण जाति माली स्थान 46बी, परशुराम पुरी, जल महल, कागदीवाड़ा, जयपुर वादी ने आपके विरूद्ध निरस्ती विक्रय पत्र के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 15 माह 09 सन् 2025 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल सुजवाई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिवादे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपवाद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद तारीख 11 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से - रीडर, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट नादौती, जिला-करौली (राज.)

खोया पाया

प्लाट नं. 498, (गोपालपुरा) सांगानेर मनु सक्सैना ने हनुमान सहाय चौधरी के पक्ष में निष्पादित मूल मुख्त्यारनामा आम कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें। 8302810523

मेरे भूखण्ड संख्या ई-16, अभिनव विहार विस्तार योजना का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र कहीं गुम हो गए है मिलने पर सम्पर्क करें। मनीष गर्ग फोन नंबर-9828150808

मेरे भूखण्ड संख्या के-69, अभिनव विहार विस्तार योजना का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र कहीं गुम हो गए है मिलने पर सम्पर्क करें हंसराज गुर्जर फोन नंबर-7891290718

मेरा मकान संख्या 114/316 सेक्टर 11, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का ओरिजन डिमाण्ड एवं राजस्थान आवासन मण्डल, नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र, कन्वेंस व परपीच्युअल लीज डीड एवं समस्त मूल दस्तावेज मुझसे कहीं गुम हो गई है मिलने पर सूचित करें पूनम लालवानी मो.नं. 9116357470

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नं. 15719463H रैंक L/NK आशीष कुमार निवासी गांव करीमाटी, जिला हजारीबाग, झारखण्ड ने अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपनी माताजी का नाम टुकानी देवी से बदलकर रख टुकनी देवी व जन्मतिथि 12.06.1950 से बदलकर 01.01.1958 कर लिया है।

I army no 2689996Ex NK Vijendra Singh R/o Plot no. B-8, Jagdamba Nagar Rawan gate kalwar road jhotwara jaipur that i want change name my mother which is wrongly entered my service record from SAGAR DEVI to SARBATI vide affidavit dated 4.9.25 before district sub majistrate Jaipur city south

My correct name is Sushila Choudhary W/o Sandeep kumar instead of Susheela Choudhary W/o Sandeep kumar. In future may be known as Sushila Choudhary for all purpose. Address Hameerwas Chota, Teh. Rajgarh, Dist. Churu, Rajasthan.

राजस्थान सरकार
कार्यालय कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर (राज.)
क्रमांक-प.5लेखा() ()/निविदा/2025/402 दिनांक-10 सितम्बर 2025
खुली निविदा सूचना क्रमांक-02
कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा दिनांक 19.09.2025 से 21.09.2025 तक आयोजित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती परीक्षा में विडीयोग्राफी कार्य हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अनुसरण में वर्ष 2025-26 हेतु कार्यालय जिला कलेक्टर भरतपुर में संबंधित कार्य हेतु इच्छुक संबंधित क्षेत्र में अनुभव रखने वाली प्रतिष्ठित फर्म से सिंगल स्टेर द्विलिफाफा पद्धती से मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है, इच्छुक निविदाता अमानत राशि/निविदा शुल्क कार्यालय में दिनांक 15.09.2025 दोपहर 02 बजे तक जमा कराया जाना सुनिश्चित करें उक्त निविदा उपापन समिति के समक्ष दिनांक 15.09.2025 दोपहर 03 बजे खोली जायेगी जिसका विवरण निम्न प्रकार से है-

क्र.सं.	कार्य/संकर्म का नाम	अनुमानित राशि
01	विडियोग्राफी कार्य हेतु	5 लाख

उक्त निविदा प्रपत्र SPPP पोर्टल से डाउनलोड कर अवलाकन किये जा सकते है, तथा उक्त निविदा प्रपत्र निर्धारित अवधि में कैशियर कलक्ट्रेट को निविदा शुल्क जमा करा लेखा अनुभाग कलक्ट्रेट भरतपुर से क्रय किये जा सकते है। उक्त निविदाएं निविदा जारी किये जाने की दिनांक से 15.09.2025 को दोपहर 01 बजे तक विक्रय की जावेगी। प्रत्येक निविदा फार्म का मूल्य 500 रूपये निर्धारित किया गया है।
यूबीएन नंबर- CBH2526A0004
एनआईबी नंबर- CBH2526WSRC00014
(कमर उल जमान चौधरी)
जिला कलक्टर, भरतपुर

कार्यालय नगर पालिका, किशनगढ़ बास (खैरथल-तिजारा) राज.

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वायत्त शासन विभाग
शहरी सेवा शिविर 2025
सेवा पखवाड़ा
15 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2025

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान

अभियान के अंतर्गत किये जाने वाले कार्य

- शहर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाये जाने हेतु सम्पूर्ण शहर की साफ-सफाई।
- सीसी/डामर सड़क मरम्मत व पेच वर्क के कार्य।
- शहरी निकायों में स्ट्रीट लाईटों को दुरस्त किया जावेगा, अन्धेरी/सुनसान सड़कों पर स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य किया जायेगा।
- प्रमुख चौराहों, डिवाइडरों, पार्क एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों का रख-रखाव।
- यू.डी. टैक्स जमा करवाने का कार्य।
- लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी किये जायेंगे।
- नालियों की मरम्मत, फेरोकवर व मैन हॉल्स की मरम्मत, सीयर लाईन के लिकेज की मरम्मत।
- जन्म मृत्यु विवाह पंजीयन/फायर एन.ओ.सी./ट्रेड लाईसेंस/साइनेज लाईसेंस/सीवर कनेक्शन/ओ.एफ.सी. मोबाईल टावर एन.ओ.सी./ई.डब्लयू.एस. प्रमाण पत्र आदि जारी करना।
- अनुमोदित योजनाओं के पट्टे/69-ए, 54 ई, 50-बी, 60-सी के अंतर्गत पट्टे/उपविभाजन पुर्नगठन/भू-उपयोग परिवर्तन/नामान्तरण/खांचा भूमि/लीज मुक्ति प्रमाण पत्र/भवन निर्माण स्वीकृति आदि प्रकरणों का निस्तारण।
- विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप जनर्दित योजनाओं के तहत आवेदन प्राप्त कर, स्वीकृति जारी की जावेगी।
- विद्यालय, आंगनवाड़ी एवं अन्य सार्वजनिक भवनों की मरम्मत एवं सौन्दर्यकरण।
- अटल पेंशन योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं विकलांग पेंशन आदि के आवेदन प्राप्त कर आम जनता को लाभांवित किया जायेगा।
- पीएम और सीएम स्वधिनिध योजना के लक्ष्य अनुरूप नए आवेदन प्राप्त किए जाएंगे एवं लम्बित आवेदन प्रकरणों को ऋण वितरण किया जाएगा।

शिविर का समय- प्रात 9.30 बजे से सायं 6.00 बजे तक

क्र.सं.	वार्ड नम्बर	दिनांक	शिविर स्थल
1	2,4,25	17.09.2025 व 18.09.2025	पुराना पंचायत भवन (अन्नपूर्णा रसोई) बास कृपाल नगर
2	3,5 व ग्राम कुलतापुर	19.09.2025 व 20.09.2025	पुराना पंचायत भवन बास कृपाल नगर
3	1,6,7	23.09.2025 व 24.09.2025	नाहर सिंह की धर्मशाला खैरथल रोड किशनगढबास
4	8,9,10	25.09.2025 से 27.09.2025	संत कंवर हरि मंदिर मैन मार्केट कि.बास
5	11,12,13	29.09.2025 से 01.10.2025	संत कंवर हरि मंदिर मैन मार्केट कि.बास
6	20,21,22	03.10.2025 व 04.10.2025	अम्बेडकर भवन भूरपहाडी किशनगढबास
7	23,24	06.10.2025 व 07.10.2025	गरीबनाथ मंदिर किशनगढबास
8	14,15	08.10.2025 व 09.10.2025	कार्यालय नगरपालिका किशनगढबास
9	16,17,18	10.10.2025 व 13.10.2025	फायर स्टेशन नगरपालिका किशनगढबास
10	19 व ग्राम तहनौली	14.10.2025 व 15.10.2025	कार्यालय नगरपालिका किशनगढबास
11	01 से 25 फॉलोअप शिवर	16.10.2025 व 17.10.2025	कार्यालय नगर पालिका किशनगढबास

अध्यक्ष
नगरपालिका किशनगढबास

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका किशनगढबास

मोतीडूंगरी मंदिर के पीछे 20-25 फीट की संकरी गलियों में कैसे बन गई बहुमंजिला इमारतें?

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब राजस्थान हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई 19 सितंबर को होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में मोतीडूंगरी गणेश मंदिर के पीछे संकरी गली में बनी बहुमंजिला इमारतों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पुन: राजस्थान हाईकोर्ट में सुना जायेगा। शीर्ष अदालत के आदेश पर अब इस मामले की सुनवाई 19 सितंबर को होगी। गौरतलब है कि स्थानीय निवासी प्रीति असावा और कई लोगों ने राजस्थान हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि मोतीडूंगरी गणेश मंदिर के पीछे 20-25 फीट चौड़ी सड़क पर नियम विरूद्ध बहुमंजिला इमारतें बनाई गई है। जिसकी स्वीकृति जेडीए अथवा नगर निगम प्रशासन धड़ल्ले से जारी कर रहा है। इन संकरी गलियों में अवैध वाहनों की पार्किंग से पहले ही आवाजाही अवरूद्ध है और अब यहां ऊंची-ऊंची इमारतें बनने के कारण समस्या और बढ़ जायेगी। साथ ही स्थानीय लोगों की आबोहवा और रोशनी तक संकट में है। यहां से वाहन निकलना तो दूर पैदल निकलने का रास्ता भी नहीं है।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि, जिस तरीके से नियमों को तोड़-मरोडकर सरकारी महकमों के अधिकारी 20-25 फीट चौड़ी सड़क पर बहुमंजिला इमारतें बनवा रहे हैं, यह पूरे प्रदेश के लिए समस्या बनता जा रहा है। यह सिर्फ जयपुर ही नहीं, प्रदेश के प्रत्येक बड़े शहर की परेशानी बनती जा रही है। इसलिए अदालत को हस्तक्षेप कर नियमों की सुदृढ़ता से पालना करवाने का आदेश पारित करना चाहिए।

गौरतलब है कि राजधानी जयपुर के वीवीआईपी जे.एल.एन. रोड स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर के पीछे संकरी गलियों में बहुमंजिला इमारतें बनने का मुद्दा पूर्व में भी राजस्थान हाईकोर्ट पहुंचा था। परंतु हाईकोर्ट ने इस मामले में यथास्थिति बनाये रखने अथवा कार्रवाई के आदेश पारित नहीं किए तो याचिकाकर्ता प्रीती असावा और अन्य लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। जिनकी याचिका पर शीर्ष अदालत ने निर्देश दिए हैं कि राजस्थान हाईकोर्ट इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सुनवाई करे। इसके बाद इस प्रकरण की सुनवाई की तारीख 19 सितंबर तय की गई है।

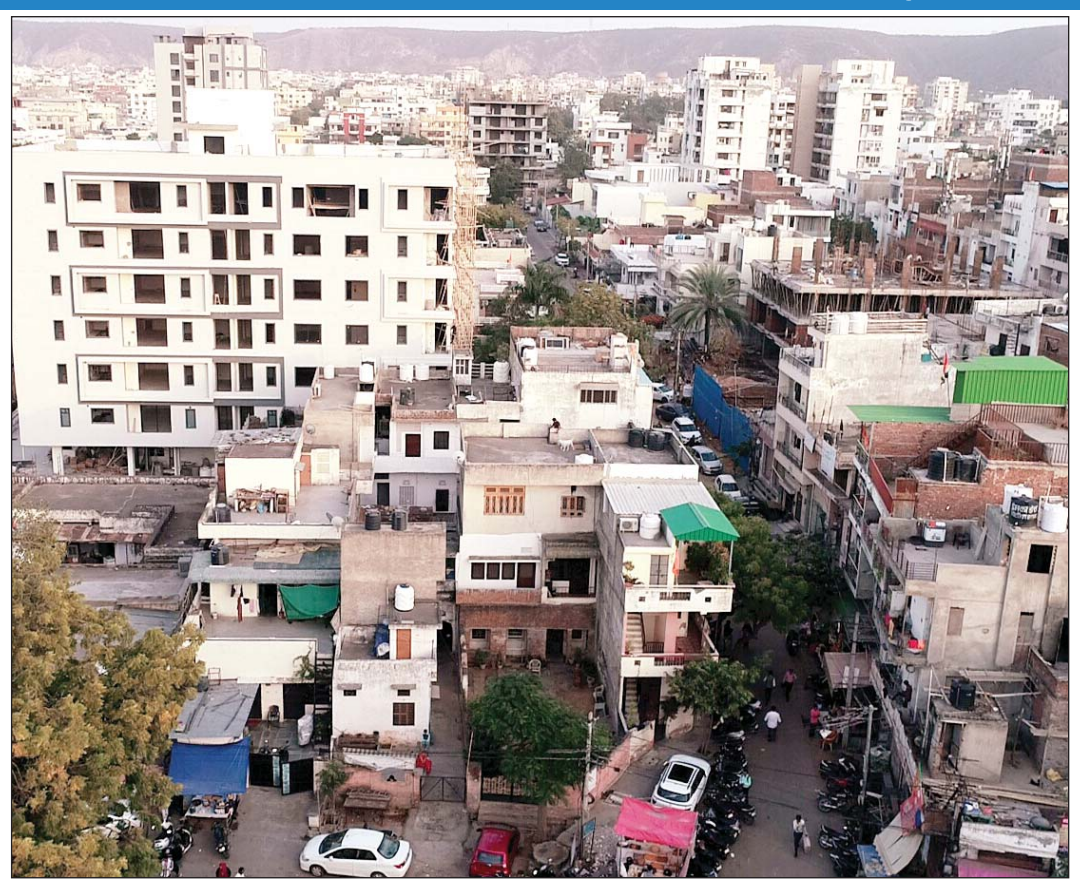

जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर के पीछे 20 से 25 फुट चौड़ी सकरी गली में 7 से 10 मंजिला ऊंची इमारतें बन गई है, जो कि इस फोटो में साफ नजर आ रही है। इन बहुमंजिला इमारतों से कई घरों में रोशनी और हवा तक नहीं पहुंच रही।

ज्ञात रहे कि वर्ष 2024 में मोतीडूंगरी एक्सटेंशन तथा तिलक नगर एक्सटेंशन पर तीन प्लॉट बी-124, बी-49 और बी-3 पर बहुमंजिला इमारतों के निर्माण का विवाद हाईकोर्ट में पहुंचा था। तब स्थानीय निवासी प्रीती असावा व अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा था कि, मोती डूंगरी मंदिर के सामने और पीछे की तरफ सड़क को वर्ष 1962 के सरकारी दस्तावेजों में 60 फीट चौड़ी दर्शाया गया है। परंतु मौके पर सड़क की चौड़ी बमुश्किल 20 से 25 फीट है।

परंतु जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम प्रशासन ने बिल्डरों की मदद करते हुए इन संकरी गलियों में भी बहुमंजिला इमारतों के नक्शे पास कर दिए। जिसके कारण अब यहां 7 से 10 मंजिल ऊंची इमारतें बन गई है। इस मामले से जुड़े दस्तावेजों को देखकर स्पष्ट होता है कि दोनों ही विभागों ने वर्ष 1962 में

- **प्राप्त दस्तावेजों के मुताबिक, मोती डूंगरी मंदिर के सामने और पीछे की तरफ सड़क, वर्ष 1962 के सरकारी दस्तावेजों में 60 फीट चौड़ी दर्शाया गयी है, परंतु मौके पर बमुश्किल 20 से 25 फीट है।**

दर्शायी गई 60 फीट चौड़ी सड़क की सत्यता जांचने का कभी प्रयास ही नहीं किया, तथा बिल्डरों को बहुमंजिला इमारतों की स्वीकृति देने से पूर्व मौके पर सड़क की चौड़ाई तक नहीं जांची। बताया जा रहा है कि जिन बिल्डरों ने बहुमंजिला इमारतें बनायी है, उन्होंने सरकार की आंखों में धूल झोंकने के लिए अपनी बिल्डिंगों के सामने की तरफ अतिरिक्त सेटबैक एरिया छोड़कर 60 फीट की सड़क चौडाई दिखा ली। हालांकि अब भी यह जमीनें बिल्डरों के कब्जे में ही है, परंतु इस कारगुजारी में सरकारी अफसरों की मेहरबानी भी कम नहीं है। हालात यह है कि जयपुर विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान में तो अभी तक इन सड़कों की चौड़ाई तक ही स्पष्ट नहीं है।

याचिकाकर्ता प्रीती असावा ने बताया कि, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने कई वर्षों पहले इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया था। तब सरकारी जवाब सदन में रखा गया था कि, मोतीडूंगरी रोड से विजय पथ की ओर जाने वाली सड़क योजना मानचित्र में 60 फीट चौड़ी दिखाई गई है। परंतु इस मार्ग का अधिकांश भाग भूतपूर्व महाराजा जयपुर की निजी भूमि में आता है। मोतीडूंगरी रोड के निकट कच्ची बस्ती है, सड़क की अधिकांश भूमि का स्वामित्व जयपुर विकास प्राधिकरण के पास नहीं है, इस कारण यहां सड़क तय 60 फीट चौड़ाई में नही है।

सत्ता पक्ष के मंत्री और विधायकों ने डोटासरा के बयान को बताया शर्मनाक

जयपुर । कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ दिए गए बयान पर राज्य सरकार के मंत्रियों और विधायकों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम और हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने डोटासरा के बयान को "शर्मनाक", "कुंठित मानसिकता का प्रतीक" और "विकास विरोधी सोच" करार दिया है।

- **विधानसभा अध्यक्ष पर की गई टिप्पणी को बताया संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन, कांग्रेस पर भटकी राजनीति के आरोप**

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का विधानसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को लेकर इस तरह का बयान देना एक जनप्रतिनिधि के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि "डोटासरा इतने कुंठित हो चुके हैं कि उन्हें उचित-अनुचित का भी भान नहीं है।" साथ ही उन्होंने डोटासरा के पुराने विवादित बयानों की भी याद दिलाई-जैसे महिला शिक्षकों को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय स्थानांतरण में पैसों की खुली स्वीकारोक्ति।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को विधानसभा अध्यक्ष पर टिप्पणी कर जनता के बीच शर्मिंदगी झेलनी पडी है, और अब ध्यान भटकाने के लिए वे आधारहीन मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि "जनहित से जुड़े मुद्दों से बचने और चर्चा से भागने के लिए कांग्रेस नेता बेवजह बयानबाजी कर रहे हैं।" हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि सदन में कैमरे दोनों पक्षों की ओर लगे होते हैं, ऐसे में निजता के हनन की बात करना अनुचित है। उन्होंने कहा, "कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे विकास की चर्चा की बजाय ध्यान भटकाने वाली बयानबाजी कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि विपक्ष यदि चाहता तो अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों या धर्मांतरण जैसे गंभीर विषयों पर सदन में बात करता।नेताओं ने सामूहिक रूप से कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह प्रदेश के विकास में सहयोग करने के बजाय भ्रम फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने में जुटी है। जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका उत्तर देगी।

डोटासरा का बयान संसदीय मर्यादाओं की अवहेलना : राठौड़

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा विधानसभा में कैमरे को लेकर दिए गए बयान को निंदनीय और संसदीय मर्यादाओं की घोर अवहेलना बताया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा कोई निजी स्थान नहीं, बल्कि लोकतंत्र का मंदिर है, जहां पारदर्शिता के साथ हर गतिविधि का प्रसारण जनता के हित में होता है। राठौड़ ने कहा कि डोटासरा का निजता का तर्क संसदीय परंपराओं की अज्ञानता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि स्पीकर कोई साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संरक्षक और गरिमामयी पद पर आसीन व्यक्ति होता है, जिस पर इस प्रकार के आरोप लगाना शर्मनाक है।

"उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" से 50 जरूरतमंद बच्चियों को छात्रवृति मिलेगी

जयपुर (कासं)। "उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" जयपुर चैप्टर बैच-13 की ओर से रविवार को आयोजित होने वाले समारोह में जरूरतमंद परिवारों की 50 बच्चियों को छात्रवृति दी जायेगी। यह समारोह मानसरोवर स्थित उमंग स्कूल में सुबह 11 बजे आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि कनोडिया कॉलेज की प्राचार्या सीमा अग्रवाल होंगी। जबकि विशिष्ट अतिथि मेजर डॉ. मीता सिंह रहेंगी।

- **वर्ष 2013 से अनवरत जारी इस फैलोशिप कार्यक्रम के जरिए अब तक 618 बालिकाओं को लाभांवित किया जा चुका है।**
- **"उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" की इस मदद के कारण अब तक 227 लड़कियों को रोजगार मिला है, इनमें से 6 सरकारी नौकरी में है।**

"उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" जयपुर चैप्टर की ओर से 11वें बैच में 50 जरूरतमंद बालिकाओं को महारानी कॉलेज में आयोजित समारोह में छात्रवृत्ति दी गई थी।

आई.आई.टी. कानपुर से पास हुए तथा अमेरिका में पिछले 50 वर्षों से रह रहे सफल और जाने-माने प्रोफेशनल रिकी सूरी भी इस समारोह में भाग लेंगे। वे अमेरिका में इस संस्था के प्रभारी और संरक्षक है।

वर्ष 2013 से अनवरत जारी इस फैलोशिप कार्यक्रम के जरिए अब तक 618 बालिकाओं को लाभांवित किया जा चुका है। वर्तमान में 206 बच्चियां इस फैलोशिप प्रोग्राम से जुड़ी हुई है। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में 11वीं कक्षा में पढ़ रही बालिकाओं को इसका लाभ दिया जाता है, ताकि वे बच्चियां 10वीं के बाद अपनी पढ़ाई नहीं छोड़े और अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करें। इसके तहत 12वीं कक्षा तक 10 हजार रु, इसके बाद डिप्लोमा के लिए 11 हजार, ग्रेजुएशन के लिए 15 हजार तथा एम.बी.बी.एस. अथवा बी.टेक. जैसी उच्च शिक्षा के लिए 30 हजार रु. प्रतिवर्ष दिए जाते हैं।

"उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" की इस मदद के कारण अब तक 227 लड़कियों को रोजगार मिला है, इनमें से 6 सरकारी नौकरी में है। इन्हीं बच्चियों में से एक बालिका चंचल आई.आई.टी. जोधपुर में, सोनाक्षी मीणा सीकर मेडिकल कॉलेज में तथा करीना जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर में अपनी शिक्षा हासिल कर रही है।

वहीं इस संस्था की मदद से कविता गुप्ता वर्तमान जिंदल स्टीलनेस प्रा. लि. चंडीगढ़ में सालाना 12 लाख रु. के पैकेज कार्यरत हैं। फारा बानो सरकारी फार्मासिस्ट हैं, जबकि रेनू जांगिड़ ने हाल ही में सी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण की हैं।

यह फैलोशिप प्रोग्राम, उडायन केयर पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट का हिस्सा है, जिसकी स्थापना वर्ष 1994 में नई दिल्ली में हुई थी। इस संस्था का काम आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान बच्चों और महिलाओं की मदद करना है, ताकि उनके सपनों को नई उडान मिल सके। यह ट्रस्ट अनाथ बच्चियों के लिए घर, गरीब महिलाओं के लिए वित्तीय मदद, रोजगारपरक शिक्षा मुहैया करवाने का काम करता है। यह संस्था भारत के 30 बड़े शहरों में कार्यरत है, जिनमें नई दिल्ली, कोलकाता और जयपुर आदि शामिल है। "उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" के तहत जयपुर, उदयपुर और पाली में जरूरतमंदों को रहने की सुविधा दी जाती है। इन तीनों शहरों में 195 विद्यार्थियों को 35 से ज्यादा ट्रेनर व्यवसायिक पाठ्यक्रम के कॉर्स पढ़ाते हैं। यह बच्चे पौधारोपण, साफ-सफाई और वृद्धाश्रमों में मदद जैसे कार्य में भी हिस्सा लेते हैं। इस फैलोशिप प्रोग्राम की कोर कमेटी की चेयरमैन आई.ए.एस. वीनू गुप्ता हैं, जबकि केन्द्र सरकार में टैक्सटाइल मंत्रालय की सचिव रह चुकीं रूक्मणि हल्दिया, शीतल बोहरी, आस्था भटनागर और उद्यमी मनीष कासलीवाल और उनकी पत्नी रितिका कासलीवाल सदस्य हैं।

"प्लॉट 983: उनके लिए घर, जो हैं सरहद पर" मुहिम में शहीद सुजान का परिवार विजेता घोषित

संजीवनी बिल्डहोम और रेडियो मिर्ची द्वारा 19 अगस्त से शुरू की गई इस मुहिम के जरिए अलग-अलग वीर फौजी भाइयों की प्रेरणादायक कहानियां श्रोताओं तक पहुँचाई गईं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। संजीवनी बिल्डहोम और रेडियो मिर्ची द्वारा प्रस्तुत "प्लॉट 983: उनके लिए घर, जो हैं सरहद पर" का भव्य ग्रैंड फिनाले 13 सितम्बर को जयपुर के राज सराय होटल विद्याधर नगर में आयोजित हुआ।

यह विशेष मुहिम रेडियो मिर्ची पर 19 अगस्त से लगातार चलाई जा रही थी, जिसमें अलग-अलग वीर फौजी भाइयों की प्रेरणादायक कहानियां श्रोताओं तक पहुँचाई गईं। इन कहानियों को सुनकर श्रोताओं ने अपने वोट दिए और जूरी सदस्यों के मार्गदर्शन में सत्यापन के बाद विजेता का निर्णय लिया गया।

- **इन कहानियों को सुनकर श्रोताओं ने अपने वोट दिए और जूरी सदस्यों के मार्गदर्शन में सत्यापन के बाद विजेता का निर्णय लिया गया।**
- **अन्य फाइनलिस्ट में महावीर चक्र विजेता डिगेंद्र, शौर्य चक्र विजेता मेजर पवन, अजीत और भगीरथ राम शामिल रहे।**

संजीवनी बिल्डहोम और रेडियो मिर्ची द्वारा प्रस्तुत "प्लॉट 983: उनके लिए घर, जो हैं सरहद पर" का भव्य ग्रैंड फिनाले 13 सितम्बर को जयपुर के राज सराय होटल विद्याधर नगर में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का सबसे भावुक पल वह रहा, जब शहीद सुजान के परिवार को विजेता घोषित किया गया। अन्य फाइनलिस्ट में महावीर चक्र विजेता डिगेंद्र, शौर्य चक्र विजेता मेजर पवन, अजीत और भगीरथ राम शामिल रहे। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्कूलों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एस.जे. पब्लिक स्कूल, किड्स क्लब स्कूल और डिफेंस पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपनी मौजूदगी से इस आयोजन को और भी खास बना दिया।

इस निर्णायक जूरी पैनल में राजस्थान के सेवानिवृत्त डीजीपी डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा, रॉबिनहुड आर्मी से मैसू संजना विज, लक्ष्य स्पेशल स्कूल से मीना राजपूत, कॉन्ट्री फाउंडेशन से रोहित अग्रवाल तथा इत्रा फाउंडेशन से ऋचा सिंह रहे। कार्यक्रम का रोचक संचालन रेडियो मिर्ची के आरजे प्रेक्षा, आरजे वार्तिका, आरजे ईशान और आरजे जीत ने किया।

मुख्य आयोजक संजिवनी बिल्डहोम की ओर से सुनील माहेश्वरी (एमडी एंड सीईओ) तथा राजीव तक (एमडी एंड सीएमओ) ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता जताई और सभी फौजी भाइयों को नमन किया।

इसके बाद रेडियो मिर्ची की ओर से राजस्थान स्टेशन डायरेक्टर आशीष झा और कंटेंट हैड प्रकाश रुंडला ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल एक प्रतियोगिता का समापन था, बल्कि देशभक्ति, गर्व और कृतज्ञता का एक ऐसा उत्सव बन गया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

कांग्रेस की महिला विधायकों को देखने के लिए विधानसभाध्यक्ष ने सदन में विपक्ष पर 2 एक्स्ट्रा कैमरे लगाए : गोविंद डोटासरा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने यहां तक कह दिया कि, स्पीकर का फोकस इस पर है कि, महिला विधायक किस वेशभूषा में बैठी हैं? कैसी अवस्था में बैठी हैं? क्या बातें कर रही हैं?

जयपुर (कासं)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी पर कांग्रेस की महिला विधायकों को रेस्ट रूम में जासूसी कैमरे से देखने का आरोप लगाया है। डोटासरा ने यहां तक कह डाला कि, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष की तरफ एक्स्ट्रा कैमरे लगवाकर स्पीकर वासुदेव देवनानी, कांग्रेस विधायकों की जासूसी करवा रहे हैं। कांग्रेस में भी विशेष कर महिलाओं को रेस्ट रूम से देखना चाहते हैं। महिला विधायक किस वेशभूषा में बैठी हैं? कैसी अवस्था में बैठी हैं? क्या बातें कर रही हैं? स्पीकर का केवल महिलाओं पर ज्यादा फोकस है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि, स्पीकर की नजर हम एक, दो, तीन नंबर के नेताओं पर तो है ही, इसके अलावा महिलाओं पर ज्यादा फोकस है।

मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा कि, इससे बड़ी शर्म की बात नहीं हो सकती कि एक स्पीकर जैसी संवैधानिक पद पर बैठा हुआ व्यक्ति हमारे प्रतिपक्ष की महिला विधायक-बहनों के लिए अपने रेस्ट रूम में कैमरा लगाकर उसका एक्सेस रखता है। ऐसे व्यक्ति को डूब के मर जाना चाहिए। स्पीकर जासूस बनकर हमारी तरफ कैमरे लगवा रहे हैं, ताकि सदन स्थगित करने के बाद विपक्ष के विधायकों की आवाज सुन सकें।

- **मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा कि, आज हमें पता चला है कि स्पीकर ने रेस्ट रूम में जिन कैमरों का एक्सेस सेट कर रखा है। वहां से वायर हटाया जा रहा है। अब ये जासूसी के सबूत मिटा रहे हैं। ये कुंठा के शिकार हैं, हमारी आवाज दबाना चाहते हैं।**

डोटासरा ने कहा कि, आज हमें पता चला है कि स्पीकर ने रेस्ट रूम में जिन कैमरों का एक्सेस सेट कर रखा है। वहां से वायर हटाया जा रहा है। अब ये जासूसी के सबूत मिटा रहे हैं। ये कुंठा के शिकार हैं, हमारी आवाज दबाना चाहते हैं। इनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। ये कैमरे वाले स्पीकर विधानसभा नहीं चला सकते। ज्ञात रहे कि पिछले दिनों भी कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान इस मुद्दे को लेकर 2 दिन तक सदन में जमकर हंगामा मचाया था। उन्होंने विपक्ष की तरफ एक्स्ट्रा कैमरे लगाकर जासूसी के आरोप लगाए थे। यहां तक कि विधानसभा में विधायकों की जासूसी का आरोप लगाते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अगुवाई में राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन दिया था। कांग्रेस ने राज्यपाल से जासूसी मामले की संयुक्त कमेटी बनाकर जांच करवाने की मांग की थी। जिसके बाद इस मुद्दे पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन में विपक्ष के आरोपों को पूर्णत: खारिज करते हुए स्पष्ट जवाब दिया था कि, सदन की सुरक्षा के लिए कैमरे अपग्रेड किए हैं। सदन का 360 डिग्री व्यू यूट्यूब पर आए, इसलिए कैमरे लगाए हैं। जहां तक दो एक्स्ट्रा कैमरों की बात है तो सदन में आईपैड लगाए हैं और दूसरे उपकरणों की सुरक्षा जरूरी है, इसलिए लगाए है।

इस स्पीकर पर महिला विधायकों की तांका-झांकी का बड़ा आरोप लगाने के बाद गोविंद सिंह डोटासरा के बयान की सत्ता पक्ष ने जमकर निंदा की है। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कांग्रेस नेताओं की ओछी मानसिकता बताया है। दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए गए शर्मनाक बयानों से उनकी संकीर्ण और महिलाओं के प्रति असंवेदनशील मानसिकता साफ झलकती है। उन्होंने कहा कि जिन वरिष्ठ राजनीतिज्ञों ने अपना संपूर्ण जीवन राजनीति और समाज सेवा को समर्पित किया है, उन पर निराधार और अपमानजनक आरोप लगाना बेहद शर्मनाक है। इससे कांग्रेस की हताशा और गिरी हुई राजनीति का स्तर साफ दिखाई देता है। राजस्थान की जनता महिलाओं का अपमान करने वाली और झूठे आरोपों की राजनीति करने वाली कांग्रेस को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

स्व. सवाई सिंह धमोरा की स्मृति में पुस्तक विमोचन और समारोह आज

जयपुर। इतिहासविद् व समाजसेवी स्व. सवाईसिंह धमोरा की स्मृति में रविवार को पांच बत्ती स्थित श्री राजपूत सभा भवन में 'पुस्तक विमोचन एवं स्मृति समारोह' का आयोजन किया जायेगा। यह कार्यक्रम दोपहर 1.30 बजे से 4 बजे तक होगा।

समारोह में स्व. सवाई सिंह धमोरा पर प्रकाशित एक स्मारिका और जमुवाय माताजी पर उनके द्वारा लिखी पुस्तक "जय जमुवाय" का विमोचन भी किया जायेगा। समारोह के अतिथियों में सांसद राव राजेन्द्र सिंह शाहपुरा, इतिहास शिक्षक राजवीर सिंह चलकोई मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर इन दोनों पुस्तकों के अतिरिक्त समाजोपयोगी अन्य साहित्य भी उपलब्ध होगा।

मैंने हमेशा कहा है कि क्रिकेट चलते रहना चाहिए, ये हमेशा दो देशों के बीच रिश्ते को बेहतर बनाने में मदद करता है।
- शाहिद आफरीदी

पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी, भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नवनीत कौर

हॉकी इंडिया ने शनिवार को भारतीय खिलाड़ी नवनीत कौर को महिला एशिया कप 2025 में जापान के खिलाफ सुपर 4 मैच में 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर बधाई दी है। नवनीत वर्तमान में चल रहे महिला एशिया कप 2025 में भारत के लिए दूसरी सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ी है। 29 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 2013 जूनियर महिला विश्व कप में जूनियर टीम को कांस्य पदक दिलाने में मदद करने के बाद 2014 में सीनियर टीम में पदार्पण किया था। तब से वह भारतीय महिला हॉकी टीम में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और पाकिस्तान की टीमें एशिया कप वनडे फॉर्मेट में 15 बार टकराई हैं जहां भारत ने आठ वहीं पाकिस्तान ने 5 में जीत दर्ज की है। दो मुकाबले का रिजल्ट नहीं निकल सका।

भारत-पाकिस्तान के बीच सुपर संडे को होगा 'महासंग्राम'

दुबई, 13 सितंबर। भारत-पाकिस्तान मैच में कुछ खास होता है। दिन भर उत्सुकता धीरे-धीरे बढ़ती है, और जब तक खिलाड़ी मैदान पर उतरते हैं, तब तक माहौल उम्मीदों से भर जाता है। रविवार शाम, दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में, प्रशंसक इस चिरस्थायी प्रतिद्वंद्विता का एक और अध्याय देखेंगे, और यह मुकाबला कौशल और साहस दोनों से ही गढ़ा हुआ होने का वादा करता है।

भारत के लिए, ध्यान उनकी गेंदबाजी पर होगा। कुलदीप यादव एक ऐसे गेंदबाज के रूप में परिपक्व हो गए हैं जिनके पास असाधारण नियंत्रण और विविधता है। यूएई के खिलाफ उनका स्पैल इस बात की याद दिलाता है कि धैर्य के साथ कलाई की स्पिन कितनी प्रभावी हो सकती है। वरुण चक्रवर्ती बल्लेबाजों के लिए एक अलग तरह की पहेलियां लेकर आते हैं, और अक्षर पटेल की निरंतर सटीकता उनकी चतुराई का पूरक है।

दूसरी तरफ जसप्रीत बुमराह हैं, एक ऐसा गेंदबाज जो पारी के हर चरण में अपने कप्तान को विकल्प देता है-नई गेंद से, बीच के ओवरों में, और आखिरी क्षणों में जब दबाव में स्पष्टता की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

भारत की बल्लेबाजी भी कम आशाजनक नहीं है। युवा अभिषेक शर्मा ने पावरप्ले में बढ़त हासिल करने की क्षमता दिखाई है, जबकि शुभमन गिल का शांत स्वभाव दूसरे छोर पर आश्वस्त करने वाला है। सूर्यकुमार यादव अपने स्ट्रोक्स की विविधता के साथ एक बार फिर टीम की धुरी होंगे, जिनका

साथ तिलक वर्मा, संजू सैमसन, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल देंगे। यह एक ऐसा लाइनअप है जो परिस्थिति के अनुसार ढल सकता है, चाहे इसके लिए कड़ी मेहनत की जरूरत हो या अचानक तेजी की।

पाकिस्तान अपनी ताकतें लेकर आएगा। फखर जमान में बड़े मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है, और सैम अयूब का क्रीज पर संतुलन उन्हें एक बेहतरीन विकल्प बनाता है। मोहम्मद हारिस मध्यक्रम में एक ऊर्जावान खिलाड़ी हैं। गेंद से, मोहम्मद नवाज और अबरार अहमद भारत की प्रगति को धीमा करने में सक्षम हैं, जबकि शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ गति और स्विंग से खतरनाक बने हुए हैं।

दुबई की पिच अक्सर उन लोगों को फ़ायदा पहुंचाती है जो इसे समझने में समय लगाते हैं। शुरुआत में, गेंद तेज गेंदबाज़ों के लिए थोड़ी हिल सकती है, लेकिन एक बार सतह स्थिर हो जाने पर, स्ट्रोक खेलना आसान हो जाता है। अगर स्पिनर अनुशासन बनाए रखते हैं, तो उन्हें अपने काम में मजा आएगा, और हमेशा की तरह, ओस की संभावना कप्तानों को पहले बल्लेबाजी करने या लक्ष्य का पीछा करने के बारे में सावधानी से सोचने पर मजबूर करेगी।

इन दोनों टीमों के बीच मैच शायद ही कभी सीधे होते हैं। एक पल की चमक या एकाग्रता की कमी खेल की दिशा बदल सकती है। अपनी गेंदबाजी में अनुभव और विविधता के साथ, भारत थोड़ी बढ़त के साथ शुरुआत करता है, लेकिन टी20 क्रिकेट में, और खासकर इस मुकाबले में, भविष्यवाणियां हमेशा अनिश्चित होती हैं।

प्रशंसक इस बात को लेकर निश्चिंत हो सकते हैं कि कल की शाम उन्हें उस खेल का आनंद लेने का एक और कारण देगी जिसे वे सभी पसंद करते हैं, जो कौशल, तीव्रता और आपसी सम्मान के साथ खेला जाता है।

भारत की संभावित प्लेइंग : अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान की संभावित प्लेइंग : सईम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ/सुफियान मुकीम, अबरार अहमद।

लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग फाइनल में, स्वर्ण से एक जीत दूर

हांगकांग, 13 सितम्बर। भारत के लिए आज दोहरी खुशी का दिन रहा जब लक्ष्य सेन ली-निंग हांगकांग ओपन 2025 के फाइनल में पहुंच गए, जहाँ उनका सामना दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी चीन के ली शी फेंग से होगा। सेन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन को 56 मिनट में 23-21, 22-20 से सीधे गेम में हराकर दो साल में पहली बार फाइनल में जगह बनाई। 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी शी फेंग पर 7-6 की बढ़त बनाए हुए हैं, जिससे फाइनल और भी रोमांचक हो गया है। सेन की इस प्रगति के साथ, भारत दो फाइनल में पहुंच गया है, पुरुष एकल में लक्ष्य और पुरुष युगल में सात्विक-चिराग। इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने फाइनल में प्रवेश कर लिया, जो इस साल का उनका पहला फाइनल है। स्मैश ब्रदर्स की इस जोड़ी ने चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई को केवल 38 मिनट में 21-17, 21-15 से हरा दिया। भारत की दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता जोड़ी अब फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से भिड़ेगी। लक्ष्य और भारतीय जोड़ी अब स्वर्ण पदक जीतने से एक कदम दूर रह गयी है।

सचिन के बाद हरभजन का नाम बीसीसीआई प्रमुख की दौड़ में शामिल होने की अटकलें

मुंबई, 13 सितंबर। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बाद अब स्पिनर हरभजन सिंह का नाम भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष पद के लिए जोड़ा जा रहा है। तेंदुलकर पहले ही इस दौड़ में शामिल होने से इनकार कर चुके हैं, लेकिन हरभजन ने अभी तक कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है, जिससे उनकी संभावित रुचि को

लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) द्वारा 45 वर्षीय पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह को नामांकित किए जाने से इस ताजा चर्चा में कुछ दम नजर आ रहा है। नामांकन आधिकारिक रूप से दाखिल होने के बाद ही तस्वीर साफ होगी, क्योंकि केवल राज्य संघ द्वारा समर्थित उम्मीदवार ही चुनाव लड़ने के पात्र हैं। हरभजन ने सभी प्रारूपों में 367 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का बीसीसीआई के कामकाज पर काफी प्रभाव है और यह सरकार खेल संस्थाओं में शीर्ष पदों के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को प्राथमिकता देने के लिए जानी जाती है। सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी, दोनों पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, सत्तारूढ़ पार्टी की खिलाड़ी-प्रथम नीति के कारण ही बीसीसीआई अध्यक्ष बने चुके है। हरभजन ने क्रिकबज के फोन और संदेशों का जवाब नहीं दिया। उम्मीदवारों के इन पदों के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद सच्चाई सामने आ जायेंगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला

हांगझाऊ (चीन) 13 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला एशिया कप 2025 में जापान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 1-1 से ड्रॉ खेला। अगर चीन, कोरिया को हरा देता है या तीन गोल से कम अंतर से हार से बचता है, तो भारत महिला टीम एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंच जायेगी।

भारत के लिए ब्यूटी डुंग डुंग ने (सातवें मिनट) में शुरुआती गोल किया, जबकि शिहो कोबायाकावा ने (58वें मिनट) ने जापानी टीम के लिए बराबरी का गोल दागा। मुकाबले के शुरुआत में ब्यूटी डुंग डुंग ने (सातवें मिनट) में गोलकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा और पहले क्वार्टर में स्कोर 1-0 रहा।

सेंट्रल जोन के यश राठौड़ दोहरे शतक से चूके

बेंगलुरु 13 सितंबर। आर स्मरण (नाबाद 37) और रिकी भुई (नाबाद 26) की जुझारू पारियों के दम पर साउथ जोन ने दलीप ट्राफी के फाइनल मुकाबले के तीसरे दिन शनिवार को दो विकेट पर 129 रन बना लिये है। हालांकि वह अभी सेंट्रल जोन के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 233 रन पीछे है।

सेंट्रल जोन के कल के पांच विकेट पर 384 रन से आगे खेलना शुरु किया। सेंट्रल जोन का छठा विकेट सारांश जैन (69) के रूप में गिरा। उन्हें अंकित शर्मा ने बोल्ड आउट किया। 500 के स्कोर पर गुरजपनीत सिंह ने यश राठौड़ को अपना शिकार बना लिया और वह मात्र छह रन से अपना दोहरा शतक पूरा करने से चूक गये। यश राठौड़ ने 286 गेंदों में 17 चौके और दो छक्के लगाते हुए 194 रन बनाये। इसके बाद अंकित शर्मा ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए दीपक चाहर (37), कुमार कार्तिकेय (आठ) और आदित्य ठाकरे (एक) को आउटकर 145.1 ओवर में सेंट्रल जोन की पहली पारी को 511 रन के स्कोर पर रोक दिया। साउथ जोन के लिए अंकित शर्मा और गुरजपनीत सिंह ने चार-चार विकेट लिये। एम डी निधीष और वासुकी कौशिक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन के लिए तन्मय अग्रवाल और मोहित काले की जोड़ी ने पहले विकेट लिये 62 रन जोड़े। 16वें ओवर में सारांश जैन ने मोहित काले (38) को पगबाधा कर सेंट्रल जोन को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 19वें ओवर में कुलदीप सेन ने तन्मय अग्रवाल (26) को आउटकर सेंट्रल जोन को दूसरा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय साउथ जोन ने दो विकेट पर 129 रन बना लिये है और वह अभी भी सेंट्रल जोन के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 233 रन पीछे है। आर स्मरण (नाबाद 37) और रिकी भुई (नाबाद 26) क्रीज पर मौजूद थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्वकप की तैयारियों का आगाज करेगा भारत

न्यू चंडीगढ़, 13 सितम्बर। 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले महिला वनडे विश्व कप से पहले भारत रविवार को न्यू चंडीगढ़ में ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज का आग़ाज करेगा। पहले दोनों मुकाबले न्यू चंडीगढ़ में ही खेले जाने हैं जबकि सीरीज का अंतिम मुक़ाबला 20 सितंबर को दिल्ली में खेला जाएगा।

भारतीय दल ने इस सीरीज से पहले विशाखापट्टनम में अभ्यास शिविर में भाग लिया था। हालांकि इस सीरीज से पहले भारत को एक बड़ा झटका यास्तिका भाटिया के रूप में लगा, जो चोटिल होने के चलते ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ सीरीज के साथ ही विश्व कप से भी बाहर हो गईं। भाटिया के विकल्प के तौर पर दल में उमा छेत्री को टीम में जगह दी गई है।

भारतीय तेज गेंदबाज़ रेणुका सिंह ठाकुर चोट के बाद इस सीरीज में वापसी करेंगी, वह विश्व कप दल का भी हिस्सा हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए अमनजोत कौर भारतीय दल का हिस्सा नहीं हैं क्योंकि वह इस समय निगल से रिकवर कर रही हैं और उनकी जगह सयाली सतघरे टीम का हिस्सा हैं। हालांकि टीम के चयन के दौरान हरमनप्रीत कौर ने अमनजोत के विश्व कप से पहले फ़िट होने की उम्मीद जताई थी और वह विश्व कप दल का भी हिस्सा हैं।

मंधाना और रावल पर रहेंगी नजरें

भारत के लिए वनडे विश्व कप में स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल पारी की शुरुआत करती नजर आएंगी, ऐसे में एक बड़े टूर्नामेंट से पहले मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने ख़ुद को आजमाने का बेहतर मौका होगा। मंधाना की वनडे फ़ॉर्म की बात की जाए तो पिछले 10 मुकाबलों में उन्होंने 105.76 के स्ट्राइक रेट और 58.7 की औसत से 587 रन बनाए हैं जबकि रावल ने इतने ही मुकाबलों में 90.56 के स्ट्राइक रेट और 53.33 की औसत से 480 रन बनाए हैं।

हालिया प्रदर्शन

भारत ने अपना पिछला वनडे इंग्लैंड के ख़िलाफ खेला था जहां तीन मैचों की सीरीज में उन्हें 2-1 से जीत मिली थी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने अंतिम वनडे में शतक जड़कर अपने फ़ॉर्म में लौटने के संकेत दिए थे। इससे पहले भारत ने श्रीलंका में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में भी जीत हासिल की थी, जिसका हिस्सा दक्षिण अफ्रीका भी था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया ने वनडे प्रारूप में अपना सबसे हालिया मैच जनवरी 2025 में इंग्लैंड के ख़िलाफ खेला था। जहां उन्होंने तीन मैचों की वनडे सीरीज में इंग्लैंड को 3-0 से पटखनी दी थी। पिछले साल भारत को ऑस्ट्रेलिया में 0-3 से हार मिली थी इसलिए भारत के पास न सिर्फ़ वनडे विश्व कप की तैयारी का अवसर है बल्कि ऑस्ट्रेलिया से अपनी हार का बदला लेने का भी मौका है।

दोनों टीमें - भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), हरलीन देओल, जेमिमाह रॉड्रिग्स, प्रतिका रावल, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव, **ऑस्ट्रेलिया :** एलिसा हीली (कप्तान), तालिया मैक्ग्रा, अलाना किंग, ऐश्ली गार्डनर, किम गार्थ, चार्ली नॉट, एलिस पेरी, निकोल फ़ॉल्टम, डार्सी ब्राउन, बेथ मूनी, सोफ़ी मोलिन्यू, फ़ीबी लिचफ़ील्ड, जॉर्जिया वेयरहम, जॉर्जिया वॉल, मेगन शूट, अनाबेल सदरलैंड, ग्रेस हैरिस

भारत विश्वकप 2025 जीतने का सबसे प्रबल दावेदार : लैनिंग

सिडनी, 13 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज खिलाड़ी मेग लैनिंग ने उन टीमों का खुलासा किया है जिनके बारे में उनका मानना है कि आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने की सबसे ज्यादा संभावना है।

ऑस्ट्रेलिया, जो गत चैंपियन के रूप में शुरुआत करेगा, ट्रॉफी जीतने के बारे में एक-दो बातें जानता है, क्योंकि उसने सात महिला एकदिवसीय विश्व कप जीते हैं। मेग लैनिंग ने स्वीकार किया कि वह ऑस्ट्रेलिया को फिर से ट्रॉफी उठाते देखना पसंद करेंगी, साथ ही पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि मेजबान भारत आगामी संस्करण में सबसे मजबूत दावेदारों में से एक साबित हो सकता है।

आईसीसी डिजिटल से बात करते हुए लैनिंग ने कहा, "मुझे पता है कि ऑस्ट्रेलिया ने इसमें काफी हद तक दबदबा बनाया है, लेकिन यह निश्चित रूप से कोई तयशुदा निष्कर्ष नहीं है।" "मैं अब भी ऑस्ट्रेलिया को जीतते देखना चाहूँगी, लेकिन मुझे लगता है कि भारत मुख्य प्रतिद्वंद्वी है। मुझे लगता है कि भारत सभी के लिए एक बड़ी चुनौती है।

"प्रतिभा के लिहाज से, वे किसी भी टीम से कम नहीं हैं और मुझे लगता है कि वे अब जीतना समझने लगे हैं, जिस पर उन्हें काम करने की जरूरत है और मुझे लगता है कि वे इसे बखूबी कर रहे हैं।" लैनिंग ने 2017 विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया था, जहां वे उत्साही भारत से हार गए थे, जबकि भारत खुद लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में अपने पहले खिताब से बाल-बाल चूक गया था।

कप्तान के रूप में पांच विश्व कप जीत के साथ - चार आईसीसी महिला टी20 विश्व कप और 2022 वनडे खिताब - लैनिंग से बेहतर शायद ही कोई समझ पाएगा कि बड़े टूर्नामेंटों में आगे बढ़कर नेतृत्व करने और दबाव वाले क्षणों से कैसे पार पाना होता है।

लैनिंग ने आगे कहा, "हरमनप्रीत कौर उनकी (भारत की) अच्छी कप्तानी कर रही हैं और उनके पास वाकई अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें अब अच्छा अनुभव हो गया है।

नितिन कुमार के सुपर-10 से जयपुर पिंक पैंथर्स ने घर में दर्ज की पहली जीत

जयपुर, 13 सितम्बर। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूपी योद्धाज को 41-29 से हराकर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीज़न 12 में पहली घरेलू जीत दर्ज की। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में नितिन कुमार ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सुपर-10 पूरा किया, जबकि ईरानी ऑल-राउंडर अली सामदी ने भी 9 अंक अपने नाम किए। डिफेंस में भी जयपुर की टीम प्रभावी रही। रेज़ा मिरबघेरी ने चार टैकल अंक जुटाए, जबकि दीपांशु खत्री और आर्यन कुमार ने तीन-तीन टैकल अंक लिए। यूपी योद्धाज की ओर से गगन गौड़ा ने शानदार संघर्ष करते हुए 15 अंक और सीज़न का चौथा सुपर-10 हासिल किया। कप्तान सुमित सांगवान ने भी चार टैकल अंक जुटाए, लेकिन उनकी मेहनत जीत में नहीं बदल सकी।

जयपुर का दबदबा कायम - पिंक पैंथर्स ने इस मैच में पहली बार सीज़न 12 में 10 टैकल अंक पूरे किए। वहीं गगन गौड़ा ने संघर्ष जारी रखते हुए सुपर-10 पूरा किया और आख़िरी पलों में सुपर रेड भी की, लेकिन यह यूपी के लिए जीत में बदलने के लिए काफ़ी नहीं रहा। अंतिम क्षणों में नितिन कुमार ने एक और सुपर-10 पूरा करते हुए टीम के लिए निर्णायक ऑल-आउट कराया और जयपुर ने 41-29 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मीनाक्षी, जैस्मीन, नूपुर ने शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया

लिवरपूल, 13 सितंबर। मीनाक्षी (महिला 48 किग्रा), जैस्मीन लैम्बोरिया (महिला 57 किग्रा) और नूपुर (महिला 80 किग्रा) ने अपने-अपने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में भारत के लिए कई स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद जगा दी। मीनाक्षी ने मंगोलिया की अल्तांत्सेत्सेग लुत्सेखान को 5:0 से हराया, जैस्मीन ने वेनेजुएला की ओमेलिन कैरोलिना अल्काला सेगोविया को 5:0 से हराया और नूपुर ने तुर्की की सेयमा दुज्तास को कड़ी टक्कर दी। भारत ने विश्व मुक्केबाजी - मुक्केबाजी के लिए हाल ही में गठित एक अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय - के तत्वावधान में आयोजित होने वाली पहली विश्व चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय दल उतारा है और पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है। पूजा रानी (महिला 80 किग्रा) सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी भारतीय मुक्केबाज हैं और आज बाद में उनका सामना इंग्लैंड की एमिली एस्क्विथ से होगा।

कॉम्पिटिशन मैनेजर नानावटी ने किया एसएमएस और चौगान के स्वीमिंग पूल का निरीक्षण

जयपुर, 13 सितम्बर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की टेक्नीकल कंडक्ट कमेटी के स्वीमिंग के काम्पिटिशन मैनेजर कमलेश नानावटी ने शनिवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम और चौगान स्टेडियम के स्वीमिंग पूल का निरीक्षण किया। नानावटी के साथ राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास भी थे। नानावटी ने इसके बाद राजस्थान खेल परिषद के अध्यक्ष नीरज कुमार पवन से भी मुलाकात की। उन्होंने दोनों ही पूल पर कुछ कमियां परिषद अध्यक्ष को बताई, जिन्हें जल्द ही दुरुस्त किया जाएगा। काम्पिटिशन मैनेजर इसके बाद एक बार फिर फाइनल विजिट के लिए आएंगे।

नानावटी ने मीडिया से बातचीत में सवाई मानसिंह स्टेडियम के पूल के तैराकी प्रतियोगिता के लिए उपयुक्त बताया लेकिन कहा कि नवम्बर में मौसम ठण्डा रहेगा ऐसे में पूल में हीटिंग सिस्टम की जरूरत होगी। इसके अलावा उन्होंने एसएमएस और चौगान के स्वीमिंग पूल पर टेक्निकल ऑफिसर्स, गेम्स जूरी और अन्य आफिशियल्स के लिए कमरों की भी जरूरत बताई।

नानावटी ने कहा कि चौगान में बना नया स्वीमिंग पूल भी बहुत अच्छा है और उसमें हीटिंग सिस्टम के साथ पूरी 10 लेन हैं लेकिन जो स्टार्ट पॉइंट लगाए हैं, वे काफी पुराने हैं। उन्हें बदलना पड़ेगा। नानावटी अपनी रिपोर्ट जल्दी ही भारतीय खेल प्राधिकरण और राजस्थान खेल परिषद को देंगे। इस बीच अनिल व्यास, जो फेडरेशन के उपाध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि अहमदाबाद में इसी माह 28 सितम्बर से एशियन तैराकी चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है, जिसमें 29 देशों के तैराक हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद जल्दी ही जयपुर में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। नानावटी ने भी कहा कि जयपुर अच्छा सेंटर है और हम यहां कोई बड़ी प्रतियोगिता कराना चाहेंगे।

क्रिकेट के अलावा हमारे दिमाग में कुछ भी नहीं है : कोटक

दुबई, 13 सितम्बर। भारत बनाम पाकिस्तान मुक़ाबले पर हमेशा लोगों को ज्यादा ध्यान रहता है, लेकिन एशिया कप 2025 में इन दोनों देशों के मुकाबले से दो दिन पहले तक फोकस सिर्फ क्रिकेट पर है।

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा, "बीसीसीआई और सरकार की अनुमति के बाद ही हम खिलाड़ी और कोच इस मुक़ाबले के लिए तैयार हैं। हम यहां खेलने के लिए आए हैं। यह एक टक्कर का मैच होगा। भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा टक्कर का होता है। तो हम उसी पर फोकस करना चाहेंगे।"

शुक्रवार को भारत के अभ्यास सत्र से पहले कोटक से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान के ख़िलाफ मैचों का बहिष्कार करने की बातों के बीच सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान देना मुश्किल होता है? भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक रिश्ते तनावपूर्ण हैं, जो हाल के महीनों में और बिगड़े हैं। अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव बढ़ गया था। कोटक ने कहा, "सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता। जब हम खेलने आते हैं, मुझे लगता है कि खिलाड़ी सिर्फ़ क्रिकेट खेलने पर फ़ोकस करते हैं।

जिला क्रिकेट केंद्रों पर क्रिकेट स्टेडियम हेतु आवश्यक जमीन के पैरामीटर्स तय करेगी आरसीए ग्राउंड व स्टेडियम डवलपमेंट कमेटी : आशीष तिवाड़ी

जयपुर, 13 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य आशीष तिवाड़ी के अनुसार सयोजक डी डी कुमावत के नेतृत्व में हमारी आरसीए एडहॉक कमेटी राज्य के सभी जिला क्रिकेट केंद्रों पर खेल के विकास व उत्थान हेतु क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतु प्रयासरत है जिससे जिले के युवा खिलाडियों को उच्च स्तरीय खेल मैदान पर प्रशिक्षण व अपना प्रदर्शन दिखाने का अवसर प्राप्त हो।

आशीष तिवाड़ी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा राज्य के जिलों में क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की रूपरखा तैयार कर जिलों में आरसीए, जिला क्रिकेट संघ व सी एस आर फंड के सहयोग से जल्द से जल्द क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतुआरसीए ग्राउंड व स्टेडियम डवलपमेंट कमेटी का गठन किया गया था जिसकी पहली बैठक आज आयोजित की गयी।

आज आरसीए ग्राउंड व स्टेडियम डवलपमेंट कमेटी की मीटिंग में कमेटी चेयरमैन आशीष तिवाड़ी , सुशील जैन , पवन गोयल , गोविन्द स्वरुप उपाध्याय , अरिष्ट सिंघवी मौजूद रहे।

आरसीए ग्राउंड व स्टेडियम डवलपमेंट कमेटी चेयरमैन आशीष तिवाड़ी के अनुसार मीटिंग में सभी सदस्यों नेराज्य के सभी 33 जिला केंद्रों पर क्रिकेट स्टेडियम के लिए आवश्यक भूमि के पैरामीटर्स पर गहन चर्चा की। सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सबसे पहले जिलों में स्टेडियम के निर्माण हेतु सभी आवश्यक मापदंडो के अनुसार जमीन को उसके क्षेत्रफल के अनुसार चिन्हित करने , खिलाडियों के प्रशिक्षण की सुगमता , सुविधाजनक क्षेत्र सहित सभी आवश्यक पैरामीटर्स को ध्यान में रखते हुए आगामी कार्यों की रिपोर्ट्स जल्द से जल्द तैयार की जाएगी जिससे स्टेडियम भूमि के आवंटन , अनुबंध , लीज की प्रकिया को पूर्ण कर जिलों में सीएसआर फंड , जिला क्रिकेट संघ व आरसीए के सहयोग से क्रिकेट स्टेडयम के निर्माण को जल्द से जल्द पूरा लिया जा सके।

राज्य स्तरीय अंडर 19 ट्रॉफी प्री क्वाटर फाइनल

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेल गए प्री क्वाटर फाइनल मैचों में आज जयपुर, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, कोटा, भीलवाड़ा, नागौर, जोधपुर व सीकर जीती।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया

अबु धाबी, 13 सितम्बर। श्रीलंका ने एशिया कप 2025 में अपना पहला मैच जीत लिया है। टीम ने शनिवार को अबू धाबी में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। शेख जायेद स्टेडियम में श्रीलंका ने बॉलिंग चुनी।

बांग्लादेश ने 5 विकेट खोकर 139 रन बनाए। श्रीलंका ने 14.4 ओवर में 4 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने 53 रन पर ही 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से शमीम हुसैन और जाकिर अली ने 86 रन की पार्टनरशिप की और टीम को 139 रन तक पहुंचाया। शमीम ने 42 और जाकिर ने 41 रन बनाए। श्रीलंका से वनिंदू हसरंगा ने 2 विकेट लिए। नुवान थुषारा और दुष्मंथा चमीरा को 1-1 विकेट मिला। श्रीलंका से पथुम निसांका ने 50 और कमिल मिशारा ने 46 रन बनाए। दोनों ने 95 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की। कुसल परेरा ने 9, दसुन शनाका ने 1 और कुसल मेंडिस ने 3 रन बनाए। बांग्लादेश से महेदी हसन ने 2 विकेट लिए। मुस्तफिजुर रहमान और तंजिम हसन साकिब को 1-1 विकेट मिला।

शनिवार को रैबारी, देवासी समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिण्डल ने, राज्य सरकार द्वारा सामाजिक उत्थान एवं विकास के लिए किए गए निर्णयों, संचालित की जा रही योजनाओं एवं बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। एक अन्य कार्यक्रम के अन्तर्गत, शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर योगी, नाथ एवं सिद्ध समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने भी मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की तथा राज्य सरकार के विभिन्न निर्णयों व योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस दौरान सांसद मदन राठौड़ भी उपस्थित थे।

नौसेना को दूसरा पनडुब्बीरोधक पोत ''अंद्रोथ'' मिला

नई दिल्ली, 13 सितंबर। भारतीय नौसेना को दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत अंद्रोथ मिल गया है। रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक उपक्रम कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड ने पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत अंद्रोथ भारतीय नौसेना को सौंपा दिया है। पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत अंद्रोथ मिलने के बाद नौसेना की शक्ति ने काफी इजाफा होगा।

इस पोत का नाम लक्षद्वीप द्वीपसमूह के अंद्रोथ द्वीप पर रखा गया है। यह इस शृंखला का दूसरा पोत है। इससे पहले 8 मई को पहला पोत अर्नाला नौसेना को सौंपा गया था, जिसे 18 जून को नौसेना में शामिल कर लिया गया। जीआरएसई के अधिकारी ने बताया कि इस श्रेणी के पोत पर स्वदेशी 30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी) लगाई गई है, जिसे खुद जीआरएसई ने ही तैयार किया है।

भारतीय नौसेना ने कुल 16 ऐसे पोतों का ऑर्डर दिया है, जिनमें आठ जीआरएसई और आठ एक अन्य भारतीय शिपयार्ड की ओर से बनाए जा रहे हैं। जीआरएसई द्वारा सभी आठ एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसी लॉन्च किए जा चुके हैं, लेकिन यह नौसेना को सौंपा गया दूसरा जहाज है। उन्होंने कहा कि ये जहाज तटीय जल की पूर्ण पैमाने पर भूमिगत निगरानी के साथ-साथ, खोज और हमले में भी सक्षम हैं। ये पोत विमानों के साथ समन्वित पनडुब्बी-रोधी अभियान चलाने में सक्षम हैं। इनमें अत्याधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाया गया है और इन्हें हल्के टॉरपीडो तथा पनडुब्बी रोधी रॉकेटों से लैस किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में 45, चंबा में 38 व सिरमौर में 21 सड़कें बंद हैं। उधर, भरमौर-पठानकोट हाईवे पर तुन्नूहट्टी, लाहड़, मैहला के समीप बीती रात भारी बारिश के साथ भूस्खलन हुआ है। इससे हाईवे पर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

राहुल गांधी ने....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस ने इस आदेश को आधार बनाकर चुनाव आयोग की मौजूदा सत्यापन प्रणाली को अपारदर्शी और जवाबदेही से रहित बताया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी की टीम हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात जैसे राज्यों से मिले इनपुट का विश्लेषण कर रही है। सबसे ज्यादा ध्यान वाराणसी पर है-जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकसभा सीट है। कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय, जिन्होंने वाराणसी से दूसरा स्थान प्राप्त किया था, पहले ही चुनाव परिणाम को चुनौती दे चुके हैं। उनका आरोप है कि सातवें राउंड की गिनती तक मोदी पीछे चल रहे थे, तभी बिजली चली गई और बाद में मोदी नेता को विजेता घोषित कर दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जो हाल ही में गुजरात का दौरा करके लौटे हैं, के पास भी कथित तौर पर दस्तावेज़ हैं जो उन्होंने चुनावी आयोग और भाजपा सरकार की नाक के नीचे हुए व्यापक चुनावी घोटालों के प्रमाण के रूप में बताए हैं। पार्टी इस पूरे मामले में रणनीतिक ढंग से धीरे-धीरे सबूतों को सार्वजनिक कर रही है। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, इसमें कोई जल्दबाज़ी नहीं है-राहुल जी चाहते हैं कि हर आरोप के पीछे दस्तावेज़, शपथ-पत्र और कानूनी तर्क हों, ताकि ये न केवल अदालत में बल्कि जनता के सामने भी टिक सके। जहां भाजपा इन सभी आरोपों को लगातार बेबुनियाद बता रही है, वहीं कांग्रेस नेताओं का दावा है कि यह खुलासा राजनीतिक हलचल पैदा कर सकता है और आगामी राज्य चुनावों से पहले विपक्षी दलों को ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

फिलहाल सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि राहुल गांधी अपना तथाकथित हाईडोज़न बम कब फोड़ते हैं-एक ऐसा कदम जिससे कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि भारत में चुनावी प्रक्रिया की साख पर बहस की दिशा ही बदल जाएगी।

आइज़ोल से दिल्ली के बीच राजधानी एक्सप्रैस को प्र.मंत्री ने हरी झंडी दिखाई

आइजोल, 13 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की राजधानी आइजोल को रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली बरबई से सायरंग तक बनी नयी रेल लाइन पर ट्रेन परिचालन का शुभारंभ करने के साथ ही, सायरंग से दिल्ली जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस, सायरंग से कोलकाता और सायरंग से गुवाहाटी जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मोदी मौसम खराब होने के कारण समारोह स्थल तक नहीं पहुंच पाये और उन्होंने हवाई अड्डे से वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग से इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

आइजोल से दिल्ली जाने वाली इस राजधानी एक्सप्रेस के शुरू होने के बाद यह पूर्वोत्तर राज्यों की चौथी राजधानी हो गयी है, जो देश की राजधानी से रेल मार्ग से जुड़ गयी। मोदी ने 05609 बरबई से कोलकाता, 05610 सायरंग से गुवाहाटी ओर सायरंग से आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) के बीच चलने वाली ट्रेनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि बरबई से सायरंग के बीच बनी नयी रेल लाइन पर्वतीय क्षेत्र से होकर गुजरी है।

सुशीला कार्की के प्र.मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वहाँ उन्होंने चर्चा, बहस और मतभेदों के बाद अंततः उन्हें प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय लिया।

इन युवाओं, जिन्हें अब आम तौर पर नेपाल की ''जैन ज़ैड'' कहा जा रहा है, ने बहस की, आपस में सहमति जताई और अंततः यह निर्णय लिया कि कार्की को प्रधानमंत्री चुना जाए। ''डिस्कॉर्ड'' नाम के मंच ने इन युवाओं को एक बेहद कठिन निर्णय लेकर अप्रत्याशित समझौते (अकॉर्ड) पर पहुँचने में मदद की, जो देश में कुछ हद तक स्थिरता लाने की दृष्टि से अहम है।

सामान्यतः संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री का संसद का सदस्य होना ज़रूरी है। लेकिन इस असाधारण स्थिति में, जब संसद भंग हो चुकी है और प्रधानमंत्री फरार हैं, सुशीला कार्की को विशेष क़ानून के तहत यह पद सौंपा गया। कार्की ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है और अब वे मार्च 2026 में होने वाले अगले चुनाव तक सरकार का संचालन करेंगी। वे सरकार और उच्च पदों में फैले भ्रष्टाचार की कट्टर विरोधी रही हैं। मुख्य न्यायाधीश रहते हुए भ्रष्टाचार की लॉबी ने उन्हें बुरी तरह निशाना बनाया था।

इन लॉबीज़ के द्वारा उनके ख़िलाफ़ महाभियोग प्रस्ताव भी लाया गया था, हालाँकि वह पारित नहीं हो सका। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया से वे इतनी आहत और निराश हुईं कि अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया। अब उन्हें सेवानिवृत्ति से बाहर लाकर, फिर से नेतृत्व की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

उनकी नियुक्ति पड़ोसियों के बीच पहले से ही बिगड़े संबंधों को सुधारने में अहम भूमिका निभा सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली भारत विरोधी थे, और उन्होंने चीन का खुलकर साथ दिया। उनके कार्यकाल में चीन को भारत विरोधी अभियान चलाने का सीधा अवसर मिला।

कार्की की कुछ पढ़ाई भारत में हुई है। उन्होंने बनारस हिंदू युनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई की और आगे की पढ़ाई नेपाल में पूरी की। वे नेपाल की राजनीति, सरकार और अभिजात वर्ग में फैले सर्वव्यापी भ्रष्टाचार के खिलाफ़ अपनी जुझारू लड़ाई के लिए जानी जाती रही हैं। उनकी भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम से सत्ता में बैठे लोग इतने नाराज़ हुए कि उन्हें अपने पद से हटना पड़ा। अब उनके सामने बेहद कठिन चुनौती होगी, क्योंकि विरोधी ताक़तें बहुत सशक्त और आक्रामक हैं। उन्हें काबू में किए बिना देश में स्थिर सामाजिक और राजनीतिक माहौल लौटाना मुश्किल होगा।

इसके साथ ही, उनके समक्ष अगले साल मार्च तक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने की भी चुनौती है, जो आसान काम नहीं होगा।

मणिपुर के कुकी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सामना करना पड़ा और वे पूरी तरह से घाटी क्षेत्रों से बाहर कर दिए गए हैं। इन दस विधायकों में सात विधायक भाजपा से हैं।

कुकी समुदाय मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में बहुसंख्यक है, जबकि मैतेई समुदाय घाटी क्षेत्रों में प्रभावशाली माना जाता है। ज्ञापन में विधायकों ने दावा किया कि दोनों समुदाय अब केवल अच्छे पड़ोसी के रूप में शांति से रह सकते हैं, लेकिन एक ही छत के नीचे नहीं।

गौरतलब है कि जुलाई 2023 में भी इन्हीं दस आदिवासी विधायकों ने केन्द्र सरकार से यह मांग की थी कि हिंसा के मद्देनजर, उनके समुदाय के लिए अलग प्रशासन की व्यवस्था की जाए।

प्र.मंत्री की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'राजधर्म' कहाँ है?

आख़िरकार, मोदी का यह दौरा मरहम है या दिखावा और मज़ाक़, यह देखने वाले की नज़र पर निर्भर करता है। जहाँ एक ओर, यह दौरा विकास और एकता का संदेश देता है, वहीं इसकी संक्षिप्त अवधि और ठोस नीतियों की कमी इसके असर को सीमित कर देती है।

अब समय ही बताएगा कि यह दौरा मणिपुर जैसे संघर्षग्रस्त राज्य के लिए स्थायी और सकारात्मक बदलाव ला पाएगा या नहीं।

नेपाल की संसद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में बर्तन एक साथ रखे जाते हैं, तो आवाज़ तो होती ही है। ऐसा होता है।''

सुशीला कार्की भारत के लिए कोई अजनबी नहीं हैं। लाखों नेपाली नागरिकों की तरह, नेपाल की नई प्रधानमंत्री के भारत से गहरे संबंध हैं, जिसे सांस्कृतिक रूप से नेपाल का चेहरा माना जाता है। अब 73 वर्ष की हो चुकीं कार्की ने भारत के उत्तर प्रदेश स्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से पढ़ाई की थी और गंगा नदी के पास छत पर सोने के अपने दिनों को स्नेहपूर्वक याद करती हैं।

विकास के लिए शांति जरूरी है,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घाटी के इलाकों में विभिन्न समूहों के साथ समझौतों को लेकर बातचीत हुई है।

भारत सरकार शांति स्थापित करने के प्रयास करते हुये, संवाद, परस्पर सम्मान एवं समझबूझ को प्राथमिकता दे रही है। ''मैं आप सभी संगठनों से अपील करता हूं कि शांति के मार्ग पर आगे बढ़ें और अपने सपनों को पूरा करें। मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर की जनता के साथ है।''

भारी बारिश के कारण, प्रधानमंत्री ने हेलीकॉप्टर की बजाय कार से यात्रा करने का विकल्प चुना।

प्रधानमंत्री का भाषण मुख्यतः विकास पर केन्द्रित रहा - इंफाल में नया हवाई अड्डा, नए हाईवे, रेल और सड़क कनेक्टिविटी, जीरीबम से इंफाल को जोड़ने वाली रेलवे परियोजना, चिकित्सा महाविद्यालय आदि पर उन्होंने विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है... एक समय था, जब दिल्ली में लिए गए फैसलों को यहां तक पहुंचने में दशकों लगते थे। आज हमारा चुराचांदपुर, हमारा मणिपुर, देश के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पूरे देश के गरीबों के लिये पक्के मकानों के निर्माण की घोषणा की थी तथा उसका लाभ मणिपुर को भी मिला था।

उन्होंने कहा, यहां लगभग 60,000 घर बनाए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को गरिमा और सुरक्षा से भरा जीवन मिला है।

उन्होंने यह भी बताया कि ''पिछले वर्षों में देशभर में 15 करोड़ से अधिक लोगों को नल से जल की सुविधा मिली है। 7-8 साल पहले मणिपुर में केवल 25-30 हजार घरों में ही पाइप से पानी आता था। आज यहां 3.5 लाख से अधिक घरों में नल से पानी की सुविधा पहुंच चुकी है।

प्रधानमंत्री की यात्रा से कुछ घंटे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस यात्रा को ''दिखावा'' और मणिपुर के लोगों का अपमान करार दिया।

खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, मणिपुर में आपका यह 3 घंटे का स्टॉपओवर कोई करुणा नहीं है - यह ढोंग है, दिखावा है और जख्मी लोगों का घोर अपमान है। इंफाल और चुराचांदपुर में आपका आज का रोड शो राहत शिविरों के लोगों की चीखें सुनने से भागने की कायरता पूर्ण कोशिश है।''

मेघालय के पूर्व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करेगी। साधारण परिवार से आने वाले नेता लापांग मेघालय के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। उन्होंने शुरु में अपनी मां की चाय की दुकान चलाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने मजदूरी की, शिक्षक बने और सरकारी कर्मचारी के रूप में भी काम किया। उनका राजनीतिक सफर 1972 में नोंगपोह विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल कर शुरू हुआ और फिर वे कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गये। दिवंगत नेता कैबिनेट मंत्री भी रहे और फिर 1992 से 2010 तक मेघालय के मुख्यमंत्री रहे। वह मेघालय प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष भी रहे और फिर वे 2018 में नेशनल पीपुल्स पार्टी से जुड़ गये। उन्होंने कॉनराड संगमा नेतृत्व वाली सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में भी काम किया। लापांग को 1992 में री-भोई जिले के बनने में प्रमुख व्यक्ति माना जाता है, जो मेघालय के प्रशासनिक इतिहास में एक मील का पत्थर है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908